रायपुर। मंगलवार, 13 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष तृतीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 72/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

नवरात्र तीसरा दिन
माता चंद्रघंटा

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी खेल 2026 का रंगारंग उद्घाटन...
@ विचार आईएएस-एचसीएस की सफलताः प्रतिभा की परीक्षा...
@ व्यापार वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से भारतीय शेयर बाजार लाल निशान ...

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की याचिका

आज हो सकती है सुनवाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कानूनी टीम ने भारतीय चुनाव आयोग की कथित अनियमितताओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक अहम याचिका दाखिल की है। याचिका को सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में दर्ज कर लिया गया है और इसका डायरी नंबर 64196/2026 है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह याचिका 12 अक्टूबर 2026 को शाम 4:37 बजे फाइल की गई है। फिलहाल इसकी स्थिति लंबित दिख रही है और इसका केस नंबर डब्ल्यू.पी.(सी) नंबर के तहत दर्ज हुआ है। इस मामले पर मंगलवार को सुनवाई होने की संभावना जताई जा रही है।

यह याचिका अकेले राहुल गांधी की नहीं, बल्कि विपक्षी इंडिया गठबंधन के 11 बड़े नेताओं की ओर से संयुक्त रूप से दाखिल की गई है। याचिकाकर्ताओं में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, सौगत रॉय, अखिलेश यादव, तेजस्वी प्रसाद यादव, संजय राउत, एमए. बेबी, डी. राजा, महुआ माजी, सुप्रिया सुले और ई. टी. मोहम्मद बशीर शामिल हैं।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता प्रसन्ना एस. - 2919 इस मामले में पैरवी कर रहे हैं।

याचिका में कुल चार पक्षों को प्रतिवादी बनाया गया है। इसमें पहला प्रतिवादी भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) है, जबकि अन्य तीन प्रतिवादी चुनाव आयोग के अधिकारी ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी हैं।

सूत्रों के अनुसार, याचिका में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाए गए हैं। हालांकि याचिका की पूरी कॉपी अभी सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि इसमें हाल के चुनावों में हुई कथित अनियमितताओं, वोटर लिस्ट और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों का जिक्र किया गया है।

कानूनी जानकारों का मानना है कि मामला बेहद संवेदनशील होने के कारण इसे अर्जेंट हियरिंग के तौर पर मंगलवार को सुनवाई के लिए लगाया जा सकता है।

बता दें कि राहुल गांधी पहले भी चुनाव आयोग पर कथित 'वोट चोरी' और पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं। अब इस कानूनी लड़ाई के जरिए विपक्ष ने सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिससे इस मामले पर सबकी नजरें टिकी हैं।

माइकल वुडफोर्ड और रॉबर्ट ई हॉल को इकोनॉमिक्स का नोबेल पुरस्कार

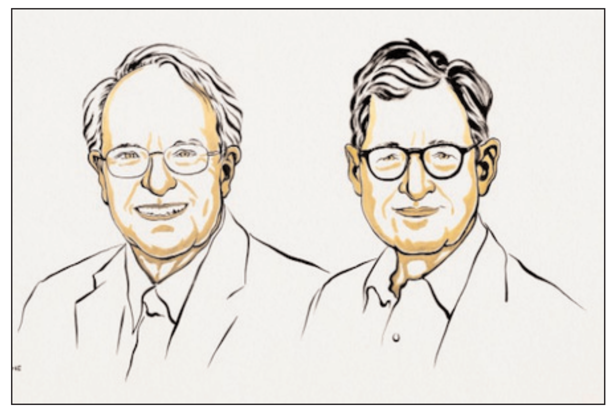

एजेंसी ■ स्टॉकहोम

इस साल अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दो अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को इसकी घोषणा की। रॉबर्ट ई हॉल स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और माइकल वुडफोर्ड कोलंबिया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं।

दोनों को यह पुरस्कार इंफ्लेशन यानी मंदी और इकोनॉमिक बूम यानी तेजी के बीच अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने से जुड़ी नीतियों के लिए सूक्ष्म आर्थिक आधार का विकास करने के लिए दिया गया। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ने नामों का ऐलान करते हुए कहा कि दोनों ने दिखाया कि कैसे आर्थिक मॉडलों का पुनर्निर्माण करके स्थिरीकरण नीति (स्टेबलाइजेशन पॉलिसी) को फिर से सक्रिय किया जा सकता है।महंगाई, उत्पादन और खपत जैसे मैक्रोइकॉनॉमिक वेरिएबल्स (मसलन मंदी, जीडीपी, बेरोजगारी दर जैसे अर्थव्यवस्था के संकेतक) के बीच सांख्यिकीय संबंधों पर मॉडल आधारित करने के बजाय, उन्होंने उन्हें माइक्रो-इकॉनॉमिक फाउंडेशन बनाने का विकल्प चुना। उनकी रिसर्च से यह समझने में मदद मिली कि सरकारें और केंद्रीय बैंक सही समय पर आर्थिक फैसले लेकर मंदी के असर को कैसे कम कर सकते हैं। दोनों को कुल 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोनर (करीब 11 करोड़ रुपए) की पुरस्कार राशि बराबर-बराबर मिलेगी।

इसमें इस बात की समझ शामिल है कि कैसे व्यक्तिगत परिवारों और व्यवसायों का समग्र समूह अपने कार्यों के माध्यम से अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है।

बता दें, अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार अल्फ्रेड नोबेल की मूल वसीयत में शामिल नहीं था। स्वीडन के केंद्रीय बैंक ने 1968 में इसकी शुरुआत की थी। इसका आधिकारिक नाम 'अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में आर्थिक विज्ञान में स्वेरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार' है। 1969 में नॉर्वे के राग्नार फ्रिस्क और नीदरलैंड के जान टिनबर्गेन को गतिशील आर्थिक मॉडलिंग में काम के लिए यह पुरस्कार दिया गया था।

नोबेल प्राइज देने वाली संस्था की आधिकारिक साइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, नोबेल पुरस्कार स्वीडिश वैज्ञानिक और डायनामाइट के आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में दिए जाते हैं।

सितंबर में खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत रही, आलू और टमाटर हुए सस्ते

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में सितंबर 2026 में खुदरा महंगाई सालाना आधार पर बढ़कर 5.54 प्रतिशत (प्रोविजनल) हो गई है, जबकि अगस्त में यह 4.83 प्रतिशत (फाइनल) थी। यह जानकारी सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों में दी गई।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2026 में ग्रामीण भारत में खुदरा महंगाई 6.08 प्रतिशत रही है, जबकि शहरी इलाकों में यह 4.88 प्रतिशत रही है।

सितंबर 2026 में खाद्य महंगाई दर सालाना आधार पर 7.74 प्रतिशत

रही है। ग्रामीण इलाकों में यह 8.06 प्रतिशत और शहरी इलाकों में 7.18 प्रतिशत रही है।

बीते महीने जिन शीर्ष पांच उत्पादों की कीमतों में कमी देखने को मिली है, उनमें आलू (-11.50 प्रतिशत), टमाटर (-8.62 प्रतिशत), मोटर कार एंड जीव (-4.51 प्रतिशत), भिंडी (-4.48 प्रतिशत) और नारियल (-3.99 प्रतिशत) शामिल हैं।

इसके अलावा, सितंबर में जिन शीर्ष पांच उत्पादों की कीमतों में इजाफा हुआ है उनमें प्याज (+108.09 प्रतिशत), चांदी की ज्वेलरी (+87.80 प्रतिशत), अदरक (+62.85 प्रतिशत), लहसुन (+54.62 प्रतिशत)और नींबू (+36.41 प्रतिशत) शामिल हैं। सितंबर में तमिलनाडु (6.81 प्रतिशत), ओडिशा (6.70 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (6.68 प्रतिशत), तेलंगाना (6.64 प्रतिशत) और आंध्र प्रदेश (6.29 प्रतिशत), देश में सबसे अधिक खुदरा महंगाई दर्ज करने वाले शीर्ष पांच राज्य थे।

अब जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल नहीं रहेगा

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर होने वाले विरोध-प्रदर्शन को लेकर गृह मंत्रालय ने बड़ा फैसला किया है। अब जंतर-मंतर पर कोई विरोध-प्रदर्शन नहीं कर सकेगा। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन के लिए नई गाइडलाइंस जारी की है। यह फैसला गृह मंत्रालय की कमेटी की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने नागरिकों के विरोध-प्रदर्शन करने के अधिकार के लिए मौजूदा 'तय जगह' के अलावा अन्य सही जगहों की जांच करने के लिए एक समिति बनाई थी। समिति की सिफारिशों के आधार पर जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन की जगह के तौर पर हटा दिया गया है। विरोध-प्रदर्शन आयोजित करने के लिए तीन नई जगहों- रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और सीबी मैदान (पूर्वी दिल्ली) को तय किया गया है।

खबर झरोखा

सरकार को विरोध की आवाज से दिक्कतः अभिजीत दिपके

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन पर रोक लगा दी है। कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दिपके ने निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र को लोगों के विरोध करने के विचार से दिक्कत थी। अभिजीत दिपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, पीएम मोदी ने जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन की तय जगह के तौर पर हटा दिया। कल वे लोकतंत्र को ही खत्म कर देंगे। तानाशाह को कभी विरोध-प्रदर्शन की जगह से दिक्कत नहीं थी।

सेना का एयरक्राफ्ट क्रैश, दो की मौत

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत माने जाने वाले प्रांत बलूचिस्तान में सोमवार को सेना का एक प्लेन क्रैश हो गया। इसमें सवार दोनों पायलट हादसे का शिकार हो गए। सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) ने इसकी जानकारी दी। पाकिस्तानी दैनिक डॉन ने बताया कि सोमवार को क्वेटा में तकनीकी खराबी के कारण एक ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट के क्रैश होने से पाकिस्तान सेना के दो पायलट शहीद हो गए।

आरपीएफ का 42वां स्थापना दिवसः परेड, पदक और आधुनिक तकनीक का प्रदर्शन

संवाददाता ■ रायपुर

रेलवे सुरक्षा बल ने सोमवार को रायपुर के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित इंस्टीट्यूट ग्राउंड में अपना 42वां स्थापना दिवस मनाया। समारोह में भव्य परेड, पदक अलंकरण और आधुनिक सुरक्षा तकनीकों की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में आरपीएफ की महानिदेशक सोनाली मिश्रा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक दयानंद, आरपीएफ के महानिरीक्षक मुनव्वर खुर्शीद सहित रेलवे, पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। समारोह में महिला टुकड़ी, सीओआरएएस कमांडो, श्वान दस्ता और सेगवे टुकड़ी ने परेड के माध्यम से अपनी दक्षता और परिचालन क्षमता का प्रदर्शन किया। इस दौरान उत्कृष्ट सेवा के लिए तीन राष्ट्रपति पुलिस पदक, सराहनीय सेवा के लिए 30 पुलिस पदक और एक रेल यात्री की जान बचाने के लिए जीवन रक्षा पदक प्रदान किया गया।

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में ड्रोन गश्त, ह्यूमनॉइड रोबोट अर्जुन, आरइसीएएम, इएफआरआर और एनसीआरबी के डिजिटल सुरक्षा उपकरण प्रदर्शित किए गए।

समारोह में यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की रक्षा और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर जोर दिया गया। आरपीएफ ने सुरक्षित एवं यात्री-अनुकूल रेल सेवाएं सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

35 लाख के ईनामी 6 नक्सलियों ने छोड़ी हिंसा की राह

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

बचे खुचे नक्सली संगठन को एक और बड़ा झटका लगा है। ओडिशा में सक्रिय चार नक्सलियों और पश्चिम बस्तर डिवीजन के संगठन छोड़कर फरार हुए दो नक्सलियों ने हिंसा की राह को अलविदा कहते हुए बस्तर संभाग की बीजापुर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इन नक्सलियों पर कुल 35 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इनमें चार पपीसीएम और दो पीएम रैंक के सदस्य शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति, सुरक्षा बलों के लगातार अभियान और पुनर्वास कार्यक्रमों से प्रभावित होकर इन कैडरों ने मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। आत्मसमर्पण करने वालों में रानी सोढ़ी उर्फ संध्या, पांडो पोड़ियम उर्फ सस्मिता, सुक्कू कुड़ियम उर्फ संतोष, कोसा माड़वी उर्फ सतीश, देवे मड़कम उर्फ जन्नी और लालू ताती शामिल हैं। इनमें रानी, पांडो, सुक्कू और कोसा पपीसीएम रैंक के थे, जबकि देवे और लालू पीएम रैंक के सदस्य बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, रानी सोढ़ी, पांडो पोड़ियम, सुक्कू कुड़ियम और कोसा माड़वी पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था। देवे मड़कम पर दो लाख और लालू ताती पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। इन सभी पर घोषित इनाम की कुल राशि 35 लाख रुपये है।

बड़ी घटनाओं में थे शामिल

पुलिस की ओर से जारी विवरण के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले कुछ नक्सली लंबे समय से माओवादी संगठन में सक्रिय थे। रानी सोढ़ी वर्ष 2012 से संगठन से जुड़ी थी और बाद में ओडिशा की कंपनी नंबर-8 में पपीसीएम के पद पर काम कर रही थी। पुलिस ने उसे ओडिशा और महाराष्ट्र में हुई कई मुठभेड़ों तथा सुरक्षा बलों से जुड़ी घटनाओं में शामिल बताया है। सुक्कू कुड़ियम वर्ष 2005 से संगठन से जुड़ा था और ओडिशा में माओवादी नेतृत्व की सुरक्षा में तैनात रहा। कोसा माड़वी वर्ष 2005 से सक्रिय था तथा कंपनी नंबर-02 में पपीसीएम और ए-सेक्शन कमांडर की जिम्मेदारी संभाल रहा था।

तीर तेवर — सागर कुमार

जम्मू कश्मीर के राष्ट्रीय 'बसोहली उत्सव' में छत्तीसगढ़ के कार्टूनिस्ट सागर कुमार की चलेगी कूची !

विश्व केसरी ■ सागर कुमार

19 से 21 अक्टूबर तक आयोजित होने वाला 'बसोहली उत्सव 2026' संस्कृति, कला, विरासत और रचनात्मकता का अनूठा संगम होगा, जिसमें भारत के विभिन्न हिस्सों से प्रमुख कार्टूनिस्ट और अन्य कलाकार भाग ले रहे हैं।

बसोहली उत्सव के इस विशेष कार्टून सेगमेंट में जम्मू-कश्मीर के बाहर के चार प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट शामिल होंगे। इनमें छत्तीसगढ़ के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कार्टूनिस्ट सागर कुमार शामिल हैं। सागर कुमार राष्ट्रीय हिन्दी अखबार विश्व केसरी के कार्टूनिस्ट हैं जिनके संपादकीय कार्टून प्रतिदिन प्रथम पृष्ट पर 'तीर तेवर ' नामक कालम में प्रकाशित होते हैं । यह गर्व का विषय है कि जम्मू-कश्मीर सरकार के इस आयोजन में बुलाए गए वे छत्तीसगढ़ के इकलौते कार्टूनिस्ट हैं। देशभर में विख्यात मनोज कुरील और प्रमुख कार्टूनिस्ट माधव जोशी भी इस

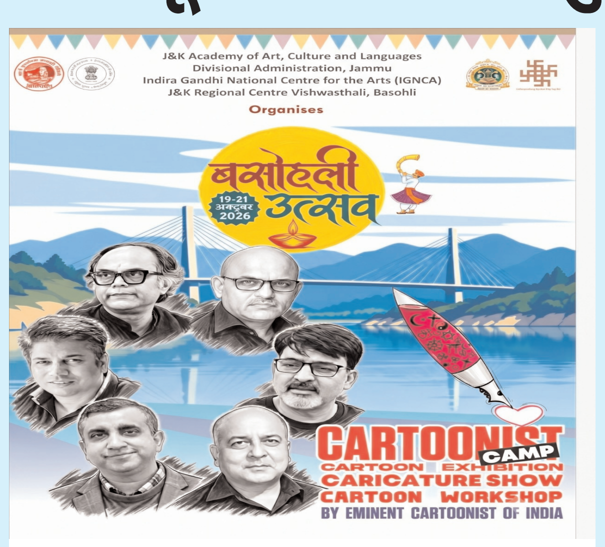

आयोजन का हिस्सा होंगे। इनके साथ जम्मू-कश्मीर के कार्टूनिस्ट- मनोज चोपड़ा, चंद्र शेखर और कश्मीर से शाह तारिक भी महोत्सव में भाग लेंगे।

बसोहली उत्सव सीजन -4 के दौरान ये सभी कार्टूनिस्ट लाइव कार्टून-मेकिंग सत्रों, कार्यशालाओं और एक प्रदर्शनी के माध्यम से अपने रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन करेंगे। आगंतुकों, विशेषकर बच्चों और युवा कलाकारों को पेशेवर कार्टूनिस्टों को काम करते देखने और कार्टून बनाने की बुनियादी तकनीकें सीखने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों जैसे- 'विकास भी

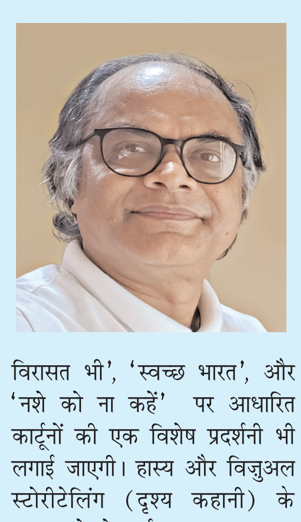

विरासत भी', 'स्वच्छ भारत', और 'नशे को ना कहें' पर आधारित कार्टूनों की एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। हास्य और विजुअल स्टोरीटेलिंग (दृश्य कहानी) के माध्यम से, ये कार्टून जनता तक सरल लेकिन अर्थपूर्ण सामाजिक संदेश पहुंचाएंगे। उत्सव का एक प्रमुख आकर्षण 'आउटडोर कार्टून प्रदर्शनी' होगी, जहां कलाकृतियों को किसी पारंपरिक आर्ट गैलरी के बजाय खुले सार्वजनिक स्थान पर प्रदर्शित किया जाएगा। इससे आगंतुक बसोहली के सांस्कृतिक माहौल का आनंद लेते हुए कार्टून कला का अनुभव कर सकेंगे।

विभिन्न राज्यों के कार्टूनिस्टों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के कलाकारों की यह भागीदारी बसोहली उत्सव में एक नया रचनात्मक आयाम जोड़ेगी। यह पहल कलाकारों, दर्शकों और युवा प्रतिभाओं को एक साझा मंच प्रदान करेगी, और इस तीन दिवसीय उत्सव के दौरान कला, सामाजिक जागरूकता तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देगी।

बसोहली उत्सव का इतिहासः

बसोहली उत्सव की शुरुआत जम्मू-कश्मीर की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और 17वीं सदी की विश्व प्रसिद्ध 'बसोहली चित्रकला' को संरक्षित व प्रोत्साहित करने के लिए हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय कला, डोगरा संस्कृति, हस्तशिल्प और पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाना है। यह महोत्सव सदियों पुरानी पहाड़ी कला और आधुनिक रचनात्मकता का एक ऐतिहासिक संगम है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के छत्तीसगढ़ प्रवास पर लोकभवन में हुई बैठक, दिए गए व्यापक निर्देश

विश्व केसरी

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 22 एवं 23 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर आवश्यक तैयारियों के संबंध में आज लोकभवन में बैठक आयोजित की गई। राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान लोकभवन में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में लोकभवन परिसर में बैठक व्यवस्था, पार्किंग, बिजली और इंटरनेट की निर्बाध उपलब्धता सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। इसके साथ ही चिकित्सा सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों और प्रोटोकॉल के तहत वाहनों की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

बैठक में जनसंपर्क विभाग के संचालक आशीष कुमार टिकरिहा, रायपुर के पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला सहित जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम रायपुर, सामान्य प्रशासन विभाग तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

नाम चुराकर वस्तु बेचने का आरोप, पुलिस ने दर्ज की शिकायत

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में ब्रांड की नकल का मामला सामने आया है। मशहूर 'सूर्यवंश' ब्रांड की हूबहू नकल कर 'सूर्यवंशी' नाम से बेसन बेचने पर माना कैंप पुलिस ने 2 कारोबारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

रामसागरपारा स्थित मनीष आटा चक्की के संचालक मनीष शादीजा ने शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि उनका 'सूर्यवंश' ट्रेडमार्क साल 2004 से रजिस्टर्ड है और 21 जुलाई 2034 तक वैध है। पिछले 20 सालों से यह ब्रांड बाजार में ग्राहकों के बीच अपनी पहचान बनाए हुए है।

पैकेट की भी हूबहू कॉपी की

आरोप है कि मेसर्स एमएस सिंध बेसन के संचालक धीरज सचदेव और उनके परिजनों ने 'सूर्यवंशी' नाम से मिलता-जुलता बेसन बाजार में उतार दिया। शिकायत के मुताबिक सिर्फ नाम ही नहीं, बल्कि पैकेट का पीला रंग, सूर्य का निशान, उत्पाद की फोटो और 'शहर गृहणियों की पहली पसंद' जैसी टैगलाइन तक कॉपी कर ली गई, जिससे ग्राहक भ्रमित हो रहे हैं और उनके ब्रांड की साख को नुकसान पहुंच रहा है।

पुलिस के मुताबिक उत्पाद का उत्पादन और भंडारण माना कैंप के डी-62, जय सदाराम मार्केट और तेलीबांधा के रविग्राम से जुड़ा है। माना पुलिस ने 10 अक्टूबर को ट्रेडमार्क एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर में धीरज सचदेव और श्रीचंद सचदेव का नाम है, जबकि विस्तृत शिकायत में निर्मल सचदेव का भी जिक्र है, जिसकी पुलिस जांच कर रही

दुर्गा पूजा को लेकर बिरगांव निगम अलर्ट

महापौर ने बंजारी मंदिर क्षेत्र का किया निरीक्षण

विश्व केसरी

बिरगांव। दुर्गा पूजा पर्व को देखते हुए बिरगांव नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है। लोक निर्माण विभाग के प्रभारी इकराम अहमद ने बताया कि इसी क्रम में आज महापौर श्री नंदलाल देवांगन ने स्वास्थ्य विभाग एवं निगम आयुक्त, विभागीय प्रभारी श्री ओमप्रकाश साहू तथा निगम के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ बंजारी मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र में नियमित एवं बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में स्थापित दुर्गा पंडालों के आसपास प्रतिदिन विशेष सफाई कराने के निर्देश दिए गए हैं।

इकराम अहमद ने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान पंडालों एवं आसपास के क्षेत्रों में कचरा जमा न हो, इसके लिए निगम की सफाई टीमों को नियमित निगरानी एवं सफाई के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। आवश्यकता के अनुसार कचरा उठाव एवं अन्य स्वच्छता व्यवस्थाओं को भी प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा आस्था और श्रद्धा का पर्व है। इस दौरान शहर में आने वाले श्रद्धालुओं और नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

छत्तीसगढ़ नगर दशहरा उत्सव समिति का 19वें वर्ष में प्रवेश, हुआ भूमिपूजन

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगर दशहरा उत्सव समिति द्वारा 19वें वर्ष के भव्य दशहरा उत्सव का भूमि पूजन विधिवत संपन्न हुआ। यह आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद देवेंद्र यादव के नेतृत्व में निरंतर आयोजित किया जा रहा है।

इस अवसर पर रायपुर के पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष तिवारी, शहीद राजीव पांडे वार्ड के पार्षद एवं जोन क्रमांक 6 के अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष ओम श्रीवास , छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रदीप साहू, सहित समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

19 वर्षों से निरंतर जारी है दशहरा उत्सव की परंपरा

छत्तीसगढ़ नगर दशहरा उत्सव समिति द्वारा विगत 19 वर्षों से लगातार दशहरा उत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में आयोजित यह उत्सव आज रायपुर राजधानी सहित पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं वार्डवासियों के सामूहिक सहयोग से यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा निरंतर आगे बढ़ रही है।

भव्य आतिशबाजी और विशाल पुतले होंगे आकर्षण का केंद्र

इस वर्ष दशहरा उत्सव में कलकत्ता की टीम द्वारा भव्य आतिशबाजी की जाएगी। इसके साथ ही 45 फीट ऊंचा रावण तथा 30-30 फीट ऊंचे कुंभकर्ण एवं मेघनाथ के पुतले तैयार किए जाएंगे। भगवान श्रीराम की लीला एवं रामायण के मंचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, सत्य, मर्यादा और सदाचार का संदेश दिया जाएगा।

रात्रिकालीन रंग सरोवर सांस्कृतिक कार्यक्रम

दशहरा उत्सव में रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गरियाबंद के भूपेंद्र साहू द्वारा रंग सरोवर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। भव्य आतिशबाजी, विशाल पुतलों, रामलीला मंचन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण भक्तिमय और उत्साहपूर्ण होगा।

विश्व गठिया दिवस पर आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

विश्व केसरी

रायपुर। विश्व गठिया दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत धर्मपुरा, एयरपोर्ट के समीप, रायपुर में आयुष विभाग के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन डॉ. डी.पी. गोस्वामी, डॉ. शगुफ्ता कुरैशी एवं एमपीडब्ल्यू मोहन माल्होत्रा द्वारा किया गया।

शिविर में कुल 123 मरीज लाभान्वित हुए, जिनमें से 48 मरीज कार्यक्रम के अंतर्गत पंजीकृत किए गए। शिविर में रोगों की स्क्रीनिंग एवं रोकथाम के साथ आयुर्वेदानुसार उचित आहार-विहार, वजन नियंत्रण, नियमित दिनचर्या तथा योगासन एवं प्राणायाम के महत्व की जानकारी देकर लोगों को जोड़ों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....36233.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36233
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR802M00156** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **JAGNU SAHU** पिता / पति श्री / श्रीमती **KARTIK RAM SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **RAJA KUMAR SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O JAGNU SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र ,दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....36231..../ न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36231
वार्ड का नाम 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108E00365** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **AMIT JAIN (DUGGAD)** पिता / पति श्री/श्रीमती **SURENDRA KUMAR DUGGAD** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SANDESH KUMAR GUPTA** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LATE BABULAL GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAP-ATH PATRA, BANK SALE DOCUMENT /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....36232.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36232
वार्ड का नाम 18 बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR110D00500** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RADHA KISHANRAO** पिता / पति श्री/श्रीमती **C.H.N. RAO** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **SHRINIVAS RAO** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O RADHA KRISHNA RAO** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....36229.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36229
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR802K0914C** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **JOGENDRANATH PATRO** पिता / पति श्री / श्रीमती **M. RAMCHANDRA PATRO** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SONI DEVI** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O SANJAY KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....36228.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36228
वार्ड का नाम 18 बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR110B00202** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHEELA GHODESHWAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **MANISHANKAR GHODESHWAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. **UTTAM** 2.**SUNIL** 3. **MARUTI RAO** 4. **MANISHA** 5. **AVINASH** 6. **AMRAPALI** 7. **MUKESH** 8. **ASHISH** 9. **MAMTA** 10. **JAISHANAKR** 11. **SID-DHARTH** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O JATASHANAKAR S/O BHO-LASHANKAR S/O GAN-GASHANKAR S/O MANIK RAO** ने मृत्यु प्रमाण पत्र , सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **MRI-TYU PRAMAN PATRA, Bv VAN-SHAWALI** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36257..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36257
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455P00011** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Bisahuram** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **RAM SHARAN SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LT. BISAHU RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPATH PATRA, SAHMATI PATRA AND DEATH CERTIFICATE OR PANCHNAMA** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
-:संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....36225..../ न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36225
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR104000042** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती संजय सिंह ठाकुर पिता / पति श्री/ श्रीमती तोमर सिंह ठाकुर के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती कुनाल वाधवानी , दीपांशु वाधवानी पिता / पति श्री / श्रीमती कुंदन दास वाधवानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र , हिब्बानामा रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....36211.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36211
वार्ड का नाम 30- शंकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 30 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328C0233A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **HEMLAL VERMA** पिता / पति श्री/श्रीमती **PRABHULAL VERMA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्री आशीष चौधरी पिता / पति श्री/श्रीमती पिता श्री अजय चौधरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
-:: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35965/ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 12-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35965
वार्ड का नाम 12 - कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR330B00059** ज जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SANDEEP MEGHANI** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE. JAYRAM DAS** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. अभिषेक मेघानी 2. अनुराग मेघानी पिल / पति श्री श्रीमती स्व. सुनील मेघानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशान के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
-:: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....36210/ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 10-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36210
वार्ड का नाम 12 - कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR225G00221** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MOTILAL LAHOTI** पिता/पति श्री श्रीमती **LATURAM LAHOTI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. डॉ. सत्यन सोनी 2. श्रीमती निशा महेंद्रकुमार वर्मा पित/पति श्री श्रीमती 1. श्री रामचन्द्र सोनी 2. डॉ. सत्यन सोनी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पक्षात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36113..../ न. पा. नि. जोन क्र- 9/2026
रायपुर, दिनांक 10-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36113
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227B00116** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **D. V. DEVENDRA MANI** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE D. V. S. RAO** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती शीरीन खान पिता/पति श्री श्रीमती मोहम्मद उमर फारुख खान ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36112..../ न. पा. नि. जोन क्र- 9/2026
रायपुर, दिनांक 10-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36112
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227P00574** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GEETA SUKSENA** पिता/पति श्री श्रीमती **RAMA SHANKAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती राजू कुमार राठौर पिता/पति श्री श्रीमती माधव प्रसाद राठौर ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36109..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 10-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36109
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227RA0056** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HIMANSU BHUSAN PANDA S/O DURGA PRASANNA PANDA, ADYARASHMI PANDA W/O HIMANSU BHUSAN PANDA** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती अंजली गोयल पिता / पति श्री श्रीमती अतुल कुमार गोयल ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36108..../ न. पा. नि. जोन क्र 9/2026
रायपुर, दिनांक 10-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36108
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227A00445** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **CHUNNI LAL PATEL** पिता/पति श्री श्रीमती **HANSRAJ BHAI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती मेघना जैन पिता/पति श्री/ श्रीमती शैलेन्द्र जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

बकावंड में बाघ के पदचाप मिले, दहशत में ग्रामीण वन विभाग ने सुरक्षा को लेकर शुरू की कार्रवाई

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। सुशासन सरकार में वन मंत्री केदार कश्यप की शानदार पहल के चलते अब नक्सल मुक्त बस्तर जंगलों में वन्यप्राणियों के बीच भी सुशासन का असर दिखाई देने लगा है। यहां जंगली जानवरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। शेर, बाघ, तेंदुओं और भालुओं की आमद अब जंगल से होकर नदी किनारे बसे ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही है। वन अधिकारियों को वन्य प्राणियों के साथ ही ग्रामीणों की भी सुरक्षा के ठोस उपाय करने होंगे।

बस्तर जिले के बकावंड के जंगलों में वन्यजीवों की आहट से दहशत का माहौल है।उलनार-पाईकपाल में बड़े जानवर के ताजा पदचिह्न मिले हैं। खराहा डोंगरी के पास धान के खेत की मेड़ पर वन्यजीव दिखने की चर्चा भी है।वन विभाग की टीम जांच में जुट गई है।वन विभाग के बकावंड रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत उलनार और पाईकपाल के जंगलों में इन दिनों वन्यजीव की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों के बीच चिंता का माहौल है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, बशनिवार सुबह कुछ ग्रामीणों और राहगीरों ने एक बड़े वन्यजीव को देखने की बात कही है। रविवार सुबह खराहा डोंगरी के समीप धान के खेत की मेड़ पर ग्रामीणों को बड़े आकार के पदचिह्न दिखाई देने की जानकारी भी सामने आई है। ग्रामीण उसे शेर के पंजों का निशान बता रहे हैं।हालांकि वन्यजीव की वास्तविक पहचान की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों से वन्यजीव दिखाई देने की सूचना मिलने के बाद बकावंड वन विभाग रेंज की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। वन विभाग द्वारा पदचिह्नों तथा घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। फिलहाल संबंधित वन्यजीव की मौजूदगी और उसकी प्रजाति को लेकर कोई ठोस आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में जांच पूरी होने और विभागीय पुष्टि होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। उलनार, पाईकपाल, जूनावनी, टिवंसगुड़ा और आसपास का क्षेत्र घने जंगलों और वनक्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। जंगल से लगे खेतों और ग्रामीण रास्तों पर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में किसी बड़े वन्यजीव की मौजूदगी की सूचना से ग्रामीणों में स्वाभाविक रूप से चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग क्षेत्र में निगरानी बढ़ाए, पदचिह्नों की वैज्ञानिक तरीके से जांच करे और लोगों को वन्यजीवों से सुरक्षित रहने के संबंध में आवश्यक जानकारी दे।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर सवाल

उलनार स्थित प्रसिद्ध भद्रकाली माता मंदिर क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। नवरात्रि के अवसर पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर तक आने-जाने वाले मार्गों के आसपास जंगल होने के कारण मौजूदा सूचना ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी सतर्कता की आवश्यकता बढ़ा दी है।ऐसे में वन विभाग को मंदिर तक आने-जाने वाले रास्तों और आसपास के वनक्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने, जरूरत के अनुसार गश्त की व्यवस्था करने तथा ग्राम पंचायत और मंदिर समिति के साथ समन्वय बनाने की आवश्यकता है। यदि वन्यजीव की मौजूदगी की पुष्टि होती है, तो विभाग को परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। वन्यजीव की पहचान स्पष्ट होने तक ग्रामीणों को अफवाहों से बचने और बिना पुष्टि के किसी संदेश या तस्वीर को साझा नहीं करने की जरूरत है। लोगों को अकेले जंगल की ओर जाने, वन्यजीव के करीब पहुंचने या पदचिह्नों का पीछा करने से बचना चाहिए। किसी वन्यजीव के दिखाई देने पर सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए तत्काल वन विभाग को सूचना देना उचित होगा। खराहा डोंगरी के पास मिले पदचिह्न मिलने और वन्यजीव देखे जाने की सूचना की पुष्टि होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि क्षेत्र में किस वन्यजीव की मौजूदगी है। फिलहाल ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग की सतर्क निगरानी और समय पर आधिकारिक जानकारी जारी करना महत्वपूर्ण है।

शासन से स्वीकृत पेय जल की टंकी का निर्माण 2 साल से अधूरा

विश्व केसरी

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। जल जीवन मिशन के नाम पर भ्रष्टाचार का एक और बड़ा मामला ग्राम बकावंड ब्लॉक के भिरिंडा से सामने आया है। शासन ने गांव में पानी की समस्या दूर करने के लिए 60.43 लाख रुपए की सिंगल विलेज योजना स्वीकृत की थी, लेकिन दो साल बाद भी काम कागजों में ही है। मौके पर लगा बोर्ड इसकी गवाही दे रहा है।

गांव में लगाए गए बोर्ड के अनुसार कार्यादेश क्रमांक - 4311, दिनांक 0 7 अगस्त 2023 को जारी किया गया है। अनुबंध क्रमांक 246/ डीएल /2023-24 और निर्माण एजेंसी संजय कुमार अग्रवाल हैं। योजना में 40 किलो लीटर क्षमता की टंकी निर्माण, 2694 मीटर पाइप लाइन बिछाने, 84 घरों में नल कनेक्शन देने, बाउंड्री वाल और क्लोरीनेटर रूम बनाने के कार्य शामिल थे। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार ने सिर्फ बोर्ड लगाकर खानापूर्ति कर दी है। बाउंड्री वाल आधी-अधूरी है, टंकी का काम भी अधूरा है। अधिकारी मौन धारण करके बैठे हैं।इस मामले को लेकर आदिवासी समाज के युवा जिला अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा- भिरिंडा जैसे आदिवासी गांव में जल सुविधा के लिए मिले 60 लाख रुपए निकाल लिए गए और जमीन पर कुछ नहीं है। यह सीधे-सीधे आदिवासी हितों के साथ धोखा है। अगर एक महीने के अंदर काम शुरू नहीं हुआ तो हम पीएचई विभाग का घेराव कर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।'

कोयली बेड़ा भाजपा मंडल में 102 लोगों ने थामा सदस्यता

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। दसासद भोजराज नाग ओर विक्रम सिंह उसेंडी ने किया स्वगत किया जनपद सदस्य साविता ध्रुव सहित 12 महिला 90 पुरुषों ने पार्टी की विशवास जताते हुवे सदस्यता ग्रहण की ओर सासद ओर विधायक ने नए सदस्यों को गमछा पहनकर अभिनंदन किया क्षेत्र में संगठन गतिविधियों जनसहभागीता के से महत्वपूर्ण माना जाता है कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद भोजराम नाग, विधायक विक्रम सिंह उसेंडी जिला भाजपा महामंत्री जितेंद्र मरकाम जी मंडल अध्यक्ष लच्छू राम गावड़े जी ओर पंचायत सदस्य कामिनी उसेंडी जनपद सदस्य सरोज उसेंडी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मां वीणापाणि संगीत विद्यालय ने नाना पाटेकर को सुरों से दी श्रद्धांजलि

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। कला, अभिनय और सादगी के प्रतिमान, भारतीय सिनेमा और रंगमंच के शिखर पुरुष, महानअभिनेता नाना पाटेकर जी के आकस्मिक निधन पर मां वीणापाणि संगीत विद्यालय बस्ती सरायपाली में एक शोक सभा का आयोजन कर दीपों,पुष्पों और सुरों से भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुई। तत्पश्चात विद्यालय के समस्त कला साधकों, शिक्षकों विद्यार्थियों और शिक्षार्थियों ने एक लंबी श्रृंखला बनाकर हाथों में दीप और पुष्प थामे एक-एक कर सभी ने दीप प्रज्वलित कर नाना जी के तैलीय चित्र के समक्ष स्थापित कर दीपांजलि और पुष्पांजलि अर्पित किए।दीपों की यह कतार मानो उनके जीवन के उस प्रकाश को दर्शा रही थी। जो उन्होंने अपने अभिनय और सामाजिक कार्यों में समाज में फैलाया था। इस अवसर पर संगीत विद्यालय के संचालक जन्मजय नायक ने संगीत की सुरम्य में भाषा और साहित्यिक अंदाज में कहा भारतीय कला जगत का एक ऐसा राग आज मौन हो गया। जिसकी तान में समाज का सच बोलता था। जिसकी आवाज में कभी बादलों की गर्जना और अंतर्मन की करुणा एक साथ गूंजती थी। उनका डायलॉग (संवाद)बोलना किसी सधे हुए शास्त्रीय गायक के आलाप जैसा था। गंभीर, गहरा और सीधे रूह को छू लेने वाला। उनका अभिनय कोई बनावटी राग नहीं था, बल्कि वह हृदय से निकला 'अनाहत' नाद था। जिसमें सच्चाई की धड़कन थी।

रोजगार मेला 14 अक्टूबर को, तीन सौ से अधिक पदों पर होगी भर्ती

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। जिले के शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्रदान करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा जिला रोजगार कार्यालय बलौदाबाजार के माध्यम से शासकीय आईटीआई सकरी में 14 अक्टूबर 2026 बुधवार को रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला में कुल 348 पदों पर भर्ती की जाएगी।

रोजगार मेला में नियोजक प्रेम प्रकाश फुड भाटापारा द्वारा एकाउंटेंट के 02 पद, सुपरवाइजर के 3 पद, लैब तकनीशियन के 2 पद, फेबरीकेटर के 02 पद, लेबर के 10 पद, मनेजर के 1 पद, एच.आर. एक्जीक्यूटीव के 1 पद, शैक्षणिक योग्यता 5वीं से उच्च, उम्र 18 से 45 वर्ष, अनुभव 0-3 वर्ष, वेतन पदानुसार 10 हजार से 35000 हजार रूपए, कार्यक्षेत्र भाटापारा होगा।

होटल राज रेसिडेंसी भाटापारा द्वारा रिसेप्सनिस्ट के 2 पद, हाऊस किपिंग स्टाफ के 3, कम्प्यूटर ऑपरेटर के 2 पद, शैक्षणिक योग्यता 5वीं से उच्च, उम्र 20 से 45 वर्ष, अनुभव 0-02 वर्ष, वेतन 10 हजार से 35 हजार रूपए, कार्यक्षेत्र भाटापारा होगा।

एबी इंटर प्राइजेज महासमुंद द्वारा बिजनेस एसोसिएट के 15 पद, उम्र 18 से 35 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता 12वीं से उच्च, वेतन 10 हजार से 30 हजार रूपए, कार्यक्षेत्र बागबाहरा होगा। टेलेंट क्राप्ट सॉल्यूशन प्रा.लि. पुणे महाराष्ट द्वारा अप्रेंटिस ट्रेनी के 50 पद, शैक्षणिक योग्यता 10वीं से स्नातक उत्तीर्ण, उम्र 18 से 32 वर्ष, वेतन 17 हजार सात सौ रूपए से 21 हजार रूपए तक, कार्यक्षेत्र पुणे महाराष्ट्र होगा।

तीन सवारी और बिना हेलमेट चलाने वालों के कटे चालान

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस थाना लवन के सामने तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने और बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वालों के चालान काटे गए।

पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना है। दोपहिया वाहन चालकों से अपील की गई कि वे हेलमेट पहनें, निर्धारित नियमों का पालन करें और वाहन चलाते समय सुरक्षा को प्राथमिकता देना । जिसमें 06 ई चालान का कार्यवाही की गई। इस दौरान पुलिस थाना प्रभारी राहुल मिरी, मोहित लाल मलिक एस आई, अस्द खान मुंशी, विरेन्द्र कुमार साहू आरक्षक उपस्थित रहे।

झूमरपाली में 17 से 21 जनवरी तक होगा 118वां रामनामी भजन मेला

विश्व केसरी

भटगांव (रामदास कुर्रे)। छत्तीसगढ़ रामनामी संप्रदाय द्वारा आयोजित होने वाले 118वें ऐतिहासिक रामनाम बड़े भजन मेला एवं संत समागम-2027 का आयोजन इस वर्ष भी भव्य रूप से किया जाएगा।

सामाजिक समरसता, जातिगत भेदभाव के विरोध और राम नाम के माध्यम से एकता व भाईचारे का संदेश देने वाला यह पांच दिवसीय आयोजन ग्राम झूमरपाली (नगर पंचायत भटगांव, जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़) में 17 से 21 जनवरी 2027 तक संपन्न होगा। इस आयोजन के लिए रामनामी समाज के पारंपरिक कर्मा नर्तक दल और ग्रामवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र पत थे। के जनप्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट कर उन्हें सादर आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल में पारंपरिक वेशभूषा और मोर पंख का मुकुट धारण किए हुए बुजुर्ग कलाकार एवं ग्रामीणजन शामिल रहे।

आयोजन समिति ने बताया कि यह मेला छत्तीसगढ़ की रामनामी संस्कृति और भजन परंपरा का 118 वर्षों से प्रतीक है, जिसमें हजारों संत और श्रद्धालु शामिल होते हैं। मेले को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मुख्य रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे और सभी पार्षदगण इस ऐतिहासिक भजन मेले को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

बिस्तर पर मिली महिला की लाश हत्या की आशंका, पति गायब

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। भाटापारा ग्रामीण थाना क्षेत्र के टोनाटार गांव में 50 वर्षीय महिला का शव उसके घर में मिलने से सनसनी फैल गई। शरीर पर गहरे घाव मिलने के कारण धारदार हथियार से हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद से महिला का पति भी नहीं मिल रहा है। पुलिस उसकी तलाश के साथ वारदात से जुड़े साक्ष्यों की जांच कर रही है।

पड़ोसियों के आवाज देने पर नहीं मिला जवाब

महिला अपने पति के साथ गांव में रहती थी। घर में काफी देर तक कोई गतिविधि नहीं दिखने पर पड़ोसियों ने आवाज लगाई। जवाब नहीं मिलने पर वे अंदर पहुंचे तो बिस्तर पर महिला का शव दिखाई दिया। आसपास खून फैला हुआ था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। शुरुआती जांच में महिला के पैरों सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें मिली हैं। कमरे की दीवारों और फर्श पर भी खून के निशान पाए गए।

पुलिस ने मौके से भौतिक साक्ष्य एकत्र किए और पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत के कारण और चोटों की प्रकृति को लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

पति की तलाश, परिजनों से पूछताछ

महिला के पति का घटना के बाद से पता नहीं चलने पर पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पड़ोसियों और परिजनों से पूछताछ कर यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि वारदात से पहले घर में क्या हुआ था।

फर्जी दस्तावेजों से नियुक्ति, दो कर्मचारी निलंबित

भटगांव। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर शासकीय नौकरी प्राप्त करने से संबंधित शिकायतों पर शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। जिला शिक्षा अधिकारी एल.एन. पटेल ने कार्रवाई करते हुए दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। साथ ही, दोनों के विरुद्ध विभागीय जांच भी शुरू की गई है। इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। हालांकि, संबंधित कर्मचारियों पर लगे आरोपों की अंतिम पुष्टि विभागीय जांच पूरी होने के बाद ही होगी। दरअसल, पूरा मामला सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के शिक्षा विभाग से जुड़ा है। जिला शिक्षा अधिकारी एल.एन. पटेल ने नियुक्ति संबंधी दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर उठे सवालों और उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर दो कर्मचारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की है।

शक्ति पीठ वनदुर्गा माता मंदिर भतखुंदा में ज्योत प्रज्जवलित

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। नवरात्रि के पावन अवसर पर बसना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भतखुंदा स्थित प्रसिद्ध शक्ति पीठ वनदुर्गा माता मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। क्षेत्रवासियों की गहरी आस्था के केंद्र इस पावन धाम में बसना विधानसभा के सक्रिय कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने विधि-विधान के साथ जोत जलाकर नवरात्रि पूजा-अर्चना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने माता रानी के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली, शांति और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उपस्थित श्रद्धालुओं को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने माता वनदुर्गा के दरबार में पूजा-अर्चना कर समस्त क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि नवरात्रि केवल पूजा-पाठ का पर्व नहीं, बल्कि शक्ति, श्रद्धा, विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। मां दुर्गा की आराधना हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, सत्य के मार्ग पर चलने तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता बनाए रखने की प्रेरणा देती है। ग्राम भतखुंदा स्थित शक्ति पीठ वनदुर्गा माता मंदिर लंबे समय से क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए आस्था और विश्वास का महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है। नवरात्रि के अवसर पर यहां भक्तों की श्रद्धा और उत्साह देखते ही बनता है। माता रानी के दर्शन करने, जोत प्रज्वलित करने और अपनी मनोकामनाओं के साथ आशीर्वाद लेने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। दिन-प्रतिदिन बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ इस पावन धाम के प्रति लोगों की गहरी आस्था को दर्शाती है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन से माता रानी के दरबार में आने वाले भक्तों को मां शक्ति आशीर्वाद प्रदान करती हैं और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। यही अटूट विश्वास और धार्मिक परंपरा इस शक्ति पीठ को क्षेत्र में विशेष पहचान दिला रही है। इस धार्मिक आयोजन के अवसर पर मोक्ष कुमार प्रधान ने मंदिर समिति के सदस्यों एवं आयोजन से जुड़े सभी लोगों के प्रति धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता को मजबूत बनाते हैं। ऐसे आयोजनों से गांव-गांव में भक्ति का वातावरण निर्मित होता है और लोगों को एक-दूसरे के साथ मिलकर त्योहार मनाने का अवसर मिलता है।

उन्होंने माता रानी से प्रार्थना की कि भतखुंदा सहित पूरे बसना विधानसभा क्षेत्र में सुख-शांति बनी रहे, किसानों के घरों में खुशहाली आए, युवाओं का भविष्य उज्ज्वल हो और प्रत्येक परिवार का जीवन सुख-समृद्धि से परिपूर्ण रहे।

सांकरा में सेवा संकल्प अभियान शिविर

विश्व केसरी

नगरी (हिमांशु यादव)। विकासखंड के ग्राम सांकरा में सेवा संकल्प अभियान शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा, जनपद के अध्यक्ष महेश गोटा, जनपद उपाध्यक्ष हृदय साहू, ग्राम सांकरा के सरपंच बोरझा, नगरी मंडल के अध्यक्ष राजेश नाथ गोसाई, महामंत्री सुलोचना साहू, वरिष्ठ नेता रवि दुबे ने संबोधित करते हुए सेवा, सुशासन और जन कल्याण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना तथा विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ना और समाज के अंतिम पड़ाव पर खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना एकमात्र उद्देश्य है। शिविर में जिला परियोजना अधिकारी, महिला बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग, लोकयांत्रिकी, लोक निर्माण सहित सभी विभागों के अधिकारीगण, बड़ी संख्या ग्रामीण मौजूद थे। विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग इंस्टॉल लगाया गया था।

संपादकीय

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो

ललित गर्ग

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है।

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो

जाती हैं। आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्त्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया।

आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया।

आईएएस-एचसीएस की सफलता: प्रतिभा की परीक्षा या संसाधनों की ताकत?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय समाज में आईएएस और एचसीएस जैसी प्रशासनिक सेवाओं में चयन को प्रतिभा, परिश्रम, अनुशासन और मेधा की बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है। इन सेवाओं में पहुँचने का सपना लाखों युवा देखते हैं, लेकिन सफलता कुछ ही अभ्यर्थियों को मिल पाती है। इस लंबी प्रतिस्पर्धा के बीच एक सवाल बार-बार उठता है कि क्या इन परीक्षाओं में केवल प्रतिभा और मेहनत निर्णायक होती हैं, या अभ्यर्थी की पारिवारिक पृष्ठभूमि, आर्थिक स्थिति और सामाजिक संसाधन भी उसकी सफलता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं? इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार किया जाए, तो प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी में मौजूद अवसरों की असमानता के कई पहलू सामने आते हैं।

जब किसी एचसीएस या आईएएस टॉपर की सफलता की कहानी सामने आती है, तो उसके अंकों, रैंक, मेहनत और संघर्ष की चर्चा होती है। कई बार यह जानकारी भी सामने आती है कि अभ्यर्थी कई वर्षों से तैयारी कर रहा था या अनेक बार संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा तक पहुँचा। उदाहरण के लिए, यदि कोई अभ्यर्थी छह बार आईएएस की मुख्य परीक्षा में शामिल होने के बाद भी प्रयास जारी रखता है और अंततः राज्य की प्रशासनिक सेवा में सफलता प्राप्त करता है, तो उसकी मेहनत निश्चित रूप से उल्लेखनीय है। लेकिन इसके साथ एक दूसरा प्रश्न भी उठता है—क्या प्रत्येक प्रतिभाशाली युवा को इतने लंबे समय तक तैयारी जारी रखने का अवसर मिल पाता है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल व्यक्तिगत इच्छाशक्ति में तलाशना उचित नहीं होगा। तैयारी के लिए समय चाहिए, आर्थिक सुरक्षा चाहिए और असफलताओं के बाद दोबारा खड़े होने का अवसर भी चाहिए। किसी अभ्यर्थी के परिवार के पास पर्याप्त संपत्ति हो, माता-पिता अच्छी नौकरी में हों या परिवार की नियमित आय इतनी हो कि कई वर्षों तक पढ़ाई का खर्च उठाया जा सके, तो उस अभ्यर्थी को तैयारी के लिए अपेक्षाकृत अनुकूल परिस्थितियाँ मिल सकती हैं। इसके विपरीत, आर्थिक रूप से कमजोर परिवार का युवा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हुए भी घर की जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं हो पाता। उसे किताबों, कोचिंग और परीक्षा के खर्च की व्यवस्था करने के साथ-साथ परिवार की आजीविका के बारे में भी सोचना पड़ता है।

यहीं से अवसरों की असमानता का प्रश्न जन्म लेता है।

मान लीजिए, दो युवा समान प्रतिभाशाली हैं। दोनों की शैक्षणिक क्षमता भी लगभग समान है। पहले युवा के परिवार के पास पर्याप्त संपत्ति है। उसके रहने, खाने, पढ़ने और परीक्षा देने का खर्च परिवार उठा सकता है। वह लगातार पाँच या छह वर्षों तक अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। दूसरी ओर, दूसरे युवा के पिता किसान, मजदूर या छोटे कर्मचारी हैं। परिवार की आय सीमित है और घर में उसके अलावा भी कई लोगों की जिम्मेदारियाँ हैं। वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता है, लेकिन कुछ समय बाद उसे नौकरी करने या

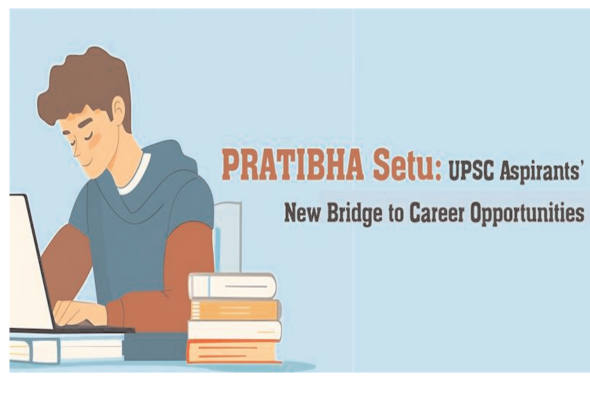

परिवार की आर्थिक सहायता के लिए दूसरा रास्ता तलाशना पड़ता है। दोनों के बीच अंतर केवल प्रतिभा का नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों का भी है जिनमें उनकी प्रतिभा विकसित होती है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए केवल पाठ्यक्रम पढ़ लेना पर्याप्त नहीं होता। नियमित अध्ययन, समसामयिक घटनाओं की जानकारी, उत्तर लेखन का अभ्यास, वैकल्पिक विषय की तैयारी, साक्षात्कार की समझ और लगातार अपनी कमियों को सुधारने की आवश्यकता होती है। कई अभ्यर्थी महँगी कोचिंग, अच्छे पुस्तकालय, अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन और जानकार लोगों के संपर्क से लाभ उठाते हैं। दूसरी ओर, अनेक युवा इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री, पुरानी पुस्तकों और सीमित संसाधनों के सहारे तैयारी करते हैं। डिजिटल माध्यमों ने अध्ययन सामग्री तक पहुँच आसान जरूर की है, लेकिन शांत वातावरण, उचित मार्गदर्शन और आर्थिक सुरक्षा का महत्त्व समाप्त नहीं हुआ है।

यहाँ एक बात स्पष्ट होनी चाहिए कि संपन्न परिवार से आने वाला प्रत्येक अभ्यर्थी सुविधाओं के कारण ही सफल होता है, ऐसा कहना गलत होगा। प्रशासनिक सेवाओं में चयनित अनेक युवा कठिन परिस्थितियों से निकलकर भी सफलता प्राप्त करते हैं। दूसरी तरफ, आर्थिक रूप से संपन्न परिवारों के अनेक अभ्यर्थी भी असफल होते हैं। सफलता के लिए परिश्रम, बौद्धिक क्षमता, निरंतरता, परीक्षा की समझ और मानसिक दृढ़ता आवश्यक हैं। इसलिए बहस का उद्देश्य किसी सफल अभ्यर्थी की उपलब्धि को कमतर आँकना नहीं, बल्कि यह समझना होना चाहिए कि अलग-अलग सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं को तैयारी के कितने समान अवसर मिलते हैं।

इसी प्रकार, किसी अभ्यर्थी के माता-पिता का उच्च पद पर कार्यरत होना या परिवार का राजनीति में सक्रिय होना अपने आप में अनुचित लाभ का प्रमाण नहीं है। ऐसे परिवारों में प्रशासनिक व्यवस्था की समझ, बेहतर शैक्षणिक मार्गदर्शन और प्रेरणा का वातावरण उपलब्ध हो सकता है। लेकिन केवल पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर किसी की योग्यता पर संदेह करना भी उचित नहीं है। आवश्यक यह है कि इस विषय पर धारणाओं के बजाय प्रमाणों के आधार पर चर्चा की जाए।

यदि यह जानना है कि आईएएस और एचसीएस में सफल होने वाले अभ्यर्थियों में संपन्न परिवारों से आने वालों का अनुपात कितना है, तो इसके लिए व्यवस्थित अध्ययन की आवश्यकता होगी। चयनित अभ्यर्थियों की पारिवारिक आय, माता-पिता के व्यवसाय, ग्रामीण या शहरी पृष्ठभूमि, शिक्षा पर हुए खर्च, तैयारी में लगे वर्षों और उपलब्ध मार्गदर्शन जैसे पहलुओं का विश्लेषण किया जाना चाहिए। बिना विश्वसनीय आँकड़ों के यह दावा करना कि 99.99 प्रतिशत सफल अभ्यर्थी संपन्न परिवारों से आते हैं, तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं होगा। लेकिन इस दावे के पीछे छिपे अवसरों की असमानता संबंधी प्रश्न को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।

सरकार और संबंधित संस्थाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को अधिक समावेशी बनाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क मार्गदर्शन, जिला स्तर पर आधुनिक पुस्तकालय, डिजिटल अध्ययन केंद्र, उत्तर लेखन का अभ्यास, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए पारदर्शी आर्थिक सहायता उपयोगी हो सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को भी वही शैक्षणिक संसाधन और जानकारी मिलनी चाहिए, जो बड़े शहरों में तैयारी करने वालों को उपलब्ध होती है। साथ ही, सहायता योजनाओं का लाभ वास्तव में जरूरतमंद विद्यार्थियों तक पहुँचे, इसके लिए नियमित समीक्षा भी जरूरी है।

प्रशासनिक सेवाओं में चयनित अधिकारी भविष्य में समाज के विभिन्न वर्गों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए यह भी आवश्यक है कि इन सेवाओं तक पहुँचने के रास्ते सामाजिक विविधता और समान अवसरों को प्रोत्साहित करें। परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी तैयारी के अवसरों को व्यापक बनाना भी है।

अंततः सवाल यह नहीं है कि संपन्न परिवारों के बच्चे प्रशासनिक सेवाओं में क्यों सफल होते हैं। सवाल यह है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चों को अपनी योग्यता साबित करने के लिए किन बाधाओं से गुजरना पड़ता है।

सत्ता की स्तुति नहीं, सत्ता से सवाल चाहिए

डॉ. शैलेश शुक्ला

अच्छा पत्रकार वह नहीं जो बड़े नेताओं के साथ तस्वीर खिंचा कर फेसबुक पर पोस्ट करे, बल्कि वह है जो बड़े नेताओं की अच्छी से खिंचाई करती हुई रिपोर्ट को पोस्ट करे — यह एक वाक्य आज की पत्रकारिता की सबसे बड़ी और सबसे कड़वी सच्चाई बन गया है। फेसबुक खोलिए तो पत्रकार कम और दरबारी ज्यादा दिखते हैं। हर प्रोफाइल पर एक ही दृश्य, किसी मंत्री के साथ मुस्कुराती हुई सेल्फी, किसी विधायक के कंधे पर हाथ, किसी बड़े नेता से सम्मान लेते हुए फोटो और नीचे लिखा होता है आत्मीय भेंट, मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, धन्य हो गया। लाइक और वाह-वाह की बौछार में यह सवाल कहीं दब जाता है कि आखिर पत्रकार का काम क्या है, नेता के बगल में खड़े होकर अपनी पहुँच दिखाना या नेता के सामने खड़े होकर जनता के सवाल पूछना। यह फोटो अब याद नहीं रही, यह एक सर्टिफिकेट बन गई है, एक धौंस बन गई है जो थानेदार को, लेखपाल को, ठेकेदार को दिखाने के काम आती है कि देखो मेरी पहुँच कितनी ऊपर तक है। और जिस दिन पत्रकार खबर की साख की जगह संपर्क की धाक से काम चलाने लगे, उसी दिन वह पत्रकार नहीं रह जाता, वह जनसंपर्क अधिकारी बन जाता है। उसकी कलम में स्याही नहीं रहती, सत्ता का डर रहता है और वह सवाल पूछना भूल जाता है।

पत्रकारिता का जन्म ही सत्ता की आरती उतारने के लिए नहीं, सत्ता की आँख में आँख डालकर सवाल पूछने के लिए हुआ था। पंडित नेहरू ने कहा था कि मैं चाहता हूँ प्रेस मेरी आलोचना करे, यह उदारता नहीं थी, यह लोकतंत्र की समझ थी। अगर प्रेस सत्ता का भजन गाएगा तो सत्ता बहरी और अंधी हो जाएगी। अमेरिका का वाटरगेट कांड याद कीजिए, दो पत्रकारों ने दुनिया के सबसे ताकतवर राष्ट्रपति को कुर्सी छोड़ने पर मजबूर कर दिया था, वह नेता के साथ फोटो खिंचवाकर नहीं हुआ था, बल्कि नेता की फाइलों की फोटो खींचकर हुआ था। भारत में भी बोफोर्स से लेकर कॉमनवेल्थ तक, चारा घोटाला से लेकर व्यापमं तक हर बड़ी खबर एक असहज करने वाली रिपोर्ट थी, एक असुविधाजनक सवाल था। किसी ने घोटालेबाज के साथ सेल्फी डालकर इतिहास नहीं बनाया। अच्छा पत्रकार वह है जो प्रेस कॉन्फ्रेंस में हाथ हिलाने के लिए नहीं, हाथ उठाकर कहने के लिए जाता है कि सर, आपके आंकड़े और जमीन की हकीकत में अंतर है। खिंचाई का मतलब गाली या ट्रोलिंग नहीं है, खिंचाई का मतलब है तथ्य, तर्क और सबूत के साथ जवाबदेही तय करना। अगर सरकार कहती है हमने सौ स्कूल बनाए, तो पत्रकार का काम पोस्टर छापना नहीं, जाकर गिनना है कि कितने बने, कितनों में शिक्षक हैं, कितनों की छत टपकती है। अगर कहा जाता है अपराध खत्म हो गया, तो थाने के रजिस्टर, पीड़ित के आंसू और एनसीआरबी के आंकड़े सामने रखना ही पत्रकारिता है। यह खिंचाई नफरत से नहीं, जिम्मेदारी से पैदा होती है क्योंकि पत्रकार का बॉस नेता नहीं, जनता है।

सोशल मीडिया ने एक नया भ्रम और नया लालच पैदा कर दिया है। अब हर पत्रकार खुद एक छोटा नेता बनना चाहता है, उसे भी फॉलोअर चाहिए, लाइक चाहिए, शेयर चाहिए और सबसे आसान शॉर्टकट है बड़े नेता के साथ फोटो। एल्गोरिदम भी खुश, अहंकार भी खुश। लेकिन इस सौदे में पत्रकार अपना सबसे बड़ा हथियार गंवा देता है, वह है विश्वसनीयता। पाठक अब बेवकूफ नहीं रहा, वह सब देखता और समझता है। वह जानता है कि जो पत्रकार हर दिन किसी न किसी नेता की गोद में बैठा दिख रहा है, वह उसी नेता के खिलाफ खबर कैसे लिखेगा। वह आपकी फोटो पर वाह करेगा, लेकिन आपकी खबर पर भरोसा नहीं करेगा। नेता भी यह खेल खूब समझता है, वह जानता है कि पत्रकार को फोटो का टुकड़ा फेंको, वह सवाल भूल जाएगा। इसलिए वह फोटो देता है और खबर ले लेता है। यह पत्रकारिता नहीं, एक सौदा है।

बोध कथा

मित्रता

उषा ने पति अनिल से कहा,कितनी देर तक समाचार पत्र पढ़ते रहोगे? यहाँ आओ और अपनी प्यारी बेटी को खाना खिलाओ। अनिल ने समाचार पत्र एक तरफ़ फेका और बेटी ईशा की और ध्यान दिया। बेटी की आंखों में आँसू थे और सामने खाने की प्लेट। ईशा एक अच्छी लड़की है और अपनी उम्र के बच्चों से ज्यादा समझदार. अनिल ने खाने की प्लेट को हाथ में लिया और ईशा से बोला,बेटी खाना क्यों नहीं खा रही हो?.आ जाओ मैं खिलाता हूँ . ईशा जिसे खाना नहीं भा रहा था। सुबक सुबक कर रोने लगी और कहने लगी,मैं पूरा खाना खा लूँगी पर एक वादा करना पड़ेगा आपको. वादा,अनिल ने बेटी को समझाते हुआ कहा,इस प्रकार कोई महँगी चीज खरीदने के लिए जिद नहीं करते. नहीं पापा,मैं कोई महँगी चीज के लिए जिद नहीं कर रही हूँ. फिर ईशा ने धीरे धीरे खाना पूर्ण किया और कहा,मैं अपने सभी बाल कटवाना चाहती हूँ. सभी प्रकारसे समाझाने पर भी ईशा नहीं मानी और अपना वचन निभाने हेतु ईशा की बात माननी ही पड़ी ।

अगले दिन अनिल ईशा को स्कूल छोड़ने गया.वहां उसने उसी के आयु का एक गंजा बालक देखा जिसकी और ईशा भागते गयी थ. उसी समय एक महिला ने अनिल से कहा,क्या ईशा आपकी बेटी है ? बहुत ही होनहार लड़की है . मेरा बेटा कैंसर से पीड़ित है और इलाज में उसके सारे बाल खत्म हो गए हैं. वह् इस हालत में स्कूल नहीं आना चाहता था क्योंकि स्कूल में लड़के उसे चिढ़ाते हैं. पर ईशा ने कहा कि वह् भी गंजी होकर स्कूल आयेगी और वह् आ गई। इस कारण देखिये मेरा बेटा भी स्कूल आ गया. आप धन्य हैं कि आपके ऐसी बेटी है अनिल को यह सब सुनकर रोना आ गया और उसने मन ही मन सोचा कि आज बेटी ने सीखा दिया कि प्यार क्या होता है. इस पृथ्वी पर खुशहाल वह् नहीं हैं जो अपनी शर्तों पर जीते हैं बल्कि खुशहाल वे हैं जो,जिन्हें वे प्यार करते हैं,उनके लिए बदल जाते हैं।

कविता

तेरी शरण में जगजननी!

उद्देश्य तिवारी 'उदय'

हाथ जोड़े राह देखते
भक्त खड़े लम्बी कतार
है।
धूप, दीप, नैवेद्य लिए
चुनरी चढ़ाते तेरे द्वार हैं।

ध्वजा, नारियल, पान-
सुपारी
करते अर्पित हर्ष अपार है।
कितने दिनन से रहे दूर हम
मैय्या से मिलने की दरकार
है।

हर दुर्गति औ' कुप्रवृत्ति से
रक्षा करती रहना हरबार।
सबके आँगन हों दीप प्रज्वलित
हर गली में गूँजे तेरी जयकार।

नहीं कोई रोगी कहलाए
संकट को कर देना उसपार।
सूर्य 'उदय' हो नित मंगल का
आलोकित हो जीवन सार।

प्रेमविह्वल आए द्वार पर
हे जगजननी, कल्याणी माँ।
श्रीचरणों में शीश नवाते
नयनों में अश्रु की जलधार।

हर लो माता विपदा सारी
सुन लो भक्तों की पुकार।
हम आये हैं तेरी शरण में
कर दो हम सबका उद्धार।

सतना, मध्यप्रदेश
(शिक्षक शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, अकहा)

व्यंग्य केसरी

हंगामा है क्यूँ बरपा..?

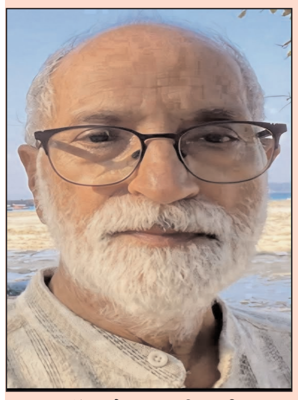

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

उर्दू के मशहूर शायर अकबर इलाहाबादी की लिखी और उस्ताद गायक ग़ुलाम अली द्वारा गाई ग़ज़ल- 'हँगामा है क्यूँ बरपा, थोड़ी सी जो पी ली है। डाका तो नहीं डाला, चोरी तो नहीं की है। 'इस ग़ज़ल के ज़रिए समाज के पाखंडपूर्ण और रूढ़िवादिता पर कटाक्ष किया गया है। बेशक; ग़ज़ल को शौक़ीनों ने ज़रूर सुना होगा। अगर इसको वर्तमान संदर्भ में कहा जाए- 'हँगामा है क्यूँ बरपा, एसआईआर की जाँच जो हुई है।' तो ग़लत नहीं होगा।

भारतीय संविधान के तहत निर्वाचन आयोग, जिसे यह अधिकार प्राप्त है कि वह समय-समय पर मतदाता सूची की शुद्धता की जाँच करे। नए मतदाताओं के नाम जोड़े तथा मृत, अन्यत्र स्थानांतरित और फर्जी नाम हटाए। पिछले लगभग एक दशक संशोधन की प्रक्रिया नहीं हो पाई थी, इसलिए करोड़ों की तादात में गलत मतदाताओं के नाम सूची से हट नहीं पाए थे। आयोग की पहल से फ़र्ज़ी नाम हट जाने का परिणाम यह हुआ कि कुछ प्रदेशों में विपक्षी दलों की सरकारें बन नहीं पाई या फिर धराशायी हो गई।

वहीं चौबीस के चुनाव में संविधान बदलने और आरक्षण छिनने के झूठे प्रचार-प्रसार के कारण देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी पचपन से शतक के लगभग सीटें पा गईं और उसके मुखिया को संसद में नेता प्रतिपक्ष का पद मिला गया। उसने भानुमति के कुनबा जोड़कर देश का प्रधान बनने का ख्वाब देखना शुरू कर दिया, पर लाख कोशिश करने पर भी ख्वाब की परछाई पकड़ में नहीं आ रही है।

जो परिवार देश की आजादी के बाद से दशकों तक मतों की लूटपाट और चोरी से सत्ता का सुख भोगता रहा, ताज्जुब कि आज उसी परिवार का राजनीतिक उत्तराधिकारी अपने प्यादों की फ़ौज को साथ संसद और सड़क पर सरकार और मतदान आयोग पर चोरी का इल्जाम लगा रहा है। जबकि विदेशों में देश की साख में बढ़ोतरी हो रही है, प्रधान को दुनिया के देश सम्मानित कर रहे हैं, वह अपनी रातों की नींद को त्यागकर लोगों के जीवन स्तर को उन्नत और मूलभूत सुविधाएँ मुहैया करने में लगा है, प्रगति की ट्रेन पटरियों पर सरपट दौड़ा रहा है, पर दुर्भाग्य की बात है कि विपक्षी दलों द्वारा बार-बार चेन पुलिंग कर ट्रेन को विलंबित किए जाने के ख़तरनाक हथकंडें अपनाए जा रहे हैं।

और अब हाल यह हैं कि अंत में हारकर, मन मारकर हँगामे के ज़रिए चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मुहिम शुरू कर दी है। जबकि वोट चोरी का मसला सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। बावजूद अपने परिवार के प्रति वफादारों को सड़क पर उतारकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया जा रहा है। सरकार और देश के मुखिया के बारे में अनाप-शनाप टिप्पणियाँ की रही हैं। महिला-पुरुष पुलिस कर्मियों के साथ मार-पीट की जा रही है। यह सब देखकर लगता है- 'हँगामा' नाम की कोई सियासी फ़िल्म फिल्माई जा रही है...!'

इतिहास

13 अक्टूबर का इतिहास देश और दुनिया की कई प्रमुख घटनाओं से जुड़ा है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1792: अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की आधारशिला रखी गई थी।

1943: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इटली ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी।

1972: उरुग्वे वायु सेना की उड़ान 571 एंडीज पर्वतमाला में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसे बाद में 'एंडीज का चमत्कार' कहा गया। 1976: बोलीविया में एक बोइंग 707 विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसमें करीब 90 से 100 लोगों की मौत हो गई थी। 1987: कोस्टारिका के राष्ट्रपति ऑस्कर आरियास को शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया था।

पार्षद रेखा कश्यप पर शासकीय भूमि पर कब्जे का आरोप, पद से हटाने की मांग

पार्षद पति और पुत्रों के भूमिहीन योजना के लाभ के लिए शपथपत्र देने पर भी उठे सवाल

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर पंचायत शिवरीनारायण के वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद रेखा बाई कश्यप और उनके परिवार के सदस्यों को लेकर शासकीय भूमि पर कथित कब्जे तथा भूमिहीन योजना के तहत पात्रता का लाभ लेने के मामले में विवाद सामने आया है। एक युवक ने इस संबंध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच कराने, दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा पार्षद को पद से हटाने की मांग की है। शिकायत में राजस्व विभाग, नगर पंचायत और विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच करने की मांग की गई है।

राजस्व निरीक्षक के प्रतिवेदन में अतिरिक्त भूमि पर कब्जे का उल्लेख – शिकायतकर्ता द्वारा कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन के अनुसार, वार्ड क्रमांक 12 के भोगहापारा क्षेत्र में पटवारी हल्का नंबर 08 स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 723/1क के अतिरिक्त क्षेत्र में मकान निर्माण और भूमि पर कब्जे का मामला उठाया गया है।

ज्ञापन में राजस्व निरीक्षक शिवरीनारायण द्वारा 7 जून 2022 को तहसीलदार को सौंपे गए प्रतिवेदन का हवाला दिया गया है। इसके अनुसार, राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत वर्ष 2019 में सर्वे सूची के आधार पर परमानंद कश्यप और रेखा बाई कश्यप को 1,000 वर्गफीट भूमि का पट्टा दिए जाने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण की जानकारी दर्ज है।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि राजस्व निरीक्षक के प्रतिवेदन में संबंधित मकान के उत्तर दिशा में लगभग 1,900 वर्गफीट भूमि पर बाउंड्री वॉल से घेराव और पश्चिम दिशा में लगभग 3,120 वर्गफीट क्षेत्र में लकड़ी रखने तथा फर्नीचर का कार्य किए जाने की बात कही गई थी। शिकायतकर्ता ने इन तथ्यों के

आधार पर अतिरिक्त भूमि के कब्जे और उसके वैधानिक आधार की जांच कराने की मांग की है।

पति-पत्नी के नाम पट्टा और कर भुगतान को लेकर सवाल

शिकायतकर्ता ने ज्ञापन में सवाल उठाया है कि जब संबंधित परिवार को राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत भूमि आवंटित की गई थी, तो पट्टे के आवंटन, भवन निर्माण की अनुमति तथा नगर पंचायत में कर भुगतान से जुड़े अभिलेखों की जांच क्यों नहीं की गई।

ज्ञापन के अनुसार, संबंधित परिवार द्वारा नगर पंचायत में समेकित कर भुगतान किए जाने का उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ता ने वर्ष 2011 से कर भुगतान होने तथा वर्ष 2019 में पट्टा आवंटित किए जाने के बीच की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि पट्टा आवंटन, भवन निर्माण की अनुमति, संपत्ति से संबंधित अभिलेख और कर भुगतान की जानकारी का मिलान कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जानी चाहिए।

भूमिहीन योजना के लिए शपथपत्र देने पर उठाए सवाल

शिकायत में पार्षद रेखा कश्यप के पति परमानंद कश्यप तथा उनके पुत्रों ललित कश्यप और आशीष कश्यप के भूमिहीन योजना के तहत पात्रता का लाभ लेने के लिए शपथपत्र प्रस्तुत करने का भी उल्लेख किया गया है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, तीनों ने 10 अगस्त 2026 को नोटरी के समक्ष शपथपत्र निष्पादित कराए थे। आरोप है कि परिवार के सदस्यों के नाम पर भूमि और मकान से संबंधित अभिलेख, बिजली कनेक्शन तथा नगर पंचायत में कर भुगतान होने के बावजूद भूमिहीन योजना के तहत पात्रता का लाभ लेने की प्रक्रिया अपनाई गई।

शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि यदि संबंधित व्यक्ति भूमिहीन योजना के लाभ के लिए पात्रता का दावा कर रहे हैं, तो उनके नाम पर दर्ज संपत्ति, बिजली कनेक्शन और कर भुगतान से संबंधित दस्तावेजों की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित शपथपत्रों की सत्यता और योजना के पात्रता संबंधी नियमों के अनुरूप स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि तथा संबंधित व्यक्तियों की ओर से इस मामले में उनका पक्ष सामने आना अभी शेष है।

पूरे परिवार की संपत्ति की जांच की मांग

शिकायतकर्ता ने कलेक्टर और राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि संबंधित परिवार के नाम पर दर्ज भूमि, मकान, पट्टा, संपत्ति कर, समेकित कर और बिजली कनेक्शन से जुड़े अभिलेखों की जांच कराई जाए।

इसके साथ ही शिकायत में राजस्व विभाग, नगर पंचायत शिवरीनारायण और विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों का उल्लंघन सामने आता है, तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

एनएसएस के छात्रों ने स्वच्छता एवं वृक्षारोपण का दिया संदेश

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिले के कोटा ब्लॉक के सलका नवागांव ग्राम के एनएसएस छात्रों ने सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीणों से संपर्क कर उन्हें स्वच्छता अपनाने और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने तथा एक दूसरे के साथ मिलजुलकर कार्य करने का संदेश दिया।

अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों से गावं में साफ-सफाई रखने तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की अपील की गई। स्वयंसेवकों ने स्वच्छता के महत्व को बताते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन का आधार है। साथ ही, अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए भी ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। इस अभियान में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया।

सिम्स में सुविधाओं के विस्तार को मंजूरी

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर में मरीजों की सुविधाओं और चिकित्सा शिक्षा की अधोसंरचना को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में आज सिम्स के नवीन काउंसिल कक्ष में आयोजित स्वशासी समिति की सामान्य सभा की बैठक में प्राथमिकता के आधार पर पांच करोड़ रुपये तक के निर्माण एवं नवीनीकरण कार्यों का अनुमोदन किया गया। अस्पताल के विभिन्न वार्डों के लिए 200 नए सेमी फाउलर आयरन बेड तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए 500 केवीए क्षमता के तीन डीजी सेट खरीदने की भी स्वीकृति दी गई।

शिवरीनारायण-तुस्मा पहुंच मार्ग पर स्ट्रीट लाइट बनी शोपीस

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। शिवरीनारायण से तुस्मा पहुंच मार्ग पर लगी स्ट्रीट लाइटें इन दिनों सिर्फ दिखावटी साबित हो रही हैं। सड़क किनारे लगाई गई इन लाइटों का उद्देश्य रात के समय राहगीरों और वाहन चालकों को रोशनी उपलब्ध कराना था, ताकि आवागमन सुरक्षित और सुविधाजनक हो सके। लेकिन स्ट्रीट लाइटों के खराब होने के कारण लोगों को रात के समय अंधेरे में सफर करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, शिवरीनारायण से तुस्मा जाने वाले मार्ग पर लगी स्ट्रीट लाइटों की स्थिति लंबे समय से चिंताजनक बनी हुई है। रात होते ही मार्ग के कई हिस्सों में पर्याप्त रोशनी नहीं मिल पाती, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अंधेरे के कारण सड़क पर सामने से आने

वाले वाहन, पैदल चलने वाले लोग और सड़क किनारे मौजूद गड्ढे समय पर दिखाई नहीं देते। ऐसे में दुर्घटना होने की आशंका भी बनी रहती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस समस्या की जानकारी नगर पंचायत शिवरीनारायण के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को कई बार दी जा चुकी है। इसके बावजूद आज तक खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत नहीं कराई गई है। लोगों का कहना है कि जब समस्या से संबंधित अधिकारियों को बार-बार अवगत कराया जा चुका है, तो फिर अब तक इसका समाधान क्यों नहीं किया गया? आखिरकार, जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस मामले को गंभीरता से क्यों नहीं लिया जा रहा है?

लोगों का कहना है कि सड़क पर स्ट्रीट लाइट लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका नियमित रखरखाव और समय पर मरम्मत भी जरूरी है। यदि लाइटें खराब होने के बाद लंबे समय तक बंद पड़ी रहें, तो उनके लगाए जाने का उद्देश्य ही अधूरा रह जाता है। सरकारी राशि खर्च कर लगाई गई स्ट्रीट लाइटों का लाभ आम नागरिकों को मिलना चाहिए, लेकिन वर्तमान स्थिति में लोगों को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

रात के समय इस मार्ग से आने-जाने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। दोपहिया वाहन चालकों, पैदल राहगीरों और अन्य वाहन चालकों के लिए अंधेरा परेशानी का कारण बन रहा है। ऐसे में किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए स्ट्रीट लाइटों का जल्द से जल्द दुरुस्त होना आवश्यक है।

नवरात्रि पर्व पर मां भगवती मंदिर पहुंचे महामंडलेश्वर राजेश्री रामसुंदर दास

विश्व केसरी

नवागढ़ (नीरज शर्मा)। शारदीय नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर महामंडलेश्वर राजेश्री रामसुंदर दास जी महाराज नवागढ़ स्थित मां देवी भगवती मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मां भगवती के दर्शन कर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

नवरात्रि पर्व के दौरान मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना का विशेष महत्व है। इस पावन अवसर पर मां भगवती के दरबार में पहुंचकर महाराज जी ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और सभी के जीवन में सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की। इस अवसर पर उनके सहयोगी ठाकुर प्रमोद सिंह, कमलेश सिंह, बसंत सिंह पंवार, दिलदार खान, संतोष साहू, निर्मलदास वैष्णव, तेरसराम साहू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर में जगह-जगह विराजीं मां दुर्गा

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। शारदीय नवरात्रि पर्व के शुभारंभ के साथ ही नगर में भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। नवरात्रि के प्रथम दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। नगर के प्रमुख चौक-चौराहों एवं विभिन्न स्थानों पर माता रानी की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जहां श्रद्धालु पहुंचकर माता के दर्शन कर रहे हैं और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

इसी क्रम में नगर के बाम्बे मार्केट में भी मां दुर्गा की भव्य स्थापना की गई है। यहां माता रानी अपने नवदुर्गा के नौ स्वरूपों में विराजमान हैं, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। नवरात्रि के पहले दिन से ही पूजा-पाठ और माता के दर्शन के लिए भक्तों में उत्साह देखने को मिल रहा है। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाएगी। इस दौरान नगर में धार्मिक वातावरण बना रहेगा और श्रद्धालु पूरी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ माता रानी की आराधना करेंगे। माता के जयकारों से नगर का माहौल भक्तिमय हो गया है।

बैगलेस डे को बनाया ज्ञान और प्रतिभा का मंच

विश्व केसरी

बलरामपुर (आफताब आलम)। बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाने, उनकी प्रतिभा को निखारने और सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाने के उद्देश्य से मिशन आचार्य के तहत बैगलेस डे पर जिले के बलरामपुर एवं राजपुर विकासखंड के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। किताबों के बोझ से मुक्त इस दिन विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी ज्ञान क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अपनी समझ, तार्किक क्षमता और आत्मविश्वास को विकसित करने का अवसर मिला।

इसी क्रम में जिला मिशन समन्वयक चन्द्र भूषण ने राजपुर विकासखंड के माध्यमिक शाला बड़ौली, खोड़रो और बारियों का

आकस्मिक निरीक्षण कर बैगलेस डे के तहत आयोजित क्विज प्रतियोगिताओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों की भागीदारी, प्रतियोगिता के संचालन और शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया।

बच्चों के उत्साह को देखते हुए उन्होंने विद्यालयों में इस प्रकार की गतिविधियों को नियमित रूप से आयोजित करने पर जोर दिया।

हर शनिवार अलग-अलग विषयों पर होगी क्विज प्रतियोगिता

जिला मिशन समन्वयक चन्द्र भूषण ने प्रधान पाठकों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शनिवार को अलग-अलग विषयों पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाए। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सभी विषयों की बेहतर समझ विकसित करने, सीखी गई बातों को दोहराने और पढ़ाई को अधिक रोचक बनाने का अवसर देना है। विषयवार प्रश्नोत्तरी से बच्चों को अपनी शैक्षणिक तैयारी का आकलन करने तथा अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें दूर करने में मदद मिलेगी। नियमित प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होने के साथ कक्षा में सक्रिय सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा।

नवरात्र पर आस्था के रंग में रंगा बलरामपुर

विश्व केसरी

बलरामपुर (आफताब आलम)। शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर जिलेभर में भक्ति और आस्था का माहौल बना हुआ है। नवरात्र के प्रथम दिन जिला पंचायत सदस्य बेला अनिल कुशवाहा ने विभिन्न गांवों और क्षेत्रों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए तथा पूजा पंडालों में विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने धार्मिक आयोजनों में सहभागिता निभाते हुए पूजा समितियों को सहयोग राशि प्रदान की और पूजा-अर्चना संपन्न कराने वाले पंडितों एवं पुजारियों को गमछा भेंटकर सम्मानित किया। उनके इस दौरे में धार्मिक आस्था के साथ स्थानीय परंपराओं और सांस्कृतिक आयोजनों के प्रति सहभागिता भी देखने को मिली।

विभिन्न गांवों में पहुंचकर माता रानी के दरबार में टेका माथा – नवरात्र के पहले दिन जिला पंचायत सदस्य बेला अनिल कुशवाहा बैकुंठपुर, वीरेंद्रनगर, गोंदला, मुरकौल, स्याही, स्याही मोड़ और करमडीहा (ब) सहित विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचीं। यहां उन्होंने माता रानी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर उन्होंने धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। नवरात्र का पर्व शक्ति की उपासना, श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। इस अवसर पर विभिन्न गांवों में स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं के दर्शन कर बेला अनिल कुशवाहा ने क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

उनके भ्रमण के दौरान पूजा समितियों के सदस्यों और ग्रामीणों से संवाद भी हुआ। धार्मिक आयोजनों में उनकी सहभागिता से स्थानीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों को प्रोत्साहन मिला।

बेकाबू होकर नाले के पास पलटी कार, एक की मौत, दो घायल

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। पामगढ़ क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि कार अनियंत्रित होकर नाले के पास पलट गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार में तीन लोग सवार थे। इसी दौरान कार अचानक बेकाबू हो गई और नाले के पास पलट गई। हादसा इतना गंभीर था कि एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

कुछ दिन पहले ही खरीदी थी पुरानी कार – बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त कार सेकेंड हैंड थी, जिसे कुछ दिन पहले ही खरीदा गया था। हालांकि, कार अनियंत्रित होने के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हादसे के पीछे तेज रफ्तार, वाहन में तकनीकी खराबी या अन्य कारणों की भूमिका रही है या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

बंदरों के बढ़ते आतंक से शहरवासी त्रस्त

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। इन दिनों शहर में बंदरों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। बंदरों के झुंड के झुंड घरों की छतों पर कब्जा जमाए हुए हैं और घरों के अंदर घुसकर खाने-पीने का सामान, कपड़े और घरेलू सामान तहस-नहस कर रहे हैं। कई मामलों में बंदरों द्वारा लोगों पर हमला करने और काटने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं, जिससे बच्चों और बुजुर्गों का घरों से बाहर निकलना तक दूभर हो गया है।

प्रशासन और वन विभाग की घोर लापरवाही

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस विकट समस्या को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन और वन विभाग को लिखित एवं मौखिक शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम

नहीं उठाया गया है। वन विभाग की इस उदासीनता और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण शहरवासियों में भारी रोष व्याप्त है।

लोगों का कहना है कि अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित हैं और धरातल पर कोई प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। यदि समय रहते इस समस्या पर लगाम नहीं कसी गई, तो यह स्थिति किसी बड़ी जनहानि या गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है।

शहरवासियों की प्रमुख मांगें

तुरंत रेस्क्यू अभियान: शहर के सभी प्रभावित वार्डों में विशेष टीमों का गठन कर बंदरों को पकड़ने का अभियान चलाया जाए। सुरक्षित वनों में स्थानांतरण: पकड़े गए बंदरों को शहर से दूर घने जंगलों या उनके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित रूप से छोड़ा जाए।

वैकल्पिक व्यवस्था: वन विभाग द्वारा शहर की सीमाओं पर बंदरों के लिए भोजन और पानी की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए ताकि वे आवासीय इलाकों का रुख न करें।

चेतावनी: यदि वन विभाग ने जल्द ही इस दिशा में कोई वैकल्पिक और स्थायी व्यवस्था नहीं की, तो शहर की जनता को साथ मिलकर सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और वन विभाग की होगी। इस संबंध में रेंजर गबेल जी से जानकारी लेने के लिए मोबाइल से कॉल करने पर कॉल रिसीव नहीं किया गया।

राज्य स्तरीय एडवांस प्रशिक्षण लेकर लौटे बिलासपुर के गाइड

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में राज्य प्रशिक्षण केन्द्र झांकी अभनपुर रायपुर में राज्य स्तरीय एडवांस प्रशिक्षण कोर्स संचालित किया गया। जिसमें गाइड कैप्टन ने नवाचार, स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों के सर्वांगीण एवं बौद्धिक विकास ध्वज शिष्टाचार, प्राथमिक उपचार, बिना बर्तन के भोजन बनाना, मैपिंग, पायनियरिंग, आदि विषयों का अवलोकन कर बिलासपुर जिले के गाइडर रेंजर लीडर डॉ. शीला शर्मा, गाइड कैप्टन ममता यादव,

देवकिरण साहू, चेतना सिंह ठाकुर, अनीता दान, शकुन चौहान सम्मिलित हुए।

शिविर संचालक के रुप में गाइड विभाग बीना यादव (संयुक्त राज्य सचिव), रेंजर विभाग सरीता पाण्डेय (राज्य प्रशिक्षण आयुक्त गाइड), फ्लॉक लीडर विभाग कल्पना सिंह, लक्ष्मी बृजवासी शिविर का सफल संचालन किए।

वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 547.65 अंक या 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 71,924.68 और निफ्टी 157.10 अंक या 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,363.35 पर था।

बाजार में बिकवाली का सबसे अधिक दबाव एफएमसीजी और सरकारी बैंकिंग स्टॉक्स में देखा गया। सूचकांकों में निफ्टी एफएमसीजी 1.67 प्रतिशत और निफ्टी पीएसयू बैंक 1.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लूजर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी आईटी, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी ऑयल एंड गैस सबसे ज्यादा गिरने वाले सूचकांकों में शामिल थे। दूसरी तरफ निफ्टी मीडिया, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएसई और निफ्टी एनर्जी हरे निशान में थे।

लार्जकैप के उलट मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखी गई। निफ्टी स्मॉलैकप 100 इंडेक्स 272.10 अंक या 1.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,425.80 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 47.25 अंक की मामूली तेजी के साथ 58,834.55 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में बीईएल, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा और टाइटन गेनर्स थे।

आईटीसी, टेक महिंद्रा, एचयूएल, एलएंडटी, एसबीआई, टीसीएस, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, टाटा स्टील, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, इटरनल और पावर ग्रिड लूजर्स थे। जानकारों ने कहा कि 10-साल के बॉन्ड यील्ड के तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने और बाहरी अनिश्चितताओं के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली से सेंटीमेंट कमजोर होने के कारण भारतीय बाजार सत्र की शुरुआती बढ़त को बनाए नहीं रख पाए। आरबीआई द्वारा ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की डॉलर की जरूरतों के लिए एक स्पेशल विंडो खोलने और हेजिंग नियमों को सख्त करने के बाद रुपए में रिकवरी आई, जिससे करेंसी पर दबाव कम करने में मदद मिली।

उन्होंने आगे कहा कि आरबीआई द्वारा अतिरिक्त लिक्विडिटी को सोखने के लिए दैनिक सीआरआर मेंटेनेंस की जरूरत को बढ़ाने के बाद बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट आई, जबकि निवेशक आगे और मॉनेटरी टाइटनिंग की गुंजाइश के संकेतों के लिए घरेलू सीपीआई महंगाई के आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं।

भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में सौदों का मूल्य 2026 की तीसरी तिमाही में 7.3 अरब डॉलर रहा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में 2026 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 7.3 अरब डॉलर के 67 सौदे दर्ज किए गए। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान सौदों का कुल मूल्य तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 129 प्रतिशत बढ़ा, जबकि सौदों की संख्या मामूली रूप से 65 से बढ़कर 67 हो गई।

सौदों के मूल्य में इस तेज वृद्धि के पीछे बड़े मूल्य वाले विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) सौदे और सार्वजनिक बाजार में पूंजी जुटाने की गतिविधियों की अहम भूमिका रही। इनमें दो बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) भी शामिल थे।

आईपीओ और क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) को छोड़कर विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) और प्राइवेट इक्विटी/वेंचर कैपिटल (पीई/वीसी) गतिविधियों के तहत 3 अरब डॉलर के 58 सौदे हुए। 2026 की तीसरी तिमाही में एमएंडए सौदों का मूल्य पिछली तिमाही की तुलना में 54 प्रतिशत बढ़ा। साथ ही, सार्वजनिक बाजार के माध्यम से पूंजी जुटाने की गतिविधियों में मजबूती आई, वहीं पीई/वीसी निवेश में सौदों की संख्या और मूल्य, दोनों में गिरावट दर्ज की गई। फिनटेक, बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) का संयुक्त रूप से कुल सौदों की संख्या में लगभग 67 प्रतिशत योगदान रहा। यह प्रौद्योगिकी आधारित वित्तीय प्लेटफॉर्म और ऋण कारोबार में निवेशकों के लगातार बने हुए विश्वास को दर्शाता है। ग्रांट थॉर्नटन भारत में फाइनेंशियल सर्विसेज रिस्क एडवाइजरी के पार्टनर और एनबीएफसी इंडस्ट्री लीडर विवेक अय्यर ने कहा, 'जैसे-जैसे पूंजी निवेश के मामले में चयनात्मक रुख बढ़ रहा है, वैसे-वैसे ग्रोथ को टिकाऊ रिटर्न में बदलने की क्षमता यह तय करेगी कि किन वित्तीय कंपनियों को निवेश मिलेगा।'

उन्होंने कहा कि अधिक लागत वाले माहौल में मजबूत फंडिंग मॉडल, बेहतर यूनिट इकोनॉमिक्स और नियामकीय चुनौतियों से निपटने की क्षमता उतनी ही महत्वपूर्ण होगी, जितना कि कारोबार का विस्तार करने का अवसर।

गोल्ड ईटीएफ में सितंबर में निवेश 71 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 4,451 करोड़ रुपए हुआ

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में शुद्ध निवेश अगस्त के 2,597 करोड़ रुपए से महीने-दर-महीने आधार पर 71.4 प्रतिशत बढ़कर सितंबर में 4,451 करोड़ रुपए हो गया है। यह दिखाता है कि सोने की ओर लोगों का रुझान बढ़ रहा है।

गोल्ड ईटीएफ में मजबूत निवेश के बावजूद, व्यापक म्यूचुअल फंड उद्योग में महीने के दौरान 1.33 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निकासी दर्ज की गई। इससे पहले अगस्त में 41,353 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था।

इस गिरावट की मुख्य वजह फिक्स्ड इनकम म्यूचुअल फंड योजनाओं से बड़ी मात्रा में निकासी रही। डेट म्यूचुअल फंड्स से सबसे अधिक निकासी हुई। सितंबर में इनसे शुद्ध निकासी तेजी से बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले महीने यह 8,127 करोड़ रुपए थी।

भारी निकासी के कारण म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) अगस्त के 87.08 लाख करोड़ रुपए से घटकर सितंबर में 82.64 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

इसके विपरीत, इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की ओर निवेशकों का रुझान बना रहा। सितंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में शुद्ध निवेश 30.6 प्रतिशत बढ़कर 38,307 करोड़ रुपए हो गया, जबकि अगस्त में यह 29,328 करोड़ रुपए था।

इक्विटी श्रेणियों में स्मॉल-कैप फंड निवेशकों की सबसे पसंदीदा श्रेणी बने रहे। इनमें सितंबर में 9,039 करोड़ रुपए का निवेश आया, जबकि पिछले महीने यह 7,973 करोड़ रुपए था। मिड-कैप फंड में भी निवेशकों की अच्छी भागीदारी रही। इनमें अगस्त के 6,989 करोड़ रुपए की तुलना में सितंबर में 7,835 करोड़ रुपए का निवेश आया।

फ्लेक्सी-कैप फंड में शुद्ध निवेश एक महीने पहले के 5,059 करोड़ रुपए से बढ़कर 6,702 करोड़ रुपए हो गया। वहीं, सेक्टोरल और थीमैटिक फंड में निवेश बढ़कर 3,640 करोड़ रुपए हो गया, जबकि अगस्त में यह 1,713 करोड़ रुपए था।

लार्ज-कैप फंड एक महीने की शुद्ध निकासी के बाद फिर से सकारात्मक दायरे में लौट आए। सितंबर में इनमें 859 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया, जबकि अगस्त में 1,147 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी हुई थी।

कोयला आपूर्ति में सुधार से बिजलीघरों का भंडार स्थिर, 18 मिलियन टन से अधिक स्टॉक उपलब्ध

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि देश के कोयला आधारित बिजलीघरों में कोयला भंडार 29 सितंबर 2026 से लगातार 18 मिलियन टन से ऊपर बना हुआ है। मंत्रालय के अनुसार, अक्टूबर में कोयला आपूर्ति मजबूत होने से भंडार में कमी आने की रफ्तार भी काफी धीमी पड़ गई है।

मंत्रालय के बयान के मुताबिक, 29 सितंबर 2026 को बिजलीघरों में कोयले का भंडार 18.932 मिलियन टन था, जो 10 अक्टूबर 2026 को 18.205 मिलियन टन दर्ज किया गया। इससे संकेत मिलता है कि बिजलीघरों की दैनिक खपत के मुकाबले कोयला आपूर्ति लगभग बराबर बनी हुई है।

मंत्रालय ने कहा कि जिन बिजलीघरों का कोयला स्टॉक संवेदनशील स्तर पर है, उन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। आवश्यकता के अनुसार विभिन्न संयंत्रों के बीच कोयले का पुनर्वितरण भी किया जा रहा है ताकि बिजली उत्पादन बिना बाधा जारी रहे।

अक्टूबर में दो अवसर ऐसे भी रहे जब कोयला भंडार में बढ़ोतरी दर्ज की गई। 2 अक्टूबर को स्टॉक में 0.024 मिलियन टन और 10 अक्टूबर को 0.017 मिलियन टन की वृद्धि हुई।

सरकार के अनुसार, सितंबर की तुलना में अक्टूबर में भंडार घटने की गति काफी कम हुई है। सितंबर 2026 में पूरे महीने के दौरान कोयला भंडार लगभग 7.28 मिलियन टन घटा था, यानी औसतन 0.24 मिलियन टन प्रतिदिन की कमी आई थी।

इसके मुकाबले अक्टूबर के पहले 10 दिनों में कुल मिलाकर केवल 0.56 मिलियन टन की कमी हुई, जो औसतन 0.06 मिलियन टन प्रतिदिन है। इस सुधार का प्रमुख कारण कोयला ढुलाई में तेजी रही है। 1 से 10 अक्टूबर 2026 के दौरान बिजली क्षेत्र के लिए औसतन 469 रेक प्रतिदिन लोड किए गए, जबकि सितंबर में यह औसत 426 रेक प्रतिदिन था। यानी इसमें लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अक्टूबर में दैनिक रेक लोडिंग 447 से 482 रेक के बीच रही।

इसके परिणामस्वरूप बिजली क्षेत्र को वास्तविक कोयला आपूर्ति बढ़कर 2.49 मिलियन टन प्रतिदिन हो गई, जबकि सितंबर में यह 2.21 मिलियन टन प्रतिदिन थी। मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर के अधिकांश दिनों में वास्तविक आपूर्ति तय लक्ष्य से अधिक रही और 10 में से 9 दिनों में आपूर्ति योजना से ज्यादा कोयला पहुंचाया गया।

सितंबर में एसआईपी निवेश में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपए की हुई बढ़ोतरी

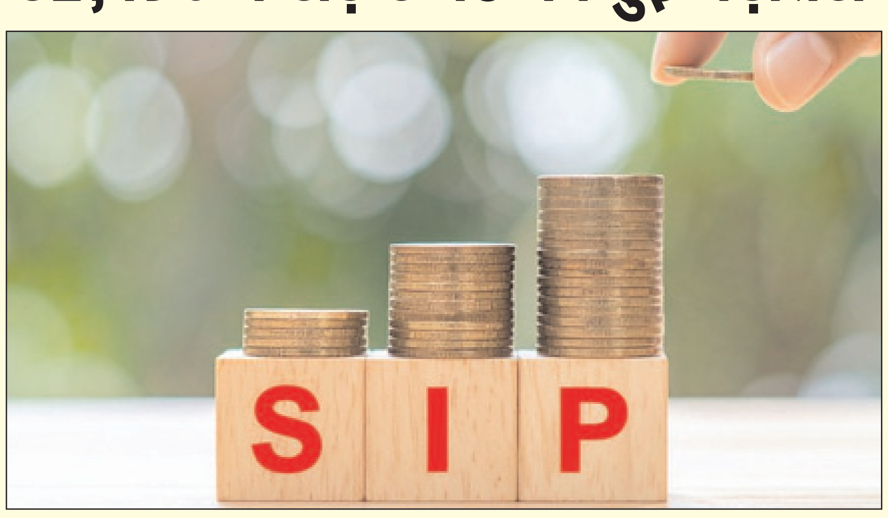

विश्व केसरी

मुंबई। म्यूचुअल फंड में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश सितंबर में नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। एम्फी यानी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में एसआईपी के माध्यम से 32,490 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो अगस्त के 32,297 करोड़ रुपए के पिछले रिकॉर्ड से भी अधिक है।

सितंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में भी निवेश मजबूत रहा। इक्विटी फंड्स में शुद्ध निवेश बढ़कर 38,307 करोड़ रुपए हो गया, जबकि अगस्त में यह 29,328 करोड़ रुपए था। यानी महीने-दर-महीने आधार पर इसमें लगभग 30.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में कुल मिलाकर निकासी का दबाव देखने को मिला।

सितंबर के अंत तक म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 82.64 लाख करोड़ रुपए रहा, जो अगस्त में 87.08 लाख करोड़ रुपए था।

श्रेणीवार देखें तो स्मॉल कैप फंड्स में निवेश बढ़कर 9,039 करोड़ रुपए हो गया, जो अगस्त में 7,973 करोड़ रुपए था। वहीं मिड कैप फंड्स में निवेश 6,989 करोड़ रुपए से बढ़कर 7,835 करोड़ रुपए पहुंच गया।

फ्लेक्सी कैप फंड्स में 6,702 करोड़ रुपए का निवेश आया, जबकि अगस्त में यह 5,059 करोड़ रुपए था। सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में भी निवेश बढ़कर 3,640 करोड़ रुपए हो गया, जो अगस्त में 1,713 करोड़ रुपए था। लार्ज कैप फंड्स में सितंबर में 859 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया, जो अगस्त के 1,147 करोड़ रुपए के आउटफ्लो के मुकाबले बड़ी वापसी मानी जा रही है। वहीं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड्स में 3,667 करोड़ रुपए का निवेश आया, जो अगस्त के 3,671 करोड़ रुपए के लगभग बराबर है।

हालांकि मजबूत एसआईपी और इक्विटी निवेश के बावजूद पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में सितंबर के दौरान 1.33 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध आउटफ्लो दर्ज किया गया। अगस्त में उद्योग में 41,353 करोड़ रुपए का शुद्ध इनफ्लो आया था।

इस आउटफ्लो का मुख्य कारण डेट (फिक्स्ड इनकम) फंड्स रहे। सितंबर में डेट फंड्स से 1.83 लाख करोड़ रुपए की निकासी हुई, जबकि अगस्त में इनसे 8,127 करोड़ रुपए का आउटफ्लो हुआ था।

आंकड़ों से स्पष्ट है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा इक्विटी म्यूचुअल फंड्स और एसआईपी के प्रति लगातार मजबूत बना हुआ है। खासकर स्मॉल कैप, मिड कैप और फ्लेक्सी कैप योजनाओं में निवेशकों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है।

सितंबर में इक्विटी फंड्स में आया 30 प्रतिशत से ज्यादा निवेश, इंडस्ट्री एयूएम बढ़कर 82.64 लाख करोड़ रुपए हुआः एएमएफआई

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में सितंबर के दौरान इक्विटी योजनाओं में निवेश में मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। एम्फी यानी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में इक्विटी फंड्स में 38,306.55 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया, जो अगस्त की तुलना में 30.61 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर 82.64 लाख करोड़ रुपए हो गई।

एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम्स में 74,831.96 करोड़ रुपए का निवेश आया, जबकि 36,525.41 करोड़ रुपए की निकासी दर्ज की गई। इक्विटी योजनाओं के तहत कुल नेट एयूएम 37.54 लाख करोड़ रुपए रही, जबकि महीने के दौरान औसत एयूएम 38,50,660.61 करोड़ रुपए दर्ज की गई।

श्रेणीवार आंकड़ों में स्मॉल कैप फंड्स सबसे आगे रहे, जिसमें 9,038.57 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। स्मॉल कैप फंड्स में कुल 13,025.13 करोड़ रुपए का निवेश हुआ और 3,986.56 करोड़ रुपए की निकासी हुई। इस श्रेणी में निवेशकों के 3.03 करोड़ फोलियो दर्ज किए गए।

इसके अलावा मिड कैप फंड्स में 7,834.84 करोड़ रुपए, फ्लेक्सी कैप फंड्स में 6,701.80 करोड़ रुपए, लार्ज एंड मिड कैप फंड्स में 4,271.22 करोड़ रुपए और मल्टी कैप फंड्स में 3,859.55 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया।

थीमैटिक फंड्स में 1,800.07 करोड़ रुपए, सेक्टोरल फंड्स में 1,840.02 करोड़ रुपए, फोकस्ड फंड्स में 1,390.84 करोड़ रुपए, वैल्यू फंड्स में 1,290.89 करोड़ रुपए और लार्ज कैप फंड्स में 859.47 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया।

पीएम गतिशक्ति के तहत 18.66 लाख करोड़ रुपए की 396 बड़ी परियोजनियों की निगरानी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के तहत 11 अगस्त 2026 तक 18.66 लाख करोड़ रुपए के निवेश वाली 396 बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनियां शामिल की जा चुकी हैं। सरकार द्वारा सोमवार को जारी एक फैक्टशीट के अनुसार, इनमें से 256 परियोजनियों को मंजूरी मिल चुकी है और 198 परियोजनाएं क्रियान्वयन के चरण में हैं।

पीएम गतिशक्ति का संस्थागत ढांचा एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से समर्थित है, जो योजनाकारों को भू-स्थानिक डेटा, सैटेलाइट इमेजरी और विश्लेषणात्मक उपकरण उपलब्ध कराता है। यह प्लेटफॉर्म आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी अवसंरचना के साथ जोड़कर समेकित योजना बनाने में मदद करता है। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान आर्थिक क्षेत्रों, सामाजिक केंद्रों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मानचित्र पर दर्शाता है, जिसके जरिए उन कनेक्टिविटी कमियों की पहचान की जाती है जो लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की सुचारू आवाजाही में बाधा बन सकते हैं। इस योजना के तहत टेक्सटाइल क्लस्टर, फार्मास्यूटिकल हब, रक्षा गलियारे, इलेक्ट्रॉनिक्स पार्क, औद्योगिक गलियारे, मत्स्य क्लस्टर और कृषि क्षेत्र जैसे आर्थिक जोनों को भी शामिल किया गया है, ताकि एकीकृत इंफ्रास्ट्रक्चर योजना तैयार की जा सके।

उदाहरण के तौर पर, बिहार के खगड़िया-पूर्णिया कॉरिडोर को पांच पीएम गतिशक्ति आर्थिक नोड्स से जोड़ने की योजना बनाई गई है, जिनमें टेक्सटाइल क्लस्टर, मेगा फूड पार्क और फिशिंग/सीफूड पार्क शामिल हैं। इसके साथ 11 लॉजिस्टिक्स नोड्स को भी जोड़ा जाएगा, जिससे क्षेत्र में माल और यात्रियों की आवाजाही तेज होने की उम्मीद है।

क्या सच में मां के लाडले होते हैं बेटे और पिता की प्रिंसेस होती हैं बेटियां?

बचपन से ही हमने अक्सर यह सुना होगा कि 'बेटा मां का लाडला होता है' और 'बेटी पिता की आंख का तारा यानी प्रिंसेस होती है.' क्या यह सिर्फ एक आम कहावत है या इसके पीछे कोई गहरा मनोवैज्ञानिक सच छिपा है? आइए, मनोविज्ञान और वैज्ञानिक शोधों की नजर से इस दिलचस्प रिश्ते के हर पहलू को बेहद आसान भाषा में समझते हैं.

घर में बेटा चोट लगने पर सबसे पहले मां को आवाज लगाता है, तो बेटी अपनी छोटी-बड़ी फरमाइशें लेकर पापा के पास पहुंच जाती है. मां की गोद में बेटे को सुकून मिलता है, तो पिता के कंधे पर सिर रखकर बेटी अपनी दुनिया की बातें साझा करती है. आपने भी अपने आसपास ऐसे कई परिवार देखे होंगे, जहां बेटा मां के बेहद करीब होता है और बेटी पापा की लाडली कहलाती है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है? क्या बेटों का मां से और बेटियों का पिता से ज्यादा जुड़ाव होने के पीछे कोई मनोवैज्ञानिक वजह है? या फिर यह हमारे परिवारों की परवरिश और सामाजिक सोच का असर है?

दिलचस्प बात यह है कि मनोविज्ञान इस रिश्ते को केवल लड़का या लड़की होने से जोड़कर नहीं देखता. इसके पीछे भावनात्मक सुरक्षा, माता-पिता का व्यवहार, बच्चों की जरूरतों को समझने का तरीका और परिवार का माहौल जैसे कई पहलू काम करते हैं. आइए, समझते हैं कि मां-बेटे और पिता-बेटी का रिश्ता खास क्यों दिखाई देता है और इस बारे में साइकोलॉजी क्या कहती है.

मां के लाडले क्यों होते हैं बेटे?

बच्चे के जन्म के बाद उसकी हर छोटी-रोटी जरूरत का ध्यान रखना, उसे चुप कराना और उसके रोने की वजह समझना—इन सब प्रक्रियाओं से मां और बच्चे के बीच एक अटूट भावनात्मक रिश्ता बन जाता है. जब बच्चे को बार-बार यह अहसास होता है कि तकलीफ या डर के समय मां ही सबसे पहले दौड़ी चली आएगी, तो उसके मन में एक गहरा भरोसा पैदा हो जाता है.

मनोविज्ञान में इसे 'सिक्योर अटैचमेंट' (Secure Attachment) कहा जाता है. इसका मतलब सिर्फ प्यार जताना नहीं, बल्कि बच्चे की जरूरत के वक्त भावनात्मक रूप से वहां मौजूद रहना है. हालांकि, इसका यह बिल्कुल मतलब नहीं है कि यह रिश्ता जन्मजात या तयशुदा है. अगर पिता भी बच्चे की देखभाल में बराबर की हिस्सेदारी निभाएं और उसकी भावनाओं को समझें, तो बच्चे का जुड़ाव पिता से भी उतना ही गहरा हो सकता है.

बेटियां क्यों होती हैं पापा की प्रिंसेस?

एक बेटी के लिए उसके पिता का साथ, तारीफ और प्रोत्साहन बहुत मायने रखता है. जब पिता अपनी बेटी की बात को गौर से सुनते हैं, उसकी छोटी-छोटी सफलताओं पर दिल से खुश होते हैं और मुश्किल वक्त में उसका हौसला बढ़ाते हैं, तो बेटी का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर पहुंच जाता है।

पहाड़ पर बढ़ रहा चॉकलेट मिठाई का क्रेज, एक बाइट में हो जाओगे दीवाने, जानें कीमत

पहाड़ की मिठाइयों का जिक्र होने पर क्या आप भी बाल मिठाई के बारे में सोचने लगते हैं. अब ऐसा नहीं होगा. आज हम आपको एक ऐसी मिठाई के बारे में बताएंगे, जो बाल मिठाई से कम नहीं है. बात हो रही है चॉकलेट मिठाई की. बागेश्वर के मिठाई व्यापारी नरेंद्र राणा लोकल 18 से बताते हैं कि कुमाऊं की चॉकलेट मिठाई खोये से बनाई जाती है. पकने के दौरान इसका रंग धीरे-धीरे गहरा भूरा होने लगता है. चॉकलेट मिठाई उन लोगों के लिए एक और विकल्प है, जो पहाड़ के पारंपरिक स्वाद में कुछ अलग तलाश रहे हैं.

उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र की पहचान यहां की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और खानपान से है. यहां की मिठाइयों का स्वाद भी लोगों को खूब पसंद आता है. अब तक पहाड़ की मिठाइयों का जिक्र होने पर ज्यादातर लोगों के मन में बाल मिठाई का नाम आता था, लेकिन चॉकलेट मिठाई भी अपनी अलग पहचान रखती है. गहरे भूरे रंग और खोये से तैयार होने वाली इस मिठाई को देखने पर चॉकलेट जैसा अहसास होता है. अगर आपका मन दानेदार बाल मिठाई खाने का नहीं है, तो कुमाऊं की इस पारंपरिक मिठाई का स्वाद चख सकते हैं. बागेश्वर के मिठाई व्यापारी नरेंद्र राणा लोकल 18 से बताते हैं कि कुमाऊं की चॉकलेट मिठाई मुख्य रूप से खोये यानी मावे से बनाई जाती है. इसे तैयार करने के लिए मावे को धीमी आंच पर लगातार पकाया जाता है. पकने के दौरान इसका रंग धीरे-धीरे गहरा भूरा होने लगता है. इसी प्रक्रिया से मिठाई को अलग स्वाद और चॉकलेट जैसा रंग मिलता है.

नरेंद्र राणा कहते हैं कि बाल मिठाई के ऊपर लगी छोटी-छोटी सफेद चीनी की गोलियां इसे दानेदार बनाती हैं. चॉकलेट मिठाई का रंग गहरा भूरा होता है. दोनों मिठाइयां खोये से बनाई जाती हैं, लेकिन इन्हें बनाने की प्रक्रिया और बाहरी बनावट अलग है. उत्तराखंड से बाहर रहने वाले लोग जब अपने घर आते हैं, तो पहाड़ के स्वाद को अपने साथ ले जाना नहीं भूलते हैं. चॉकलेट मिठाई को भी लोग खरीदकर साथ ले जाते हैं. हालांकि, मिठाई को लंबी दूरी तक ले जाने से पहले उसकी पैकिंग और सुरक्षित रखने के निर्देशों का ध्यान रखना जरूरी है. यह कितने दिन तक ताजा रहेगी, यह बनाने की विधि, सामग्री, पैकिंग और तापमान पर निर्भर करता है. इसलिए तीन से चार दिन तक सुरक्षित रहने की बात की पुष्टि संबंधित दुकानदार से कर लें.

अगर आप बागेश्वर में चॉकलेट मिठाई का स्वाद चखना चाहते हैं, तो बस स्टेशन रोड पर आना होगा. यहां चॉकलेट मिठाई की कीमत 440 रुपये प्रति किलो मिल जाएगी. पहाड़ की पारंपरिक मिठाइयां यहां के खानपान और स्थानीय संस्कृति का अहम हिस्सा हैं. ऐसे में बाल मिठाई के अलावा कुमाऊं की चॉकलेट मिठाई भी उन लोगों के लिए खास विकल्प है, जो पहाड़ के पारंपरिक स्वाद में कुछ अलग तलाश रहे हैं।

प्यार सच्चा है, पार्टनर भी सही है, फिर रिश्ता निभाना क्यों लगता है मुश्किल? जानिए प्यार का काला सच

कभी सोचा है, जिस इंसान से आप बेइंतहा प्यार करते हैं, उसी के साथ रहते हुए कभी-कभी घुटन क्यों महसूस होने लगती है? पार्टनर आपकी कद्र करता है, प्यार भी करता है, फिर छोटी-छोटी बातें दिल क्यों दुखाने लगती हैं? क्यों कभी मन करता है कि सब कुछ ठीक होने के बावजूद कुछ देर के लिए अकेले रह लें? दरअसल, प्यार होना और रिश्ता निभाना दो अलग बातें हैं. मशहूर मनोवैज्ञानिक कार्ल रोजर्स का एक विचार इस उलझन को समझने में मदद करता है.

कभी सोचा है, जिस इंसान से आप बेइंतहा प्यार करते हैं, जिसके साथ जिंदगी बिताने के सपने देखते हैं, उसी के साथ रहते हुए कभी-कभी घुटन क्यों महसूस होने लगती है? पार्टनर अच्छा है, प्यार भी सच्चा है, फिर भी छोटी-छोटी बातें दिल दुखाने लगती हैं, बहस बढ़ जाती है और कभी-कभी मन करता है कि बस कुछ देर के लिए सबसे दूर चले जाएं. हैरानी की बात यह है कि रिश्ता टूटने की कगार पर न हो, तब भी उसे निभाना मुश्किल लग सकता है. आखिर ऐसा क्यों होता है?

तो क्या प्यार के साथ-साथ कुछ ऐसी भावनात्मक जरूरतें भी होती हैं, जिन्हें हम समझ नहीं पाते? सच यह है कि सिर्फ प्यार किसी रिश्ते को आसान बनाने के लिए काफी नहीं होता. उम्मीदें, पुरानी चोटें, अनकही शिकायतें और बातचीत की कमी धीरे-धीरे रिश्ते की मिठास कम कर सकती हैं. आइए समझते हैं प्यार का वह काला सच, जिसे जानना आपके रिश्ते को एक नया नजरिया दे सकता है।

बची हुई छाछ बनेगी पौधों का टॉनिक! इस्तेमाल से पहले जान लें कितने पानी में मिलानी है

घर में बची छाछ को फेंकने के बजाय पानी में पतला करके कुछ पौधों की मिट्टी में सीमित मात्रा में इस्तेमाल किया जा सकता है. इसे रोज डालने या सीधे गमले में डालने से बचें. पहली बार कम मात्रा से शुरुआत करें और पौधे की स्थिति पर नजर रखें.

गर्मियों में घर में दही और छाछ बनना आम बात है. कई बार जरूरत से ज्यादा छाछ बच जाती है और एक-दो दिन बाद उसे पीने के बजाय लोग सिंक में बहा देते हैं, लेकिन अगर आप घर में पौधे लगाते हैं, तो इस बची हुई छाछ का एक दूसरा इस्तेमाल कर सकते हैं. इसे सीधे गमले में डालने के बजाय पानी में अच्छी तरह पतला करके मिट्टी में दिया जा सकता है.

छाछ में मौजूद कुछ माइक्रोब्स मिट्टी की माइक्रोबियल एक्टिविटी में मदद कर सकते हैं. हालांकि, इसका इस्तेमाल सही मात्रा और सही अंतराल पर करना जरूरी है. ज्यादा छाछ डालने से पौधे को फायदा होने के बजाय परेशानी हो सकती है.

छाछ पौधों के लिए कैसे काम आ सकती है

पौधे की अच्छी ग्रोथ के लिए सिर्फ पत्तियों का हरा दिखना काफी नहीं है. जड़ों के साथ गमले की मिट्टी की सेहत भी अच्छी होनी चाहिए. पतली की गई छाछ मिट्टी में कुछ लाभकारी माइक्रोब्स की एक्टिविटी को सपोर्ट कर सकती है. इससे मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों के इस्तेमाल में पौधे को मदद मिल सकती है. हालांकि, इसे किसी पक्की खाद या पौधों की बीमारी का इलाज नहीं समझना चाहिए. पौधे की ग्रोथ कई चीजों पर निर्भर करती है, जैसे मिट्टी, धूप, पानी और जरूरी पोषक तत्व.

गमले में छाछ डालने का सही तरीका

छाछ को कभी भी गाढ़े रूप में सीधे मिट्टी में डालने से बचें. इसे पहले पानी में अच्छी तरह पतला करें. एक भाग छाछ में करीब 5 से 10 भाग पानी मिलाकर हल्का घोल तैयार किया जा सकता है. इस घोल को पौधे की जड़ों के आसपास मिट्टी में थोड़ी मात्रा में डालें. पहली बार इस्तेमाल कर रहे हैं, तो कम मात्रा से शुरुआत करना बेहतर रहेगा. पत्तियों पर स्प्रे करने की बजाय मिट्टी में देना ज्यादा आसान और सुरक्षित तरीका है.

कितने दिन में दें छाछ का घोल

छाछ का इस्तेमाल रोज या हर कुछ दिन में करने की जरूरत नहीं है. करीब 15 से 20 दिन के अंतराल पर थोड़ी मात्रा में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है, अगर गमले की मिट्टी पहले से गीली है या उसमें पानी जमा है, तो उस समय छाछ का घोल न डालें. मिट्टी में लगातार ज्यादा नमी रहने से जड़ों को नुकसान हो सकता है।

अस्थमा से हैं परेशान... तो डाइट में शामिल करें बकरी का दूध, कफ बनने से रोकेगा; 90 दिन में मिलेगा असर

यदि आप लंबे समय से अस्थमा से परेशान हैं तो यह घरेलू उपचार अपने दिनचर्या में शामिल कर बेहतर राहत पा सकते हैं. अस्थमा से ग्रसित लोगों के लिए जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रभात कुमार ने खान पान से जुड़े एक घरेलू उपाय की जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि अस्थमा से पीड़ित लोग अपने डाइट में बकरी का दूध शामिल करें. नियमित रूप से इसका सेवन करने से परेशानी में राहत मिलती है.

डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि बकरी का दूध कई इलाकों में आसानी से उपलब्ध हो जाता है. उन्होंने इसके सेवन का तरीका बताते हुए कहा कि अस्थमा से पीड़ित व्यक्ति सुबह और शाम एक एक कप बकरी का दूध गर्म करके सेवन करें. उन्होंने 90 दिनों तक नियमित रूप से इसका सेवन करने की सलाह दी है.

आयुष चिकित्सा पदाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन मरीजों की अंग्रेजी दवा या इनहेलर पहले से चल रहा है. उन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार उसका नियमित सेवन जारी रखना चाहिए.

घरेलू उपाय के साथ डॉक्टर द्वारा निर्धारित अस्थमा की दवा बंद करना उचित नहीं है. उन्होंने बताया कि अस्थमा सांस की नलियों से जुड़ी एक दीर्घकालिक बीमारी है. जिसमें सांस लेने में परेशानी, सीने में जकड़न, खांसी और सांस फूलने जैसी समस्या होती है.

डॉ. प्रभात कुमार ने बकरी के दूध को गर्म करके सुबह और शाम एक-एक कप सेवन करने की सलाह दी है. उन्होंने बताया कि करीब 90 दिनों तक लगातार इसका सेवन करने से राहत मिलती है.

उन्होंने बताया कि अस्थमा के मरीजों को धूल, धुआं, प्रदूषण से बचने की कोशिश करनी चाहिए।

दुर्गा पूजा के पंडाल क्यों होते हैं इतने खास? देवी पूजा कुलीन घरों के आंगन से कैसे आई सड़कों तक

दुर्गा पूजा के पंडाल आखिर इतने खास क्यों होते हैं? इनके पीछे सदियों पुरानी परंपरा, बंगाल का इतिहास, कलाकारों का हुनर और सामूहिक उत्सव की दिलचस्प कहानी छिपी है. जानिए कैसे पूजा के पारंपरिक स्थल आज कला, संस्कृति और अनोखी थीम की खुली प्रदर्शनी बन गए हैं और कोलकाता की दुर्गा पूजा को यूनेस्को से खास पहचान क्यों मिली.

दुर्गा पूजा यानी मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा, रोशनी से जगमगाती सड़कें, खूबसूरत सजावट और रातभर घूमते मौज मस्?ती करनते लोगों की अथह भीड़. खासकर कोलकाता में दुर्गा पूजा के पंडाल सिर्फ पूजा करने की जगह नहीं, बल्कि कला, संस्कृति, इतिहास और लोगों की भावनाओं का ऐसा संगम हैं, जिसे देखने के लिए देश विदेश से लोग पहुंचते हैं. कहीं मंदिर जैसा भव्य पंडाल नजर आता है, तो कहीं किसी ऐतिहासिक इमारत, गांव, जंगल या सामाजिक मुद्दे से प्रेरित अनोखी सजावट लोगों को हैरान कर देती है.

लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दुर्गा पूजा में पंडाल बनाने की परंपरा शुरू कैसे हुई? मां दुर्गा की पूजा घरों से निकलकर विशाल सार्वजनिक आयोजनों तक कैसे पहुंची? और आखिर इन पंडालों को देखने के लिए हर साल लाखों लोग क्यों उमड़ पड़ते हैं? इसके पीछे धार्मिक आस्था के साथ बंगाल का इतिहास, सामुदायिक भागीदारी, कलाकारों की मेहनत और इंसान के मन को आकर्षित करने वाली कई दिलचस्प वजहें छिपी हैं. आइए, इसे समझते हैं.

दुर्गा पूजा के पंडालों की शुरुआत कैसे हुई? जानें इतिहास

कभी राजबाड़ियों और जमींदारों की थी निजी पूजा (16वीं से 18वीं शताब्दी)-

शुरुआत में दुर्गा पूजा आम जनता का त्योहार नहीं थी, बल्कि यह राजाओं, समृद्ध जमींदारों और कुलीन 'बाबू' वर्ग के घरों के 'ठाकुरदालान' तक ही सीमित थी. इस निजी आयोजन में आम लोगों की पहुंच बेहद सीमित होती थी और वे केवल दर्शक के रूप में ही शामिल हो सकते थे.

इतिहासविदों और शोध लेखों के अनुसार, 16वीं और 17th शताब्दी के दौरान तहरपुर के राजा कांग्सनारायण या नदिया के जमींदार भवनानंद मजूमदार जैसे भूस्वामियों ने बड़े आयोजनों के रूप में दुर्गा पूजा की शुरुआत की थी. इसके अलावा, कोलकाता क्षेत्र में सबर्ण राय चौधरी परिवार (Sabarna Roy Choudhury family) द्वारा 1610 से अपने पैतृक आवास (बारीसा) में लगातार दुर्गा पूजा मनाए जाने के ऐतिहासिक रिकॉर्ड मौजूद हैं.

ब्रिटिश काल और उससे पहले के अभिलेखों से यह प्रमाणित होता है कि बंगाल के कुलीन जमींदार और रईस परिवार (जैसे शोभावजार राजबाड़ी) अपने प्रभाव, सामाजिक प्रतिष्ठा और राजनीतिक हैसियत को प्रदर्शित करने के लिए अपने घरों के 'ठाकुरदालान' (आंगन) में भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन करते थे.

'बारोयारी' पूजा और पंडालों की नींव (1790)-

वर्ष 1790 में पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के गुप्तपाड़ा में एक जमींदार द्वारा स्थानीय युवाओं को प्रवेश से रोके जाने पर बड़ा बदलाव आया. अपमानित महसूस करने वाले 12 दोस्तों ने चंदा इकट्ठा करके खुद की दुर्गा पूजा की शुरुआत की, जिसे 'बारोयारी पूजा' (12 दोस्तों की पूजा) कहा गया और यहीं से अस्थायी पंडालों का सिलसिला शुरू हुआ.

इस इतिहास का उल्लेख बंगाली प्रकाशनों (जैसे आनंदबाजार पत्रिका के लेख और क्षेत्रीय शोध) के साथ-साथ सुदेशना बनर्जी की पुस्तक और सुकांत चौधरी द्वारा संपादित प्रसिद्ध पुस्तक 'Calcutta: The Living City' (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस) के अध्यायों में मिलता है।

नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की भक्ति में लीन हुई कृति खरबंदा, धैर्य और शक्ति के लिए मांगा आशीर्वाद

मुंबई। अभिनेत्री कृति खरबंदा ने शारदीय नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को नमन किया। सोमवार को अभिनेत्री ने माता रानी से धैर्य और आंतरिक शक्ति का आशीर्वाद मांगा।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, "नवरात्रि का दूसर दिन। आज मां, ब्रह्मचारिणी के शांत स्वरूप को नमन, जो हमें धैर्य और अंदरूनी ताकत देती हैं।"

शारदीय नवरात्रि का दूसरा दिन मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की उपासना को समर्पित है। माता के एक हाथ में जपमाला और दूसरे हाथ में कमंडल सुशोभित रहता है। वे श्वेत वस्त्र धारण करती हैं, जो पवित्रता और शांति का प्रतीक है। 'ब्रह्म' का अर्थ तपस्या और 'चारिणी' का अर्थ आचरण करने वाली है, अर्थात तप का आचरण करने वाली। मां ब्रह्मचारिणी को तप, त्याग, वैराग्य, संयम और दृढ़ संकल्प की देवी माना गया है। इनकी आराधना से साधक को आत्मबल और धैर्य प्राप्त होता है।

मां ब्रह्मचारिणी

पूजा विधि और भोग

इस दिन सफेद या पीले रंग के वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। माता को सफेद और लाल फूल जैसे चमेली, कमल या गुडहल अर्पित किए जाते हैं। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर, मिश्री, पंचामृत या दूध से बनी सफेद मिठाइयों का भोग लगाया जाता है।

मोहित मलिक ने बताया खुशहाल रिश्ते का मंत्र, बोले- पार्टनर से बात करते रहें, साथ बढ़ते रहें

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता मोहित मलिक अभिनय में अपनी सक्रियता के साथ परिवार को समय देने से पीछे भी नहीं हटते हैं। अभिनेता ने बताया कि वे और पत्नी आपसी बातचीत के जरिए साथ में आगे बढ़ते हैं।

मोहित मलिक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने रोजमर्रा की जिंदगी की एक झलक शेयर करते हुए बताया कि दोनों का हर रात एक कप चाय पर साथ बैठकर अपनी जिंदगी के बारे में बात करने का रिवाज है। उन्होंने लिखा, 'हर रात एक कप चाय पर, मैं और अदिति बातें करते हैं। कभी अपने दिन के बारे में, जिंदगी के बारे में, कभी ऐसी बातें जो हमें परेशान कर रही हों, तो कभी उन बातों के बारे में जिन्हें हम ठीक से कह भी नहीं पाते।'

मोहित ने कहा कि उनकी बातचीत में अक्सर एक-दूसरे से सवाल करना, असहमत होना, सुनना और दूसरे के नजरिए को समझने की कोशिश करना शामिल होता है। उन्होंने बताया कि सालों बाद उन्हें एहसास हुआ है कि साथ बढ़ने का मतलब हर बात पर एक ही राय होना नहीं है।

उन्होंने लिखा, 'इन सालों में हमें समझ आया है कि साथ रहने का मतलब एक दूसरे की बातों से सहमत होना नहीं है, बल्कि एक ऐसी जगह बनाना जहां हम दोनों एक-दूसरे को सुन पाए, एक-दूसरे के हो सके। ये छोटा सा रिवाज सालों से हमारी जिंदगी का हिस्सा है और अब हम इसका एक हिस्सा आपके साथ शेयर करना चाहते हैं। इसलिए नहीं कि हमने रिश्तों को समझ लिया है, बल्कि इसलिए क्योंकि हम अभी साथ-साथ इसे समझ रहे हैं। चीनी कितनी चम्मच। बात करते रहें, साथ बढ़ते रहें।'

मोहित मलिक और अदिति शिरवाइकर भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री के जाने-माने और सबसे लोकप्रिय कपल्स में से एक हैं। दोनों की मुलाकात टीवी शो 'मिली' के सेट पर हुई थी, जहां दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर प्यार। मोहित ने 1 अप्रैल 2006 को अदिति को प्रपोज किया था और लंबी डेटिंग के बाद 1 दिसंबर 2010 को दोनों शादी के बंधन में बंधे। शादी के करीब 10 साल बाद 27 अप्रैल 2021 को दोनों ने बेटे एकबीर का स्वागत किया।

दिलजीत दोसांझ के फैसले से खुश हुए सांसद विक्रमजीत साहनी, कहा-पंजाब का सच्चा सपूत है दिलजीत

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ ने अपने 'ऑरा इंडिया टूर' के दिल्ली कॉन्सर्ट की तारीख बदल दी है। इस पर खुशी जाहिर करते हुए राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने अभिनेता का शुक्रिया अदा किया।

दरअसल, अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ का यह कॉन्सर्ट पहले 1 नवंबर को होना था, जो 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी के दिन पड़ रहा था। सिख विरोधी दंगों की संवेदनशीलता और पंजाबी प्रमोशन काउंसिल व अन्य प्रतिनिधियों की अपील के बाद सिख समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए 1 नवंबर की बजाय इस शो को 30 अक्टूबर को शिफ्ट किया गया है।

राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने पीड़ितों और उनके परिवारों की भावनाओं का सम्मान करने के लिए दिलजीत को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, 'दिलजीत दोसांझ का तहे दिल से धन्यवाद कि उन्होंने 1 नवंबर को दिल्ली में परफॉर्म न करने की हमारी अपील को मान लिया। 1 नवंबर 1984 के दुखद सिख विरोधी दंगों की बरसी का दिन है, अब कॉन्सर्ट 30 अक्टूबर को होगा।'

उन्होंने आगे लिखा, 'दिलजीत पंजाब का सच्चा सपूत है, पगड़ी पहनने वाला एक ग्लोबल आइकॉन है और लाखों लोगों के लिए प्रेरणा है। पीड़ितों और उनके परिवारों की भावनाओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता दिखाती है कि इतने बड़े मुकाम पर होने के बाद भी उनमें कितनी जिम्मेदारी और करुणा है।वो इसी तरह पंजाब और भारत का नाम रोशन करते रहें।'

बता दें कि 1 नवंबर 1984 की तारीख भारतीय सिखों और पंजाबियों के इतिहास का सबसे काला और दर्दनाक दिन है, जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिखों के खिलाफ बड़े पैमाने पर भीषण दंगे और नरसंहार शुरू हो गया था। 31 अक्टूबर 1984 को देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके ही सिख अंगरक्षकों ने हत्या कर दी थी।

इस हत्या के अगले ही दिन यानी 1 नवंबर 1984 को देश की राजधानी दिल्ली समेत कई हिस्सों में सिखों के खिलाफ संगठित हिंसा, हत्याएं, आगजनी और लूटपाट भड़क उठी।

'एक बार भी अफेयर की चर्चा नहीं सुनी', गोविंदा-करिश्मा के रिश्ते पर सोमी अली ने सालों बाद बताई 'सच्चाई'

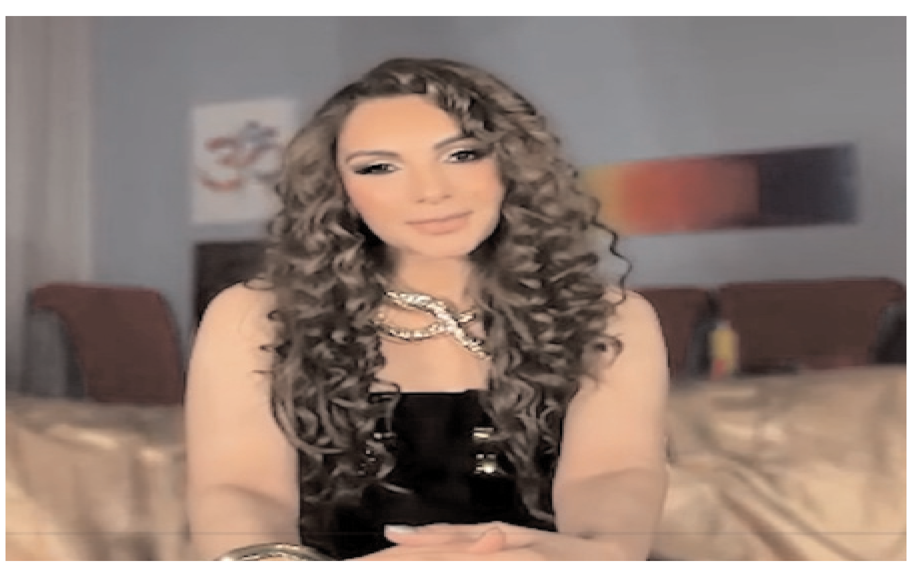

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड में 90 के दशक में गोविंदा और करिश्मा कपूर की जोड़ी को लोगों ने काफी पसंद किया। पर्दे पर दोनों की नजदीकियों को देखकर उस दौर में उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं होने लगी थीं। हालांकि, इन अफवाहों की कभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

अब एक बार फिर गोविंदा की निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने हाल ही में उनकी को-स्टार कोमल रानी के साथ कथित संबंधों को लेकर आरोप लगाए हैं। इसी बीच, गोविंदा के साथ फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेत्री सोमी अली ने करिश्मा कपूर के साथ उनके कथित अफेयर पर अपनी बात रखी।

आईएएनएस के साथ खास बातचीत में सोमी अली ने गोविंदा और करिश्मा कपूर के रिश्ते को लेकर फैलने वाली चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि गोविंदा और करिश्मा के अफेयर को लेकर कभी कोई अफवाह नहीं सुनी। उन्होंने कहा, ''लोलो (करिश्मा कपूर) के साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। मैंने एक बार भी चिची (गोविंदा) और लोलो के अफेयर की अफवाह नहीं सुनी।''

सोमी ने आगे कहा, ''सलमान खान ने भी करिश्मा के साथ कई फिल्मों में काम किया है। दोनों के बीच काफी अच्छी दोस्ती है, लेकिन मैंने कभी उनके अफेयर के बारे में भी नहीं सुना। मैं उस समय फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं, लेकिन मुझे गोविंदा और करिश्मा के बीच किसी रिलेशनशिप की जानकारी नहीं थी।''

बातचीत के दौरान सोमी अली ने कहा, ''किसी की निजी जिंदगी और रिश्तों पर मैं टिप्पणी करना पसंद नहीं करतीं। जब कोई व्यक्ति किसी के साथ रिश्ते में रहना चाहता है, तो यह उसकी निजी पसंद है। मुझे किसी के फैसले पर सवाल उठाने या उसे गलत ठहराने का कोई अधिकार नहीं है।''

सोमी ने कहा, ''मैं उस समय फिल्म इंडस्ट्री में मौजूद थीं और अगर गोविंदा और करिश्मा के बीच कुछ ऐसा होता, तो संभव है कि मुझे इसकी जानकारी मिलती। लेकिन मैंने ऐसी कोई बात नहीं सुनी। उस समय मैं खुद अपनी जिंदगी को समझने की कोशिश कर रही थीं।''

मंदाकिनी को सता रही मनाली की याद, बोलीं- 'कुछ जगहें दिल में बस जाती हैं'

विश्व केसरी

मुंबई। हिंदी फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मंदाकिनी भले ही अब फिल्मों में पहले की तरह सक्रिय नहीं हैं लेकिन सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं।

वह इंस्टाग्राम पर अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़े पल साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने मनाली की खूबसूरत वादियों का वीडियो शेयर किया और पहाड़ों में घूमने का अनुभव साझा किया।

मंदाकिनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मनाली से जुड़ा एक वीडियो साझा किया है। इसमें वह ब्लू कलर के कुर्ते और ब्लैक पैंट में नजर आ रही हैं। वीडियो में वह हरी-भरी वादियों के बीच घूमती दिखाई दे रही हैं। इस दौरान उन्होंने एक बकरी को पकड़ा हुआ हैं और मुस्कुराते हुए आगे बढ़ रही हैं। वीडियो में मनाली की प्राकृतिक खूबसूरती और वहां का शांत वातावरण भी देखने को मिल रहा है।

इस वीडियो के साथ मंदाकिनी ने मनाली में बिताए खूबसूरत दिनों को याद किया। उन्होंने बर्फ से ढके पहाड़ों, शानदार नजारों और प्रकृति की शांति के बीच दोबारा लौटने की इच्छा जताई। उन्होंने लिखा, ''मनाली में बिताए उन खूबसूरत दिनों की याद आ रही है। बर्फ से ढके पहाड़ों, शानदार नजारों और प्रकृति की शांत खूबसूरती के बीच दोबारा जाने का मन कर रहा है। कुछ जगहें सिर्फ यादें ही नहीं देतीं बल्कि हमारे दिल का एक हिस्सा भी अपने साथ जोड़ लेती हैं। जब तक हम दोबारा नहीं मिलते, मनाली... जल्द ही पहाड़ों में, प्रकृति के जादू के बीच फिर मुलाकात होगी। मंदाकिनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी चर्चित फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' के रिलीज को 41 साल पूरे होने पर खुशी जताई थी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इतने साल बीतने के बाद भी फिल्म को दर्शकों से मिलने वाला प्यार उनके लिए बेहद खास है।

रैपर बादशाह ने 'हसल' के कंटेस्टेंट को बताया परिवार, बोले- सभी की थोड़ी-थोड़ी यादें साथ लेकर जाऊंगा

विश्व केसरी

मुंबई। बादशाह ने हाल ही में रैप रियलिटी शो 'हसल 5 – अपना होमग्राउंड' में जज के तौर पर सफर खत्म कर लिया है। बादशाह ने बताया कि शो में जज बनने से पहले वह काफी हिचकिचा रहे थे, क्योंकि उनके दोस्तों और हिप-हॉप कम्युनिटी के कई लोगों को शो में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

बादशाह ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें शो में जज और कंटेस्टेंट के साथ बिताए गए यादगार पल शामिल हैं।

बादशाह ने इस पोस्ट के जरिए बताया कि शो का हिस्सा बनने से पहले उन्होंने कुछ शर्तें रखी थीं, जिनमें उन्होंने कलाकारों के लिए सही कॉन्ट्रैक्ट और विनर के लिए इतनी बड़ी प्राइज मनी की मांग की थी, जिससे किसी कंटेस्टेंट की जिंदगी बदल सके।

बादशाह ने लिखा, 'रैप रियलिटी शो 'हसल 5 – अपना होमग्राउंड' में जज बनने के लिए मेरी तरफ से पहले मना ही थी। क्योंकि पहले बहुत कुछ हो चुका था और मैं अपने दोस्तों, हिप-हॉप कम्युनिटी के साथ जो हुआ था, उसे नजरअंदाज नहीं कर सकता था। हालांकि, टीम की बात सुनने के बाद मुझे युवा कलाकारों के लिए एक अच्छा प्लेटफॉर्म बनाने की उनकी सच्ची लगन दिखी। इसी वजह से मैंने अपना फैसला बदल लिया था।'

उन्होंने आगे लिखा, 'क्योंकि टैलेंट को तालियों से ज्यादा मौकों, संसाधनों और ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो उस पर भरोसा करे। फिर मैं इन बच्चों से मिला। अजनबी चेहरे धीरे-धीरे जाने-पहचाने बन गए और फिर मुझे इनकी परवाह होने लगी, देखते ही देखते ये सब अब परिवार बन गए। उनका डर मेरी चिंता बन गया, छोटी-छोटी जीत में खुशी मिलने लगी।'

बादशाह ने बताया कि उन्होंने युवा कलाकारों को सिर्फ उन्हीं चीजों से बचाने की कोशिश की, जिससे बचा सकते थे। उन्होंने कहा, 'मैं जानता था कि वे पहले से ही अपने कंधों पर कितना कुछ लेकर चल रहे हैं और इसी क्रम में पता ही नहीं चला कि हम कब फिनाले तक पहुंच गए। जिंदगी अजीब है, कभी-कभी यह एक ऐसा दरवाजा खोल देती है, जिससे आप गुजरना भी नहीं चाहते थे और दूसरी तरफ आपको कुछ इतना खूबसूरत मिलता है कि आप सोचते हैं कि अगर आपने यह मौका कभी न लिया होता तो आप क्या कुछ मिस कर देते।

बिम्सटेक देशों के गृह मंत्रियों की बैठक में बांग्लादेश की भागीदारी तय

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से बिम्सटेक देशों के गृह मंत्रियों की बैठक इस सप्ताह होने जा रही है। बैठक में नेपाल की ओर से गृह मंत्री सुदन गुरुंग शामिल होने की खबर है, जबकि बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ सचिव मंजूर मोर्शेद चौधरी करेंगे।

द काठमांडू पोस्ट के अनुसार, गुरुंग तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। सत्ता संभालने के बाद उनकी ये पहली विदेश यात्रा है। नेपाल के गृह मंत्रालय के मुताबिक वो 12 अक्टूबर को नई दिल्ली पहुंचेंगे और विभिन्न मंत्री स्तरीय बैठकों का हिस्सा बनेंगे।

मीटिंग से जुड़े एक अधिकारी ने दैनिक को बताया कि बैठक में सदस्य देशों के बीच कई क्रॉस-कटिंग सिक्योरिटी मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि इन मुद्दों की सिफारिश बिम्सटेक के गृह सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की अलग-अलग तारीखों पर हुई बैठकों में की गई थी।

सिक्योरिटी कोऑपरेशन बिम्सटेक के रीजनल एजेंडा का एक जरूरी हिस्सा रहा है। अगस्त 2018 में काठमांडू में हुए चौथे शिखर सम्मेलन में, नेताओं ने लॉ एनफोर्समेंट, इंटेलिजेंस और सिक्योरिटी एजेंसियों के बीच सहयोग और समन्वय को मजबूत करने का अपना इरादा जाहिर किया था।

नेताओं ने काउंटरटेररिज्म और ट्रांसनेशनल क्राइम पर सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने के लिए बिम्सटेक गृह मंत्रियों की बैठक करने और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक जारी रखने का भी फैसला किया। नेपाली अधिकारियों के मुताबिक, मंत्रियों की बैठक से पहले बिम्सटेक गृह सचिव की बैठक होगी।

बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (बिम्सटेक) की बैठक 13 अक्टूबर को भारत में आयोजित की जा रही है। सात सदस्यों वाले क्षेत्रीय समूह के गृह मंत्रियों की यह पहली बैठक है। गृह मंत्रियों की मीटिंग 1997 में रीजनल ग्रुप बनने के बाद पहली बार हो रही है, और इसका आयोजन राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में किया गया है। वहीं, बांग्लादेश की ओर से मंजूर मोर्शेद चौधरी तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बांग्लादेश की न्यूज एजेंसी यूएनबी ने इसकी जानकारी दी। बैठक में सदस्य देशों के बीच आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबले और क्षेत्रीय सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

होर्मुज स्ट्रेट मार्ग ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा : उप-विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी

विश्व केसरी

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ईरान ने सख्त रुख अपनाया हुआ है। उप-विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा है कि यह जलमार्ग ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है। नियम उल्लंघन करने वाले जहाजों पर कार्रवाई होगी।

इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) के अनुसार, गरीबाबादी ने रविवार शाम दक्षिणी ईरान के होर्मोजगन प्रांत की राजधानी बंदर अब्बास में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि जब तक अमेरिका अपने वादों और प्रतिबद्धताओं पर वापस नहीं लौटता, तब तक ईरान इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा।

उन्होंने कहा, 'होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा है और अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार ईरान के पास सुरक्षित है।'

आईआरएनए के अनुसार, ईरान के नियंत्रण को लेकर हो रही आलोचनाओं को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि युद्ध शुरू होने के शुरुआती दिनों से लागू किए गए ये सुरक्षा उपाय आगे भी जारी रहेंगे।

उन्होंने ने कहा कि ये नियंत्रण तब तक लागू रहेंगे, जब तक मुख्य आक्रामक पक्ष अमेरिका यह नहीं समझ लेता कि सैन्य कार्रवाई कोई समाधान नहीं है और वह अपनी प्रतिबद्धताओं पर लौट नहीं आता।

आईआरएनए के अनुसार, उन्होंने बताया कि ईरान की ओर से घोषित नियमों को जलडमरूमध्य में सख्ती से लागू किया जा रहा है। इन नियमों के तहत युद्धपोतों के गुजरने पर रोक है, जबकि व्यावसायिक जहाज जरूरी समन्वय और अनुमति मिलने के बाद ही वहां से गुजर सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'फिलहाल कोई भी जहाज ईरान के साथ समन्वय किए बिना इस जलडमरूमध्य से नहीं गुजर सकता। जो जहाज ऐसा करने की कोशिश करेंगे, वे ईरान की ओर से घोषित नियमों का उल्लंघन करेंगे और हमारी सशस्त्र सेनाएं उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकती हैं।'

आईआरएनए के अनुसार, उप विदेश मंत्री ने होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही को लेकर ईरान और ओमान के बीच बनी एक सहमति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कानूनी और तकनीकी दृष्टि से यह समझौता महत्वपूर्ण और संतुलित है।

संक्षिप्त खबर

दक्षिण ऑस्ट्रेलिया स्टेट में पुलिसकर्मियों पर 25 प्रतिशत हमले बढ़े

विश्व केसरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण ऑस्ट्रेलिया राज्य में पुलिस अधिकारियों पर हमलों की घटनाओं में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि कई अन्य तरह के अपराधों में कमी आई है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 तक के 12 महीनों की अवधि में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमलों की संख्या 635 से बढ़कर 793 हो गई। यह लगातार 12वीं बार है जब इस तरह की घटनाओं में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। समाचार एजेंसी सि़न्हुआ के अनुसार, इस दौरान लूटपाट (रॉबरी) की घटनाओं में 13 प्रतिशत की कमी आई। इनकी संख्या 501 से घटकर 438 रह गई। पिछली रिपोर्टिंग अवधि में भी इसमें 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। हत्या और उससे जुड़े अपराधों की संख्या 53 से घटकर 42 हो गई, यानी इसमें 21 प्रतिशत की कमी आई। वहीं, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से चोरी की घटनाएं भी तीन प्रतिशत घटकर 21,757 रह गईं। हालांकि, घरों में चोरी के लिए घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं। आवासीय संपत्तियों में ऐसी घटनाएं 5,584 से बढ़कर 5,947 हो गईं, जबकि गैर-आवासीय इमारतों में घुसपैठ के मामले 3,391 से बढ़कर 3,513 दर्ज किए गए।

जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत, दो घायल

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सड़क हादसों की दो अलग-अलग घटनाओं में एक युवक और एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। बारामूला जिले के पट्टन इलाके में हैदरबेग के पास 10 सेक्टर के नजदीक एक डंपर की टक्कर लोड कैरियर गाड़ी से हो गई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई और उसके पिता घायल हो गए। डंपर ट्रक ने लोड कैरियर को टक्कर मारी, जिसे अनंतनाग जिले के बिजबेहरा के रहने वाले मुर्तजा शब्बीर भट चला रहे थे। हादसे में मुर्तजा और उनके पिता शब्बीर अहमद भट घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए ट्रॉमा हॉस्पिटल पट्टन ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मुर्तजा को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनके पिता को बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर के झेलम वैली कॉलेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। पुलिस पोस्ट पलहलन ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोमवार को हुई एक और सड़क दुर्घटना में अनंतनाग जिले के फुर्राह मीर बाजार इलाके में एक कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। इस टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान फरीदा अख्तर के तौर पर हुई है, वहीं उसका पति मोहम्मद अल्ताफ भट घायल हो गया। घायल को अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है। जम्मू-कश्मीर में सड़क दुर्घटनाएं सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक बड़ी समस्या हैं; इस केंद्र शासित प्रदेश में आबादी के अनुपात में मौत की दर राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी है।

रूस के सैन्य-औद्योगिक ढांचे को ईयू ने बनाया निशाना, 1600 नए प्रतिबंधों को मंजूरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने बताया कि ईयू ने रूसी आक्रामकता को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रूस पर नए कड़े प्रतिबंध लगाए हैं।

उन्होंने बताया कि ईयू के विदेश मंत्रियों ने रूस के ख़िलाफ लगभग 1,600 नए प्रतिबंधों को मंजूरी दी है। अब तक लगाए प्रतिबंधों में यह सबसे बड़ी कार्रवाई है।

कल्लास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश मंत्रियों ने रूस के सैन्य-औद्योगिक ढांचे को निशाना बनाते हुए लगभग 1,600 नए प्रतिबंधों को मंजूरी दी है। रूस की ओर से युद्ध शुरू किए जाने के बाद से यह प्रतिबंध सूची का अब तक का सबसे बड़ा विस्तार माना जा रहा है। यूरोप ने एक बार फिर दिखाया है कि वह इस मुद्दे पर एकजुट होकर खड़ा है।''

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, 'इन नए प्रतिबंधों में शामिल आधे से अधिक लोग, कंपनियां और संस्थाएं बैलिस्टिक मिसाइलों के उत्पादन और उनकी सप्लाई चेन से जुड़ी हुई हैं। इन कदमों का उद्देश्य रूस के लिए उन हथियारों का निर्माण करना अधिक कठिन, धीमा और महंगा बनाना है, जिनका इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में किया जा रहा है।''

ईयू की तरफ से रूस के खिलाफ की गई यह कार्रवाई अमेरिका के साथ हुए उसके डीजल समझौते के बाद की गई है। ईयू का मानना है कि अमेरिका की इस ढील के बाद रूस का व्यापार बढ़ेगा और इस कमाई का उपयोग वह यूक्रेन के खिलाफ अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाने में करेगा।

दरअसल, ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ तीन लाख टन से अधिक डीजल की आपूर्ति समझौता करने के बाद दुनिया में तेल की समस्या के लिए जेलेंस्की को जिम्मेदार ठहराया। सीबीएस न्यूज के अनुसार, ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की आलोचना की और रूस की डीजल रिफाइनरियों को निशाना बनाने पर नाराजगी जताई।

भारत और इटली आतंकवाद के खिलाफ मिलकर कर रहे हैं काम : इतालवी दूतावास की उप प्रमुख

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत स्थित इतालवी दूतावास की उप मिशन प्रमुख औरोरा रूसी के अनुसार इस समय दोनों देशों के संबंध बेहतरीन दौर में हैं। दोनों भविष्य में आतंकवाद से लेकर टैलेंट मोबिलिटी तक साथ मिलकर काम करने को तत्पर हैं। सोमवार को आईएएनएस से साक्षात्कार के दौरान उन्होंने अपने विचार रखे।

तीन प्रमुख बातों को केंद्र में रखते हुए उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को खास बताया। आतंकवाद को लेकर इटली के स्पष्ट रुख पर प्रकाश डालते हुए औरोरा ने कहा, 'इटली और भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मिलकर काम कर रहे हैं। हाल ही में हमने विदेश मंत्रालय और दोनों देशों की अन्य संस्थाओं के साथ इस विषय पर एक वर्किंग ग्रुप मीटिंग (कार्य समूह बैठक) की है। हमारा मानना है कि इसमें माइग्रेशन (प्रवासन) का एक पहलू भी है जिस पर सावधानी से नजर रखने की जरूरत है, इसलिए यह हमारे माइग्रेशन एंड मोबिलिटी एग्रीमेंट के तहत चर्चा का हिस्सा भी है।'

औरोरा ने भारतीय स्किल्ड वर्कर्स के लिए इटली में मौजूद अवसरों की बात भी कही। तकनीकी पक्ष की ओर ध्यान दिलाते हुए बोलीं, 'एक तरफ, इटली को बहुत स्पष्ट रूप से यह समझना होगा कि उसकी जरूरतें क्या हैं। हम जानते हैं कि हमारे यहां कुशल श्रमिकों की बड़ी मांग है। दूसरी तरफ, हम यहां भारत में जो कर सकते हैं, वह श्रमिकों को प्रशिक्षित करना हो सकता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उदाहरण के लिए, इतालवी भाषा को एक स्किलिंग कॉम्पिटेंसी (कौशल क्षमता) के रूप में शामिल करने का विचार है, जिस पर हम काम कर रहे हैं। हम भारत सरकार के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं ताकि एक बार जरूरतों का आकलन हो जाने के बाद कुशल कामगार पराए देश में जरूरतों के मुताबिक खुद को आसानी से ढालने में सहज हों।

यूपी में 60 हजार ग्राम प्रहरियों का बढ़ेगा मानदेय, सालाना 12 हजार की बढ़ोतरी

विश्व केसरी

लखनऊ। प्रदेश के करीब 60 हजार ग्राम प्रहरियों को योगी सरकार बड़ी सौगात देने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 13 अक्टूबर को बरेली में उनका मानदेय एक हजार रुपये प्रतिमाह बढ़ाने की घोषणा करेंगे। इससे ग्राम प्रहरियों का मासिक मानदेय 2500 से बढ़कर 3500 रुपये हो जाएगा। एकमुश्त 40 प्रतिशत की इस वृद्धि से प्रत्येक ग्राम प्रहरी को सालाना 12 हजार रुपये अतिरिक्त मिलेंगे। मुख्यमंत्री योगी बरेली पुलिस लाइन में ग्राम प्रहरियों को सम्मानित भी करेंगे।

हाल के महीनों में रसोइयों, आंगनबाड़ी कर्मियों और पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ाने के बाद अब सरकार ग्रामीण पुलिस व्यवस्था से जुड़े ग्राम प्रहरियों को आर्थिक राहत देने जा रही है। गृह विभाग से जुड़े ग्राम प्रहरी गांवों में पुलिस के सूचना तंत्र की अहम कड़ी हैं। स्थानीय थानों से संबद्ध ये प्रहरी ग्रामीण क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों, आपसी विवादों और कानून व्यवस्था से जुड़े सूचनाएं पुलिस तक पहुंचाते हैं।

गांवों और थानों के बीच संपर्क बनाए रखने वाले ग्राम प्रहरी लंबे समय से मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रस्तावित घोषणा से उनकी यह मांग पूरी होने की उम्मीद है। प्रदेश में इनकी अनुमानित संख्या 60 हजार है। इस आधार पर मानदेय में बढ़ोतरी से सरकार पर प्रतिमाह करीब सात करोड़ और सालाना 84 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा। इसके लिए अनुपूरक बजट में धनराशि का प्रावधान किए जाने की संभावना है।

योगी सरकार ने हाल के महीनों में मानदेय पर कार्यरत विभिन्न वर्गों की आय बढ़ाने के निर्णय लिए हैं। परिषदीय विद्यालयों में मध्याह्न भोजन तैयार करने वाली करीब 3.53 लाख रसोइयों का मानदेय 2000 से बढ़ाकर 3000 रुपये प्रतिमाह किया गया है।

जमशेदपुर में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प, पथराव में 10 से अधिक घायल

विश्व केसरी

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर में सोमवार को बिष्टुपुर स्थित कांग्रेस मुख्यालय (तिलक पुस्तकालय) के बाहर जेएनयू प्रकरण को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई।

दोनों पक्षों के बीच हुए पथराव और मारपीट में 10 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार और कांग्रेस के एक उपाध्यक्ष शामिल हैं। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। भाजपा महानगर महिला मोर्चा ने मणिपुर से कांग्रेस सांसद एवं पूर्व प्रोफेसर डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोईजाम के खिलाफ कार्रवाई, गिरफ्तारी और बर्खास्तगी की मांग को लेकर कांग्रेस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन का कार्यक्रम तय किया था।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, भाजपा कार्यकर्ताओं को सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे बिष्टुपुर के जी टाउन क्लब मैदान में एकत्र होकर, जहां से वे मार्च निकालते हुए कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। कांग्रेस मुख्यालय के सामने पहुंचते ही दोनों दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। पहले नारेबाजी हुई और फिर तीखी नोकझोंक के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ से लाठी-डंडे और पत्थर चलने लगे। इस अचानक हुए संघर्ष में दोनों पक्षों के कई लोग लहूलुहान हो गए।

हालांकि, झड़प की शुरुआत किस पक्ष से हुई, इसकी स्पष्ट जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत हरकत में आई।

देश में अराजकता फैलाने सोची- समझी साजिश: फडणवीस

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को विपक्ष और एक्टिविस्ट समूहों पर तीखा हमला किया और प्रदर्शनकारियों से मिलने से इनकार करने के भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के फैसले का बचाव किया।

मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने विपक्षी पार्टियों और संगठनों पर भारत की मुख्य संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और अल्ट्रा-लेफ्टिस्ट किस्म की अराजकता फैलाने की सोची-समझी साजिश रचने का आरोप लगाया।

प्रदर्शनकारियों से मिलने से सीजेआई के इनकार का बचाव करते हुए सीएम फडणवीस ने पूछा कि किस संविधान में लिखा है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को प्रदर्शनकारियों और मार्च करने वालों से मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीजेआई ने अपने संवैधानिक अधिकारों के दायरे में रहकर काम किया और न्यायपालिका के इस रुख की तारीफ की कि शिकायतों का समाधान कानूनी तौर पर अदालतों के अंदर होना चाहिए, न कि सड़कों पर दबाव बनाकर।

उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र के स्वतंत्र स्तंभों, जैसे सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश चल रही है। उन्होंने कहा कि इन समूहों का अंतिम लक्ष्य नागरिकों को यह यकीन दिलाना है कि संवैधानिक ढांचे न्याय नहीं दिला सकते। हाल के प्रदर्शनों पर फडणवीस ने कानूनी लोकतांत्रिक विरोध और अराजकता के बीच फर्क बताया। उन्होंने उन घटनाओं की ओर इशारा किया जहां भीड़ ने भड़काऊ नारेबाजी करके हदें पार कीं। उन्होंने कहा कि जब आपराधिक रिकॉर्ड वाले हजारों लोग सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए इकट्ठा होते हैं।

तो यह शांतिपूर्ण विरोध नहीं बल्कि पूरी तरह से अराजकता होती है। मौजूदा विरोध प्रदर्शनों की तुलना रचनात्मक लोकतांत्रिक बातचीत से करते हुए फडणवीस ने कहा कि उनका प्रशासन किसी से भी बातचीत करने को तैयार है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री मान के ओएसडी से जुड़ी सीबीआई जांच पर रोक लगाने से किया इनकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी (विशेष ड्यूटी पर तैनात अधिकारी) राजबीर घुमन और अन्य लोगों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के मामले में सीबीआई की एफआईआर पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन साथ ही यह निर्देश दिया कि इस मामले में कोई कठोर कार्रवाई न की जाए।

जस्टिस एम.एम. सुंदेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच ने पंजाब सरकार की उस याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें सीबीआई को मामला दर्ज करने और आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि राज्य सरकार को जांच में सहयोग करना चाहिए।

पंजाब सरकार ने हाई कोर्ट के 5 अक्टूबर के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें सीबीआई को भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच अपने हाथ में लेने का निर्देश दिया गया था। ये आरोप एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) द्वारा पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव को लिखे गए तीन पत्रों से जुड़े थे। हाई कोर्ट ने सीबीआई को मामला दर्ज करने और दो महीने के भीतर स्टेटस रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था, साथ ही पंजाब सरकार और पुलिस से केंद्रीय जांच एजेंसी को पूरा सहयोग देने को भी कहा था।

ईडी ने दावा किया था कि घुमन और उनके सहयोगी नितिन गोहल और बीर देविंदर प्रशासनिक ट्रांसफर और पोस्टिंग के साथ-साथ सरकारी टेंडर में भी दखल दे रहे थे और ईडी ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी खेल 2026 का रंगारंग उद्घाटन

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद। ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी प्रदर्शन खेल 2026 का आयोजन सोमवार को वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नारणपुरा में किया गया। इस कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों, विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडलों, खिलाड़ियों, खेल विशेषज्ञों, तकनीकी अधिकारियों और सहयोगी संस्थानों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य ब्रिक्स देशों की खेल विरासत, सांस्कृतिक विविधता और लोगों के बीच आपसी संबंधों का उत्सव मनाना था।

खेलों का उद्घाटन करते हुए, केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत भविष्य के लिए तैयार खेल इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करके खेल को राष्ट्र-निर्माण के केंद्र में रख रहा है। केंद्रीय मंत्री ने गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। 10 ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों और अन्य उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, केंद्रीय खेल मंत्री ने एक खेल-प्रेमी राष्ट्र बनाने की भारत की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, 'भारत खेल को राष्ट्र-निर्माण के केंद्र में रख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत खेल के मैदान से लेकर पोडियम (जीत के मंच) तक अवसर पैदा करके अपने खेल इकोसिस्टम को बदल रहा है। डॉ. मांडविया ने कहा, 'जमीनी स्तर पर भागीदारी, प्रतिभा की पहचान, कोचिंग, खेल विज्ञान, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, खिलाड़ियों के कल्याण और अंतरराष्ट्रीय अनुभव जैसे व्यापक 360-डिग्री दृष्टिकोण के साथ, भारत भविष्य के लिए एक टिकाऊ खेल इकोसिस्टम बना रहा है। इस बदलाव को समर्थन देने के लिए, हमने अपनी 'खेलो इंडिया' पहल के तहत लगभग 3.76 बिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि आवंटित की है।'

डॉ. मांडविया ने पारंपरिक और स्थानीय खेलों को बचाने और बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग के तीन व्यावहारिक क्षेत्रों का प्रस्ताव रखते हुए कहा, 'ब्रिक्स के पारंपरिक और स्थानीय खेल न केवल यह दिखाने का मंच प्रदान करते हैं कि कोई खेल कैसे खेला जाता है, बल्कि उस इतिहास, मूल्यों और सांस्कृतिक संदर्भ को भी उजागर करते हैं जो हर परंपरा को अनूठा बनाते हैं। इस पहल को आगे बढ़ाते हुए, भारत सहयोग के तीन व्यावहारिक क्षेत्रों का प्रस्ताव करता है। पहला, हमें पारंपरिक और स्थानीय खेलों का एक स्वैच्छिक ब्रिक्स रिपॉजिटरी (संग्रह) बनाने की दिशा में काम करना चाहिए, जिसमें उनके इतिहास, सांस्कृतिक महत्व, नियमों, उपकरणों और खेल के मैदान की आवश्यकताओं का दस्तावेजीकरण किया जाए। दूसरा, हमें ब्रिक्स देशों के खिलाड़ियों, कोचों, शोधकर्ताओं, शिक्षण संस्थानों और सांस्कृतिक विशेषज्ञों के बीच आपसी आदान-प्रदान को बढ़ावा देना चाहिए।

तीसरा, हमें भविष्य में होने वाले ब्रिक्स खेल आयोजनों में पारंपरिक और स्थानीय खेलों के समय-समय पर प्रदर्शन की संभावनाओं पर विचार करना चाहिए।'

डॉ. मांडविया ने आगे बताया कि कैसे भारत 'फिट इंडिया मूवमेंट' के जरिए खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने की दिशा में बड़े कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा, 'फिट इंडिया मूवमेंट के जरिए हम फिटनेस को जीवन शैली के रूप में बढ़ावा दे रहे हैं। हमारे 'संडे ऑन साइकिल' अभियान को जबरदस्त सफलता मिली है, जिसमें हर रविवार 3 लाख से ज्यादा जगहों पर 50 लाख से अधिक लोग साइकिलिंग के लिए आते हैं। अब तक पूरे भारत में 'संडे ऑन साइकिल' के 94 आयोजन हो चुके हैं।

मेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने के इरादे से उतरेगा भारत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 का आयोजन पंजाब में 27 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच होगा, जिसमें आठ संस्करणों में पांच खिताब जीतकर मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष टीम अपना छठा खिताब जीतने की कोशिश करेगी।

जालंधर और मोहाली में खेले जाने वाले एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के नौवें संस्करण में भारत इस साल की शुरुआत में एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक सफलतापूर्वक बचाने के बाद अपना दबदबा बनाए रखने की कोशिश करेगा।

साल 2011 में पहले संस्करण को जीतने के बाद से, भारत ने अलग-अलग परिस्थितियों में महाद्वीपीय खिताब जीता है, जिसमें शूटआउट में जीत, फाइनल में करीबी जीत, संयुक्त चैंपियनशिप और घरेलू मैदान पर मलेशिया के खिलाफ वापसी शामिल हैं।

भारत ने चीन के ओर्डोस में खेले गए पहले संस्करण को अपने नाम किया था, जहां फाइनल में उनसे अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को शूटआउट में 4-2 से हराया। रेगुलेशन समय में फाइनल गोल-रहित रहने के बाद यह जीत मिली थी। इस जीत ने भारत को टूर्नामेंट का पहला चैंपियन बनाया, जिसमें छह टीमें शामिल थीं।

पांच साल बाद, भारत ने मलेशिया के कुआंटन में साल 2016 के फाइनल में पाकिस्तान को 3-2 से मात देकर अपना दूसरा खिताब जीता। हालांकि, ओमान के मस्कट में 2018 के संस्करण का नतीजा अलग रहा। भारत और पाकिस्तान फाइनल में पहुंचे, लेकिन लगातार बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो सका, जिसके परिणामस्वरूप दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। संयुक्त खिताब के साथ भारत के खिताबों की संख्या तीन हो गईं।

साल 2023 में भारत चौथी बार विजेता बना। चेन्नई में खेले गए फाइनल में भारत ने मलेशिया के खिलाफ हाफ-टाइम में 1-3 से पिछड़ने के बाद वापसी करते 4-3 से जीत दर्ज की। इसी के साथ भारत ने अपना चौथा खिताब जीता और इस टूर्नामेंट की सबसे सफल देश बना। साल 2024 में भारत ने चीन के हुलुनबुइर में अपना रिकॉर्ड और बेहतर किया। मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस पर भारत ने मेजबान देश के खिलाफ 1-0 की जीत दर्ज की थी।

वेस्टइंडीज के पास मेरे लिए एक योजना थी: अभिषेक शर्मा

विश्व केसरी ■

इंदौर। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बताया कि वेस्टइंडीज के ऑफ स्पिनर रोस्टन चेज के खिलाफ उनकी धीमी और सावधानी भरी शुरुआत पहले से बनाई गई रणनीति का हिस्सा थी। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज ने उनके लिए खास योजनाएं तैयार की थीं, इसलिए शुरुआत में जोखिम लेने के बजाय उन्होंने परिस्थितियों को समझने और गेंदबाजों को परखने पर ध्यान दिया।

इसके बाद जब वह लय में आ गए, तो अभिषेक ने अपने स्वाभाविक आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और होल्कर स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच के पावरप्ले के दौरान बड़े शॉट्स लगाए। अभिषेक ने 30 गेंदों में 69 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें उन्होंने 18 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की। यह भारत की शुरुआती स्थिति के बिल्कुल उलट था - पहले दो ओवरों में केवल 11 रन बने थे और संजू सैमसन जल्दी आउट हो गए थे। अभिषेक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, 'मेरे दिमाग में यह बात थी कि उनके पास मेरे खिलाफ एक योजना थी। जाहिर है कि पहले ओवर में एक ऑफ-स्पिनर (रोस्टन चेज) ने गेंदबाजी की। इसी कारण यह बस मेरे और उनके बीच की लड़ाई थी। मैंने पहले ओवर में उनका सम्मान किया क्योंकि मुझे लगता है कि वह इस सीरीज में वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।

ला लीगा: 2-2 वैलेंसिया और रेसिंग सैंटेंडर के बीच मैच ड्रॉ रहा

विश्व केसरी ■

सैंटेंडर। वैलेंसिया सीएफ ने ला लीगा के मैचडे 8 में रियल रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। इस मुकाबले में वैलेंसिया के लिए दानी राबा और डेविड ओटोरबी ने गोल किए।

वैलेंसिया ने मैच की शानदार शुरुआत की और मुकाबला शुरू होने के एक मिनट के भीतर ही बढ़त हासिल कर ली। जेवियर एगुइरे की टीम के लिए दानी राबा ने हाल ही में प्रमोट हुई रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ शुरुआती गोल दागा। हालांकि, मेजबान टीम ने 32वें मिनट में वापसी की। इनिगो विसेंट ने शानदार मूव बनाते हुए यासिर जबिरी को गोल करने का मौका दिया, जिसे उन्होंने भुनाकर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, वैलेंसिया के युवा सब्स्टीट्यूट डेविड ओटोरबी ने 65वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को 2-2 से ड्रॉ दिलाया।

एक अन्य मैच में इस्को ने दो गोल किए और रियल बेटिस ने अपने घरेलू मैदान पर ओसासुना को 5-2 से हराया, जिससे वे ला लीगा में तीसरे स्थान पर पहुंच गए और टॉप पर चल रही बार्सिलोना से पांच अंक पीछे हैं। ओसासुना के डिफेंडर उनाई सैंटोस के फाउल करने के बाद इस्को ने दसवें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल करके खाता खोला, और 31वें मिनट में कुचो हर्नांडेज की मदद से एज अब्दे ने बेटिस की बढ़त को दोगुना कर दिया।

हाफ टाइम के तीन मिनट बाद बेटिस 3-0 से आगे हो गई जब एंटे बुदिमिर का क्लीयरेंस का प्रयास डिएगो लोरेंटे से टकराकर नेट में चला गया, लेकिन बुदिमिर और बेटिस के पूर्व फॉरवर्ड राउल गार्सिया के तेज गोल ने ओसासुना को मुकाबले में वापस ला दिया। इस्को ने मैच में अपना दूसरा गोल करके बेटिस की दो गोल की बढ़त को फिर से कायम किया, जिसके बाद डेब्यू करने वाले जोस एंटोनियो मोरांटे ने स्टॉपेज टाइम में स्कोरिंग पूरी की। दूसरी ओर, रियल सोसिदाद ने दूसरे हाफ में डेपोर्टिवो ला कोरुना की जबरदस्त वापसी की कोशिश को नाकाम करते हुए अपने घरेलू मैदान पर 3-2 से जीत हासिल की, जबकि मैच के आखिर में उनके पास दस खिलाड़ी ही बचे थे।

टीम को शुरुआती बढ़त जॉन मार्टिन ने दिलाई, जिन्होंने कार्लोस सोलर के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर गोल किया। इसके बाद आर्सेन जखार्यान ने 34वें मिनट में गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। सोसिदाद ने अपनी बढ़त और मजबूत कर ली जब गोंकालो गुएडेस ने हाफवे लाइन से शानदार दौड़ लगाते हुए बाएं पैर से बेहतरीन गोल दागा और स्कोर 3-0 कर दिया। हालांकि, डेपोर्टिवो ने हार नहीं मानी और वापसी की कोशिश जारी रखी। मारियो सोरियानो ने 61वें मिनट में गोल कर डेपोर्टिवो का खाता खोला। इसके चार मिनट बाद सोसिदाद को बड़ा झटका लगा, जब पाब्लो मारिन को बिल एन'सोंगो को गोल करने का स्पष्ट मौका रोकने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। डेपोर्टिवो को इसके बाद पेनल्टी मिली, जिसे येरेमे हर्नांडेज ने गोल में बदलकर अंतर 3-2 कर दिया।

'सानिया मिर्जा एक लेजेंड खिलाड़ी और मेरी आदर्श हैं': माया राजेश्वरन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की युवा टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती का मानना है कि उनका पहला प्रोफेशनल सिंगल्स खिताब सीनियर सर्किट में उनके सफर की बस शुरुआत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी सानिया मिर्जा से आगे निकलने का सवाल ही नहीं उठता, जिन्हें वह अपना आदर्श मानती हैं।

17 साल की माया ने नाइजीरिया में डब्ल्यू35 लागोस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रोफेशनल सर्किट में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने यूक्रेन की येलीजावेता कोट्लियार के साथ मिलकर डबल्स का खिताब जीता और फिर मेन ड्रॉ में बिना कोई सेट गंवाए सिंगल्स का खिताब भी अपने नाम किया। 17 वर्षीय माया ने फाइनल में स्पेन की सेलिया सर्विनो रुइज को 6-4, 6-2 से हराया और डब्ल्यू35 सिंगल्स खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय महिला बनीं। इस जीत के साथ उन्होंने सानिया मिर्जा के 22 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

भारत की सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में से एक सानिया से आगे निकलने के बारे में पूछे जाने पर माया ने तुरंत इस तुलना को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने अगली पीढ़ी के लिए कितनी बड़ी विरासत छोड़ी है। मीडिया के साथ एक वर्चुअल बातचीत के दौरान माया ने 'आईएएनएस' से ??कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आप असल में उनसे आगे निकल सकते हैं, क्योंकि वह एक लेजेंड हैं और हमेशा लेजेंड ही रहेंगी। इसलिए मुझे लगता है कि मैं कई मायनों में उन्हें अपना आदर्श मानती हूं, क्योंकि जब मैं देश में बड़ी हो रही थी, तब वह मेरी आदर्श थीं। उन्होंने ही इतने वर्षों बाद देश में टेनिस को पहचान दिलाई है। इंटरव्यू और पॉडकास्ट के जरिए सानिया के सफर को देखने वालीं माया ने कहा कि उन्होंने इस टेनिस आइकन के साथ ज्यादा बातचीत तो नहीं की है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह उनके अनुभव से सीख पाएंगी। उन्होंने कहा, हालांकि, मैंने उनसे ज्यादा बात नहीं की है।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने सैन्य खिलाड़ियों को किया सम्मानित

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने सोमवार को एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले सेना के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों, अनुशासन और मेहनत की सराहना की। सेना का लक्ष्य युवा प्रतिभाओं को सही प्रशिक्षण और बेहतर सुविधाएं देकर अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करना है, ताकि वे ओलंपिक में भी देश के लिए पदक जीत सकें।

गौरतलब है कि भारतीय सेना के खिलाड़ियों ने एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 20 पदक अपने नाम किए। इनमें 6 स्वर्ण, 8 रजत और 6 कांस्य पदक शामिल हैं। सेना के खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन ने एशियाई खेलों में भारत के कुल 85 पदकों में करीब 24 प्रतिशत योगदान दिया। अब भारतीय सेना अपना ध्यान लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारियों पर केंद्रित कर रही है।

सेना के मुताबिक, इन खेलों में कुछ खिलाड़ियों ने ऐसी उपलब्धियां हासिल कीं, जिन्होंने भारतीय खेल जगत में नए कीर्तिमान स्थापित किए। नायब सूबेदार नीरू ढांडा ने दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वह एशियाई खेलों में महिलाओं की ट्रैप निशानेबाजी में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। एथलेटिक्स में नायब सूबेदार गुलवीर सिंह ने तीन व्यक्तिगत पदक जीते।

वहीं, हवलदार सावन बरवाल ने मैराथन में रजत पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि के साथ भारत का इस स्पर्धा में पदक जीतने का 44 साल का इंतजार समाप्त हुआ। हवलदार अंकुश ने भी स्वर्ण पदक जीतकर सेना की प्रतिभा तलाशने और खिलाड़ियों को तैयार करने की व्यवस्था की सफलता को सामने रखा। सेना के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन केवल एशियाई खेलों तक सीमित नहीं रहा। वर्ष 2026 में ग्लासगो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया था। वहां सेना के खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण, 7 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 16 पदक जीते थे। यह भारत के कुल पदकों का 41 प्रतिशत था। दो बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन सेना की खेल प्रशिक्षण व्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है।

दरअसल, सेना की मिशन ओलंपिक शाखा खिलाड़ियों को तैयार करने का काम कर रही है। इस व्यवस्था के तहत खिलाड़ियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की मदद, खेल विज्ञान, आधुनिक तकनीक, संतुलित पोषण, चोटों से बचाव और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अवसर दिए जाते हैं। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों की क्षमता को निखारना और उन्हें विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है।

भारतीय सेना ने अब लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 को अपने खेल कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य बनाया है। राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में मिली सफलता के बाद खिलाड़ियों की व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण, प्रदर्शन में सुधार, वैज्ञानिक तैयारी और भविष्य के पदक विजेताओं की नई पीढ़ी तैयार करने पर जोर दिया जाएगा।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने विश्वास जताया कि सेना के खिलाड़ी अपने दृढ़ संकल्प, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर आगे भी देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे। भारतीय सेना का लक्ष्य खेल प्रतिभाओं को निखारना, अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैंपियन तैयार करना और भारत को विश्व की अग्रणी खेल शक्तियों में शामिल करने के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

रणजी ट्रॉफी: रवींद्र जडेजा का चला बल्ला, सौराष्ट्र के लिए लगाया शतक, रिंकू ने भी बिखेरा जलवा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन की शुरुआत रवींद्र जडेजा ने सौराष्ट्र की ओर से खेलते हुए शानदार अंदाज में की है। जडेजा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। वहीं, उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलते हुए रिंकू सिंह ने भी शतक लगाया।

जडेजा ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेलते हुए 209 गेंदों का सामना करते हुए 102 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 चौके लगाए। जडेजा जब बल्लेबाजी करने उतरे, तो सौराष्ट्र का स्कोर 3 विकेट खोकर 120 रन था। उन्होंने चौथे विकेट के लिए चिराग जानी के साथ मिलकर 31 रनों की साझेदारी निभाई।

चिराग के आउट होने के बाद प्रेरक मांकड़ के रूप में जडेजा को अच्छा जोड़ीदार मिला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 205 रनों की बेहतरीन साझेदारी निभाई। प्रेरक ने 150 गेंदों का सामना करते हुए 129 रनों की बेहतरीन पारी खेली। जडेजा और प्रेरक की शतकीय पारी की बदौलत सौराष्ट्र की टीम 392 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। चिराग जानी ने 83 रनों का योगदान दिया।

वहीं, बिहार के खिलाफ उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलते हुए रिंकू सिंह ने भी शतकीय पारी खेली। रिंकू ने 168 गेंदों में 112 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 8 चौके और 3 छक्के लगाए। रिंकू ने माधव कौशिक के साथ मिलकर 312 गेंदों में 207 रनों की साझेदारी निभाई। माधव ने भी 150 रनों की दमदार पारी खेली। बड़ौदा की तरफ से खेलते हुए दीपक हुड्डा ने गोवा के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 98 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 52 रन बनाए।

हालांकि, राजस्थान की ओर से खेलते हुए मानव सुथार बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 17 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हैदराबाद की तरफ से खेलते हुए मोहम्मद सिराज त्रिपुरा के खिलाफ पहली पारी में कोई विकेट नहीं चटका सके। रविवार को कर्नाटक की ओर से खेलते हुए केएल राहुल बल्ले से फ्लॉप रहे थे और वह सिर्फ 4 रन ही बना सके थे, जबकि मुंबई के लिए खेलते हुए यशस्वी जायसवाल भी बिना खाता खोले पवेलियन लौटे थे।

भारत बन रहा वैश्विक आर्थिक शक्ति का नया केंद्र, एआई और बदलते पूंजी प्रवाह से बढ़ेंगे अवसरः रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर पूंजी प्रवाह में बदलाव, भू-राजनीतिक आधार पर बंटते व्यापार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत विकास की बाधाओं को पीछे छोड़ते हुए बहुध्रुवीय दुनिया में एक प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। सोमवार को जारी ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में पूंजी प्रवाह, व्यापारिक रिश्तों और उद्योगों की संरचना तेजी से बदल रही है। एआई क्रांति शुरू हो चुकी है, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का विस्तार नए निर्यात अवसर पैदा कर रहा है और शहरीकरण की गति लगातार बढ़ रही है।

ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स के मुख्य अर्थशास्त्री टॉम ऑर्लिक ने कहा कि इन सभी बदलावों के बीच भारत विकास में मौजूद कई बाधाओं को कम करते हुए वैश्विक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत का विस्तार होता मुक्त व्यापार नेटवर्क 2035 तक देश की जीडीपी में 140 अरब डॉलर से 170 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त योगदान दे सकता है। विनिर्माण लागत कम करने और कृषि क्षेत्र से श्रमिकों को अधिक उत्पादक क्षेत्रों में स्थानांतरित करने जैसे घरेलू सुधार इन लाभों को और बढ़ा सकते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि वैश्विक पूंजी प्रवाह अब पहले की तुलना में अधिक केंद्रित और राजनीतिक होता जा रहा है। प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच पूंजी निवेश मित्र देशों की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत कम है, जबकि निवेश का बड़ा हिस्सा एआई और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों की ओर बढ़ रहा है।

भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह अमेरिकी तकनीकी क्षेत्र की मजबूत मांग और विभिन्न देशों द्वारा दिए जा रहे निवेश प्रोत्साहनों के बीच वैश्विक पूंजी को आकर्षित करने की अपनी गति बनाए रखे।

रिपोर्ट के मुताबिक, एआई भारत की आर्थिक वृद्धि दर में हर साल 0.9 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बढ़ोतरी कर सकता है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है।

हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बुनियादी ढांचे की सीमाएं एआई से मिलने वाले लाभ को कुछ हद तक सीमित कर सकती हैं। विशेष रूप से भारत का आईटी सेवा क्षेत्र अवसरों और चुनौतियों दोनों का सामना करेगा। एआई जहां कंपनियों को उच्च मूल्य वाली सेवाओं की ओर ले जा सकता है, वहीं स्वचालन कम लागत वाले श्रम आधारित मॉडल को चुनौती भी दे सकता है।

रिपोर्ट में भारत के शहरीकरण को भी एक बड़ी ताकत बताया गया है। इसके अनुसार, करीब 82 करोड़ भारतीय शहरी वातावरण में रहते हैं। यदि नगर प्रशासन, बुनियादी ढांचे और भूमि उपयोग योजना को और मजबूत किया जाता है, तो यह शहरी आबादी उत्पादकता वृद्धि का एक बड़ा स्रोत बन सकती है।

केंद्र सरकार का राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बड़ा निर्देश, अस्पतालों में इलाज के शुल्क प्रमुखता से किए जाएं प्रदर्शित

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि अस्पताल और अन्य क्लिनिकल प्रतिष्ठान अपनी सेवाओं और सुविधाओं के लिए लिए जाने वाले शुल्क को प्रमुखता से प्रदर्शित करें। इस कदम का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और मरीज-केंद्रित व्यवस्था को मजबूत करना है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा है कि संबंधित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और इलाज व स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े शुल्क की जानकारी मरीजों और उनके परिजनों को आसानी से दिखाई और उपलब्ध हो।

मंत्रालय के अनुसार, उपचार शुल्क की स्पष्ट जानकारी मिलने से मरीज और उनके परिवार इलाज पर होने वाले संभावित खर्च को पहले से समझ सकेंगे। इससे उन्हें बेहतर वित्तीय योजना बनाने और सूचित निर्णय लेने में मदद मिलेगी। साथ ही बिलिंग को लेकर होने वाले भ्रम और विवाद भी कम होंगे तथा स्वास्थ्य व्यवस्था के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ेगा।

मंत्रालय ने कहा कि यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक पारदर्शी और मरीजों के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पत्र में क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2010 और क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (सेंट्रल गवर्नमेंट) रूल्स, 2012 का उल्लेख किया गया है। इन नियमों के तहत संबंधित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में क्लिनिकल प्रतिष्ठानों को अपनी सभी सेवाओं और सुविधाओं की दरें प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना अनिवार्य है। शुल्क सूची अंग्रेजी के साथ-साथ स्थानीय भाषा में भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि मरीजों और उनके परिजनों को जानकारी आसानी से समझ में आ सके।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि जिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में केंद्रीय कानून लागू नहीं है, वहां भी स्वास्थ्य सुविधाओं का नियमन राज्य स्तर के नियमों के तहत किया जाता है और उनमें से कई नियमों में भी सेवा शुल्क प्रदर्शित करने के प्रावधान मौजूद हैं।

स्वास्थ्य सचिव ने याद दिलाया कि स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए इन नियमों को लागू करने और अनुपालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की है। मंत्रालय ने विदेशी मरीजों के लिए भी अधिक पारदर्शिता पर जोर दिया है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा गया है कि वे अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों को मेडिकल वीजा और आयुष वीजा पर भारत आने वाले मरीजों के लिए उपलब्ध पैकेज दरों को प्रमुखता से प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करें।

हर मिनट 4 महिलाओं को हो रहा ब्रेस्ट कैंसर, बचाव के लिए रोजमर्रा की इन आदतों में करें सुधार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ब्रेस्ट कैंसर आज दुनियाभर में महिलाओं की सेहत से जुड़ी एक बड़ी चिंता बन चुका है। हर मिनट 4 महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का पता चलता है जबकि हर मिनट एक महिला की इस बीमारी से मौत हो जाती है। इस बीमारी के मामले लगातार लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। यही वजह है कि अक्टूबर को ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता महीने के रूप में मनाया जाता है, ताकि लोगों को इस बीमारी के जोखिम, बचाव और समय पर पहचान के महत्व के बारे में बताया जा सके।

इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील की है। ब्रेस्ट कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसमें स्तन की असामान्य कोशिकाएं तेजी से बढ़ने लगती हैं और धीरे-धीरे ट्यूमर का रूप ले सकती हैं। इसकी शुरुआत आमतौर पर दूध बनाने वाले लोब्यूल्स या दूध की नलिकाओं से होती है। अगर समय रहते बीमारी की पहचान और इलाज न हो, तो कैंसर आसपास के ऊतकों, लिम्फ नोड्स और शरीर के दूसरे अंगों तक फैल सकता है। ऐसी स्थिति में बीमारी गंभीर और जानलेवा हो सकती है।

हालांकि, अच्छी बात यह है कि अगर ब्रेस्ट कैंसर का शुरुआती चरण में पता चल जाए, तो इलाज के बेहतर नतीजे मिलने और मरीज के जीवित रहने की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए शरीर में होने वाले बदलावों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 में दुनियाभर में अनुमानित 24 लाख महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का पता चला और करीब 6 लाख 94 हजार महिलाओं की मौत इस बीमारी के कारण हुई। ब्रेस्ट कैंसर दुनिया के लगभग हर देश में महिलाओं को प्रभावित करता है। उम्र बढ़ने के साथ इसका जोखिम भी बढ़ता जाता है।

अस्पताल के इलाज का खर्च प्रमुखता से प्रदर्शित करें, केंद्र ने सभी राज्यों को दिए निर्देश

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पारदर्शिता, जवाबदेही और मरीज केंद्रित हेल्थकेयर सेवा को बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे क्लिनिकल संस्थानों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं के लिए ली जाने वाली दरों को साफ तौर पर प्रदर्शित करें।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे एक पत्र में लागू नियमों के पालन की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने को कहा है कि हेल्थकेयर सेवाओं के चार्ज की जानकारी मरीजों और उनके साथ आए लोगों को साफ तौर पर दिखे और आसानी से मिल सके।

हेल्थकेयर की कीमतों में पारदर्शिता के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि कीमतों को साफ तौर पर दिखाने से मरीजों और उनके परिवारों को इलाज के संभावित खर्च को समझने, हेल्थकेयर से जुड़े सही फैसले लेने और अपने मेडिकल खर्च की योजना बनाने में मदद मिलेगी। अधिक पारदर्शिता से अनावश्यक कन्फ्यूजन और बिलिंग से जुड़े विवादों को कम करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही, हेल्थकेयर सिस्टम में भरोसा और विश्वास भी बढ़ेगा।

यह पत्र 'क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2010' और 'क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स (सेंट्रल गवर्नमेंट) रूल्स, 2012' का जिक्र करता है, जो क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स के लिए रेगुलेटरी फ्रेमवर्क (नियम-कानून का ढांचा) तय करते हैं। इन नियमों के तहत, जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह एक्ट लागू है, वहां क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स को मरीजों और उनके साथ आने वाले लोगों की सुविधा के लिए दी जाने वाली हर तरह की सर्विस और उपलब्ध सुविधाओं के रेट्स (दरें) एक ऐसी जगह पर दिखाने होंगे जो आसानी से दिखाई दे। ये कीमतें स्थानीय भाषा और अंग्रेजी में होनी चाहिए।

जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह एक्ट लागू नहीं है, वहां क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स को संबंधित राज्य और केंद्रशासित प्रदेश के नियमों के तहत रेगुलेट किया जाता है। इनमें से कई नियमों में हेल्थकेयर सर्विसेज और सुविधाओं के रेट्स दिखाने से जुड़े प्रावधान भी शामिल हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने मुख्य सचिवों से कहा है कि वे संबंधित अधिकारियों के जरिए नियमों का असरदार तरीके से पालन सुनिश्चित करें।

रोज करें गोमुखासन, कंधे-पीठ के दर्द से मिलेगी राहत, फेफड़े होंगे मजबूत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को स्वस्थ और तनावमुक्त रखने के लिए योग करना एक अच्छा विकल्प है। योग के विभिन्न आसनों में गोमुखासन शरीर को लचीला और मांसपेशियों को मजबूत रखने में मदद करता है।

गोमुखासन नाम दो शब्दों से मिलकर बना है- 'गो' यानी गाय और 'मुख' यानी मुंह। इस आसन को करते समय शरीर की आकृति गाय के मुंह के समान दिखती है, इसलिए इसे गोमुखासन कहा जाता है। इस आसन को नियमित रूप से करने से कंधों, छाती और पीठ के ऊपरी हिस्से में खिंचाव मसूस होता है। इस आसन में शरीर की मुद्रा गायक के मुख जैसी दिखाई देती है, इसलिए इसे गोमुखासन कहा जाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, गोमुखासन बैठकर किए जाने वाले महत्वपूर्ण आसनों में से एक है, जो आसन छाती और कंधों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। दरअसल, इस आसन को करने के दौरान हाथों को पीठ के पीछे ले जाकर आपस में बांधा जाता है और छाती को आगे की ओर खोला जाता है। इस प्रक्रिया से छाती के हिस्से में खिंचाव आता है और छाती पूरी तरह से खुल जाती है। छाती खुलने से फेफड़ों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। फेफड़ों को फैलने और सिकुड़ने के लिए ज्यादा जगह मिलती है, जिससे उनकी कार्यक्षमता बढ़ती है और शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर होता है। यही कारण है कि यह आसन सांस से जुड़ी समस्याओं में काफी मददगार है।

नियमित रूप से गोमुखासन का अभ्यास करने से अस्थमा, सांस फूलना और छाती में जकड़न जैसी परेशानियों में आराम मिलता है। इसके अलावा यह आसन कंधों और गर्दन की अकड़न को दूर करता है, पीठ को मजबूत बनाता है और शरीर के पोस्चर को भी सुधारता है।

यदि शुरुआत में पीठ के पीछे दोनों हाथ आपस में न मिलें, तो जबरदस्ती न करें। इसकी जगह आप किसी योग स्ट्रैप या रूमाल का सहारा ले सकते हैं। किसी भी व्यक्ति के घुटनों, कूल्हों, कंधों, कलाई या गर्दन में गंभीर दर्द या चोट है, तो यह आसन न करें।

विश्व केसरी

प्रशासनिक लापरवाही के चलते आम लोग बुनियादी सेवाओं से वंचित, उजागर करने वालों को मिल रही धमकियां

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। पूर्व कांग्रेस विधायक चंदन कश्यप ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ में डबल इंजन सरकार के विकास के दावे नारायणपुर क्षेत्र में सिर्फ कागजों तक सीमित रह गए हैं। प्रशासनिक लापरवाही के चलते क्षेत्र की जनता बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा के लिए तरस रही है। क्षेत्र में प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार का बोलबाला इस हद तक बढ़ चुका है कि अब आम जनता की जान और अधिकारों से खिलवाड़ किया जा रहा है।

नारायणपुर के पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने एक बयान जारी कर कहा है कि भानपुरी और फरसागुड़ा को मुरकुची से जोड़ने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी सड़क बारिश के चलते पूरी तरह टूट चुकी है। जानलेवा हो चुके इस मार्ग को लेकर बीते 10 दिन बाद भी जिम्मेदार विभागों और प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंगी है। हालात यह हैं कि इस टूटे और बदहाल मार्ग पर पिछले कुछ ही दिनों में 4 से 5 लोग वाहन समेत गिरकर गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं, फिर भी कोई सुध लेने वाला नहीं है। ?इस गंभीर स्थिति पर पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने कड़े शब्दों में हमला बोलते हुए कहा कि सड़क टूटे हुए और लोगों के लगातार हादसे का शिकार हुए 10 दिन से ऊपर हो चुके हैं, लेकिन अभी तक मरम्मत की सुध नहीं ली गई है। क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है? उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद शर्मनाक है। एक तरफ जहां खस्ताहाल सड़कें जनता की जान ले रही हैं, वहीं दूसरी तरफ सरकारी धन की खुली लूट मची हुई है। विश्रामपुर पंचायत के नागरवाही पारा में विधायक निधि से स्वीकृत 12 लाख रुपए की लागत से बने कार्य में भारी भ्रष्टाचार सामने आया है। इस भ्रष्टाचार की पोल ग्राम पंचायत के कुछ जागरूक लड़कों ने वीडियो बनाकर खोल दी।जैसे ही यह सच सामने आया, वैसे ही भ्रष्टाचारियों में हड़कंप मच गया और उसी ग्राम पंचायत के सरपंच लखेश्वर बंछोर, कोटवार, पंच, भाजपा नेताओं के करीबियों द्वारा वीडियो बनाने वाले लड़कों को पकड़कर जान से मारने-पीटने की धमकी दी गई और जबरन वीडियो डिलीट करने का दबाव बनाया गया। इस गंभीर और तानाशाहीपूर्ण रवैये की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक चंदन कश्यप तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मौके पर ही उक्त भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो गया। पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने शासन-प्रशासन और संबंधित विभागों को कड़ी चेतावनी देते हुए मांग की है कि जनता की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए भानपुरी, फरसागुड़ा, मुरकुची मुख्य मार्ग की मरम्मत का कार्य तत्काल युद्ध स्तर पर शुरू किया जाए, नागरवाही पारा में विधायक निधि के 12 लाख रुपए के कार्यों में हुए भ्रष्टाचार की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा सच सामने लाने वाले स्थानीय युवाओं को धमकाने, मारपीट की कोशिश करने और वीडियो डिलीट कराने का दबाव बनाने वाले सरपंच, कोटवार, पंच, भाजपा नेताओं पर तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

बस्तर दशहरा के रथ निर्माण में सांसद महेश कश्यप ने दिखाया अपने हाथों का हुनर

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट परंपराओं और लगभग 75 दिनों तक चलने वाले आयोजन के लिए देश दुनिया में अपनी अलग पहचान रखता है। इसकी तैयारियां इन दिनों जोरों पर हैं।

इसी क्रम में बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप जगदलपुर के सिरहासार पहुंचे,जहां झारउमरगांव के कारीगर दशहरा के विशाल पारंपरिक रथ के निर्माण में जुटे हुए हैं। सांसद महेश कश्यप ने कारीगरों को वस्त्र वितरित किया और स्वयं भी रथ निर्माण कार्य में हाथ बंटाकर श्रमदान कर बस्तर की ऐतिहासिक सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक शिल्पकारों को सम्मान किया द्य बस्तर दशहरा की तैयारियों के निरीक्षण के दौरान सांसद महेश कश्यप का यह स्वरूप विशेष रूप से देखने को मिला,जहां वे एक जनप्रतिनिधि और समिति अध्यक्ष की भूमिका से आगे बढ़कर पारंपरिक रथ निर्माण में जुटे कारीगरों के साथ सहभागी बने। ज्ञात हो कि सांसद महेश कश्यप जनप्रतिनिधि के रूप में केवल निरीक्षण और मार्गदर्शन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि स्वयं तकनीकी एवं निर्माण संबंधी कार्यों का व्यावहारिक अनुभव भी रखते हैं। उन्हें बढ़ईगिरी, मकान निर्माण, मैकेनिक कार्य और मूर्तिकला सहित विभिन्न प्रकार के हस्तकौशल का अनुभव है। उन्होंने अपना घर भी स्वयं बनाया है तथा लकड़ी से खिड़की दरवाजे,पलंग सहित विभिन्न उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया है। ऐसे में रथ निर्माण में उनका प्रत्यक्ष सहयोग कारीगरों के साथ उनके सहज जुड़ाव और पारंपरिक श्रम के प्रति सम्मान को दर्शाता है। बस्तर दशहरा की विशिष्ट पहचान यहां की लोकपरंपराओं,सामूहिक सहभागिता और पीढ़ियों से चली आ रही शिल्पकला में निहित हैद्य झारउमरगांव के कारीगर इसी परंपरा के संवाहक हैं,जो विशाल रथ का निर्माण कर बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हैं। सांसद महेश कश्यप का कारीगरों के बीच पहुंचकर वस्त्र वितरण करना और स्वयं निर्माण कार्य में हाथ बंटाना इस परंपरा के प्रति उनकी सक्रिय सहभागिता को रेखांकित करता है।

शराब दुकानदार को धमकी देने वाला गिरफ्तार

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक धोत्रे सुमीत कुमार के निर्देशन में बस्तर पुलिस द्वारा जिले में आपराधी तत्वों एवं असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली, जगदलपुर पुलिस द्वारा धरमपुरा स्थित शराब दुकान में हुई घटना के मामले में हिस्ट्रीशीटर आरोपी राजा ध्रुव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

ज्ञात हो कि 10 अक्टूबर की रात लगभग 10 बजे शराब दुकान बंद होने के बाद दुकान का मैनेजर कार्यालयीन कार्य कर रहा था कि इसी दौरान राजा ध्रुव वहां पहुंचा और दुकान के बंद दरवाजे पर लात मारकर उसे तोड़ते हुए अंदर प्रवेश कर गया। इसके बाद आरोपी को दुकान बंद होने की जानकारी दी जाने के बावजूद वह अवैध रूप से शराब की मांग करने लगा तथा शराब देने से मना करने पर आरोपी ने दुकान में मौजूद मैनेजर एवं अन्य कर्मचारियों के साथ अश्लील गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने पर उतारू हो गया। घटना के संबंध में शराब दुकान के मैनेजर द्वारा थाना कोतवाली, जगदलपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। थाना कोतवाली में धारा 296, 351(2), 331(4) एवं 119(1), भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना के दौरान प्रार्थी एवं गवाहों के कथन दर्ज किए गए तथा अन्य साक्ष्य एकत्रित किए गए। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी राजा ध्रुव को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की गई।

25 वर्षों से आदिवासी अंचल में सेवा दे रहे डॉ. रामटेके की कलेक्टर ने की सराहना

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। आदिवासी अंचल में लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे अंतागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. भेषज रामटेके के समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की जिला कलेक्टर कुंदन कुमार ने सार्वजनिक मंच से सराहना की। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत ग्राम कोड़ेखुर्से में आयोजित जिला स्तरीय मेगा स्वास्थ्य शिविर के दौरान कलेक्टर ने डॉ. रामटेके के सेवाभाव का उल्लेख करते हुए उन्हें अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। शिविर में स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था और अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर कुंदन कुमार ने डॉ. रामटेके की

कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि अंतागढ़ में एक ऐसे डॉक्टर हैं, जो पिछले करीब 25 वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अगर बीएमओ बनना है तो इनके जैसा बनो।' कलेक्टर के इन शब्दों के साथ ही पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। जिले के अधिकारियों और उपस्थित लोगों के बीच यह सराहना चर्चा का विषय बन गई।

कठिन परिस्थितियों में सेवा की मिसाल - आदिवासी एवं दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। ऐसे क्षेत्रों में चिकित्सकों की उपलब्धता, संसाधनों की कमी और ग्रामीणों तक समय पर उपचार पहुंचाना स्वास्थ्य विभाग के सामने बड़ी जिम्मेदारी होती है। इन परिस्थितियों के बीच डॉ. रामटेके का लंबे समय तक अंतागढ़ क्षेत्र में सेवाएं देना उनके कार्य के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उनकी सेवाओं का उल्लेख करते हुए कलेक्टर ने जिस तरह सार्वजनिक मंच से उनकी प्रशंसा की, उससे यह संदेश भी सामने आया कि प्रशासन के लिए केवल पद और जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता भी महत्वपूर्ण है। सम्मान के साथ दूसरे स्वास्थ्यकर्मियों के लिए प्रेरणा कलेक्टर द्वारा डॉ. रामटेके की सराहना को स्वास्थ्य विभाग के उन कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है, जो कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटे हैं।

शशिकला गोटे तक पहुंचा मातृत्व योजना का लाभ

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। जिले के दूरस्थ ग्राम कोंगोपल्ली की गर्भवती महिला शशिकला गोटे को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता मिली है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की संवेदनशील पहल से उन्हें बिना शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाए योजना का लाभ प्राप्त हुआ।

गांव तक पहुंचने के लिए नदी पार करनी पड़ती है, जिससे विशेषकर बरसात में आवागमन कठिन हो जाता है। ऐसे में पामगल सेक्टर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने शशिकला के घर पहुंचकर उन्हें योजना की जानकारी दी, आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कराई और पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन सुनिश्चित किया। योजना से मिली राशि से शशिकला को पौष्टिक आहार और आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था करने में मदद मिली। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के सहयोग के लिए आभार जताया।

यह पहल दर्शाती है कि महिला एवं बाल विकास विभाग का मैदानी अमला दुर्गम क्षेत्रों में भी शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जरूरतमंद महिलाओं तक पहुंचाकर सुरक्षित मातृत्व और बेहतर पोषण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

दीपावली से पहले यातायात और नगर पालिका की संयुक्त कार्रवाई

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। दीपावली त्योहार को देखते हुए शहर में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने और लगातार लगने वाले जाम से लोगों को राहत दिलाने यातायात पुलिस एवं नगर पालिका की संयुक्त टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

सोमवार को थाने के सामने से अभियान की शुरुआत की गई। इसके तहत सड़क पर बाइक-कार खड़ी करने वालों तथा दुकानों के सामने सड़क घेरकर सामान रखने वाले दुकानदारों को समझाइश देने के साथ नोटिस और चालानी कार्रवाई की जा रही है।

शहर में सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग, दुकानों के सामने सामान फैलाने और सड़क पर अतिक्रमण के कारण आवागमन प्रभावित होता है। खासकर त्योहार के दौरान बाजार में भीड़ बढ़ने से जाम की समस्या गंभीर हो जाती है। इसे देखते हुए संयुक्त टीम ने सड़क को बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली के विरोध में आप का धरना-प्रदर्शन

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। सुनहेर हिड़को ब्लॉक अध्यक्ष आम आदमी पार्टी, अंतागढ़ द्वारा लोकतंत्र की रक्षा, निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था की मांग तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली के विरोध में गोल्डन चौक, अंतागढ़ में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध दर्ज कराते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया और चुनाव आयोग की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

वरिष्ठ आप नेता राजा परवेज खान का कहना है कि भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव व्यवस्था है। चुनाव आयोग एक महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था है, जिस पर देश के करोड़ों मतदाताओं का विश्वास कायम रहना आवश्यक है। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर जब भी सवाल उठते हैं, तो संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे जनता की शंकाओं का समाधान करें और तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करें।

अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग, रावघाट क्षेत्रवासियों का समर्थन

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर अब रावघाट क्षेत्र के ग्रामीणों ने भी खुलकर समर्थन जताया है। क्षेत्र के गांव प्रमुखों ने बैठक आयोजित कर अंतागढ़ को जिला बनाए जाने के पक्ष में एकजुटता दिखाई और स्पष्ट किया कि यदि नया जिला बनाया जाता है, तो अंतागढ़ को ही जिला बनाया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने कहा कि यदि किसी दूसरे क्षेत्र को जिला बनाया जाता है, तो वे इसका समर्थन नहीं करेंगे। ऐसी स्थिति में वे नारायणपुर जिले में शामिल किए जाने की मांग पर अड़े रहेंगे।

बैठक में रावघाट क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, खनिज संपदा, जिला मुख्यालय से दूरी तथा क्षेत्रवासियों को होने वाली प्रशासनिक परेशानियों पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीणों का कहना है कि रावघाट क्षेत्र खनिज संपदा से भरपूर है और वर्तमान में जिले को राजस्व उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके बावजूद क्षेत्र के लोगों को प्रशासनिक सुविधाओं के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र की उपेक्षा से जोड़ते हुए कहा कि यहां के लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखकर अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

160 किलोमीटर से अधिक दूरी, आम लोगों को परेशानी- रावघाट क्षेत्र के ग्रामीणों के अनुसार, वर्तमान जिला मुख्यालय की दूरी क्षेत्र से 160 किलोमीटर से अधिक है। इतनी लंबी दूरी तय कर जिला स्तर के शासकीय कार्यों को पूरा करना आम लोगों के लिए आसान नहीं है। कई बार जिला मुख्यालय तक आने-जाने में पूरा दिन लग जाता है, जिससे लोगों का समय और पैसा दोनों खर्च होते हैं। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को विभिन्न शासकीय कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करने के कारण आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि अंतागढ़ को जिला मुख्यालय बनाया जाता है, तो क्षेत्र के लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इससे सरकारी कार्यालयों तक पहुंच आसान होगी और लोगों को समय तथा आर्थिक खर्च में राहत मिल सकेगी। उनका मानना है कि अंतागढ़ को जिला बनाए जाने से क्षेत्र के विकास को भी गति मिल सकती है।

अंतागढ़ जिला नहीं तो नारायणपुर में शामिल करने की मांग - बैठक में गांव प्रमुखों और क्षेत्रवासियों ने अपनी मांग को लेकर स्पष्ट रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि यदि शासन नए जिले के गठन पर निर्णय लेता है, तो उनकी पहली मांग अंतागढ़ को जिला बनाने की है।

जगदलपुर में 18 से 26 अक्टूबर तक स्वदेशी मेला

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। नगर के लालबाग मैदान पर 18 से 26 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले स्वदेशी मेला के स्थल का भूमिपूजन शारदीय नवरात्र के प्रथम दिवस पर वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर के महापौर संजय पाण्डेय, बस्तर चैम्बर के अध्यक्ष श्याम सोमानी तथा इंद्रावती प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शरद अवस्थी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्वदेशी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भूमिपूजन के अवसर पर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि स्वदेशी का संदेश घर-घर तक पहुंचाना और स्वदेशी अपनाना आज देश की आवश्यकता है। श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी के स्वदेशी विचारों एवं प्रेरणाओं को आत्मसात करते हुए हम सभी को स्वदेशी के प्रति संकल्पित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वदेशी केवल भारतीय उत्पादों को अपनाने का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र के आर्थिक स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने का व्यापक विचार है। महापौर संजय पाण्डेय ने कहा कि स्वदेशी आज देश की आवश्यकता है।

स्वदेशी मेला स्वदेशी विचारों का महाकुंभ है, जो भारतीय उत्पादों, स्थानीय उद्यमियों एवं स्वावलंबन की भावना को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पूरी तन्मयता एवं समर्पण के साथ जुटकर मेले को सफल बनाने का आह्वान किया। मेला संयोजक किशोर पारख ने बताया की 17 अक्टूबर को 'रन फॉर स्वदेशी' का कार्यक्रम मां दंतेश्वरी देवी मंदिर से शुरू जाएगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादकः रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251